नई दिल्ली

25 सितंबर, 2026 शुक्रवार

मूल्य : 01 रुपए
पृष्ठ : 08
वर्ष : 14
अंक : 176

अनोखे अंदाज़ और निराले तेवर के साथ इन्साफ की डगर पर

टाइम्स ऑफ़ पीडिया

RNI No. DELMUL/2012/47011

www.timesofpedia.com

Email : timesofpedia@gmail.com

अपने ही एआई विडियो को देखकर हैरान हुए डेविड वार्नर 07

संक्षिप्त वार्ता

विकास दिव्यकीर्ति ने निजता के अधिकार के लिए खटखटाया दिल्ली हाई कोर्ट का दरवाजा

नई दिल्ली। दृष्टि आईएएस के संस्थापक और सोशल मीडिया पर बेहद लोकप्रिय विकास दिव्यकीर्ति ने अपनी व्यक्तित्व और निजता के अधिकारों की सुरक्षा के लिए दिल्ली हाई कोर्ट का रुख किया। उन्होंने यह याचिका तब दायर की है जब कई प्रमुख हस्तियां, जिसमें फिल्म स्टार अमिताभ बच्चन और सलमान खान शामिल हैं, पहले भी अपने नाम, तस्वीर और पहचान संबंधी विशेषताओं के कारोबारी या निजी लाभ के लिए गलत इस्तेमाल पर रोक लगाने के लिए अदालत से संरक्षण प्राप्त कर चुकी हैं।

न्यायमूर्ति पुरुषेंद्र कुमार कौरव के समक्ष सूचीबद्ध मामले में अदालत ने संकेत दिया कि इसकी सुनवाई उस समन्वय पीठ द्वारा की जानी चाहिए जो पहले से ही निजता के अधिकारों से संबंधित मामलों पर विचार कर रही है। दिव्यकीर्ति की ओर से पेश वकील ने कि याचिका में फर्जी प्रोफाइल बनाने, उनकी तस्वीरों का अनाधिकृत उपयोग करने और अन्य पहचान संबंधी डेटा के दुरुपयोग सहित तीन मुख्य प्रकार के उल्लंघनों का आरोप लगाया गया है।

पहले एनएसए का पद जूनियर होता था अब पीएम ने डोभाल को कैबिनेट रैंक दी है

नई दिल्ली। एनएसए अजीत डोभाल पर महाराष्ट्र के पूर्व सीएम और वरिष्ठ कांग्रेस नेता पृथ्वीराज चव्हाण ने सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा है कि एनडीए सरकार में डोभाल को कैबिनेट मंत्री का दर्जा दिया गया है। उन्होंने कहा है कि पहले एनएसए का पद जूनियर होता था। खास बात है कि हाल ही में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने भी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार पर निशाना साधा था।

उन्होंने सवाल किया है कि भारत सरकार में विदेश नीति कौन चला रहे हैं? साथ ही कहा कि आज पीएम के नेतृत्व में विदेश नीति कौन चला रहा है। एक तरफ तो हमने देखा है कि एस जयशंकर हैं, बहुत अनुभवी हैं, आईएफएस अधिकारी हैं। एक तरफ अजीत डोभाल हैं, जो 10 साल से सुरक्षा सलाहकार का काम कर रहे हैं। हमारे समय डॉक्टर मनमोहन सिंह पीएम थे, तब एनएसए जूनियर पोस्ट थी। कैबिनेट मंत्री थे और उनके नीचे राज्य मंत्री एनएसए होते थे।

मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे पर बस में लगी भीषण आग, सभी यात्रियों को सुरक्षित निकाला

मुंबई। महाराष्ट्र के पनवेल सीमा क्षेत्र में मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे पर एक बस में अचानक आग लगने की घटना सामने आई है। बस में कुल 14 यात्री सवार थे। सभी यात्रियों को सुरक्षित रूप से दूसरी बस में शिफ्ट कर आगे रवाना कर दिया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे पर पुणे लेन में किलोमीटर 16 के पास बस में आग लगी। समय रहते सभी यात्रियों को बस से बाहर निकाल लिया गया।

पुलिस और दमकल विभाग को बस में आग लगने की सूचना दी गई। मौके पर पहुंचने के बाद पनवेल महानगरपालिका और खोपोली नगर परिषद की दमकल विभाग की टीमों ने आग पर काबू पाया। हालांकि तब तक बस पूरी तरह जलकर खाक हो गई। इससे पहले महाराष्ट्र के पुणे जिले में दौंड तालुका अंतर्गत चौफुला से सुपा घाट मार्ग पर एक बस हादसा हुआ। यह महाराष्ट्र राज्य परिवहन (एसटी) की बस थी और स्कूल छात्रों को ले जा रही थी।

युवाओं से बोले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

आचरण से दें सेवा का संदेश

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को सेवा संकल्प अभियान के तहत वडनगर से वाराणसी जा रहे युवाओं के दल से संवाद किया। इस दौरान उन्होंने सेवा को सबसे बड़ा धर्म बताते हुए युवाओं से अपने आचरण के जरिए सेवा का संदेश देने की अपील की।

नई दिल्ली

पीएम मोदी ने कहा कि सेवा पर उपदेश देने के बजाय सेवा करके उसका संदेश देना चाहिए। उन्होंने कहा कि कितनी भी बड़ी सत्ता या जिम्मेदारी मिले, रास्ता हमेशा सेवा का ही होना चाहिए और ह्यसेवा परमो धर्मःह्न की भावना के साथ आगे बढ़ना चाहिए।

प्रधानमंत्री ने यात्रा की परंपरा का उल्लेख करते हुए सेवा यात्रियों को प्रणाम किया। उन्होंने कहा कि मान्यता है कि यात्रा से लौटे व्यक्ति को प्रणाम करने वाले को यात्रा के पुण्य का आधा हिस्सा मिलता है। उन्होंने कहा कि वह भी सेवा यात्रियों को प्रणाम कर उनका आधा पुण्य प्राप्त कर रहे हैं। पीएम मोदी ने पर्यावरण संरक्षण को लेकर पौधारोपण की एक तकनीक भी साझा की। उन्होंने कहा कि पौधा लगाने के बाद उसके पास पानी से भरा मिट्टी का घड़ा रखा जा सकता है।

महीने में एक बार घड़े को पानी से भरने से पौधे को पानी मिलता रहेगा। उनके मुताबिक, इससे पानी की बचत के साथ अधिक पेड़ उगाने में मदद मिल सकती है।

उन्होंने वडनगर और वाराणसी को हजारों वर्षों से जीवंत ऐतिहासिक शहर बताते हुए कहा कि एक उनकी जन्मभूमि और दूसरा कर्मभूमि है। वडनगर को हाटकेश्वर महादेव और वाराणसी को बाबा विश्वनाथ की आशीर्वाद की भूमि बताते हुए उन्होंने यात्रा से जुड़े युवाओं के अनुभवों की सराहना की। प्रधानमंत्री ने कहा कि सेवाभाव से किए गए काम का असर समाज के जरूरतमंद वर्गों तक दिखाई देता है। उन्होंने मुफ्त अनाज, आयुष्मान योजना, पीएम-किसान और पीएम सूर्य घर योजना का उल्लेख करते हुए कहा कि इन योजनाओं में अंतिम छोर तक सेवा पहुंचाने पर जोर है।

उन्होंने कहा कि सेवा ही सबसे बड़ी प्रेरक शक्ति है। पीएम मोदी ने कहा कि आज की युवा पीढ़ी विकसित भारत की निमार्ता भी है और भविष्य की बड़ी लाभार्थी भी। इसके लिए युवाओं को देश को जमीन पर जानने, विभिन्न क्षेत्रों और सामाजिक वर्गों से मिलने तथा लोगों की आकांक्षाओं और सपनों को समझने की जरूरत है।

...और सुशासन अभियान है

उन्होंने कहा कि 2047 तक विकसित भारत के निर्माण में युवाशक्ति की बड़ी भूमिका होगी।उन्होंने स्पष्ट किया कि राजनीति, चुनाव और शासन व्यवस्था अपनी जगह हैं, लेकिन उनका उद्देश्य राष्ट्र निर्माण और विकसित भारत के संकल्प को आगे बढ़ाना है। सेवा संकल्प यात्रा प्रधानमंत्री के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूरे होने के अवसर पर 17 सितंबर 2026 से शुरू किया गया व्यापक जनसेवा और सुशासन अभियान है।

जम्मू-कश्मीर विधानसभा

फ्री एलपीजी पर घमासान, 12 की जगह 6 सिलेंडर का ऐलान

श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर विधानसभा में गुरुवार को फ्री एलपीजी सिलेंडर को लेकर जोरदार हंगामा हुआ। फूड, सिविल सप्लाई और उपभोक्ता मंत्री सतीश शर्मा ने बताया कि राज्य सरकार ने योग्य परिवारों को 6 मुफ्त एलपीजी सिलेंडर देने की नीति को मंजूरी दे दी है। इस घोषणा पर विपक्ष ने तुरंत कड़ी आपत्ति जताकर आरोप लगाया कि उमर सरकार अपने वादे से मुकर गई है। नेता शर्मा ने याद दिलाया कि लगभग दो साल पहले सरकार ने हर घर के लिए 12 मुफ्त एलपीजी सिलेंडर देने का ऐलान किया था। उन्होंने कहा कि वादे की संख्या को घटाकर 6 करना लोगों के साथ मजाक और बड़ा धोखा है। सदन में विपक्ष ने झूठी सरकार और यह धोखा है जैसे नारे लगाए। शर्मा ने सरकार पर लोगों के सामने बेनकाब होने और अपने वादे पूरे न करने का आरोप लगाया। उन्होंने पूछा कि उमर सरकार के एक लाख नौकरियों के पहले के वादे का क्या हुआ। तीखी बहस के बाद भी, विपक्ष ने कार्यवाही के दौरान लगातार नारेबाजी जारी रखी, जिससे सदन में गहमागहमी बनी रही।

राममंदिर के बाद अब सबरीमाला मंदिर में चोरी

असली की जगह नकली मुकुट रखा मिला

तिरुवंनपुरम। सबरीमाला मंदिर में एक बार फिर सोने के आभूषण को लेकर बड़ा मामला सामने आया है। सन्निधानम के स्ट्रॉन्ग रूम में रखा 446 ग्राम का सोने का मुकुट गायब मिला है। सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि वहां असली मुकुट की जगह नकली मुकुट रखा मिला यानी किसी ने सिर्फ सोना गायब नहीं किया बल्कि असली गहने को हटाकर उसकी जगह दूसरा मुकुट रख दिया।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मामले का खुला तब हुआ जब मंदिर के पवित्र आभूषणों की गिनती और जांच चल रही थी। यह जांच हाईकोर्ट के निर्देश पर जस्टिस के टी शंकरन की अगुवाई में हो रही है। जांच में मुकुट को लेकर यह बड़ा अंतर सामने आया। अब सुरक्षा व्यवस्था से लेकर उस दौरान जिम्मेदार रहे अधिकारियों और कर्मचारियों तक पर सवाल उठ रहे हैं। यह मुकुट साल 2012 में तमिलनाडु के भक्तों ने सबरीमाला मंदिर में अर्पित किया था। इसे सन्निधानम से आरणमुला के मुख्य स्ट्रॉन्ग रूम में भेजा जाना था, लेकिन मुकुट को ऐसी जगह रखा गया जहां सीसीटीवी कैमरों की निगरानी नहीं थी।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने सेवा संकल्प बाईक यात्रा के राइडर्स से किया वर्चुअल संवाद

प्रधानमंत्री मोदी ने सार्वजनिक जीवन के 25 वर्षों में सेवा भाव को भी किया चरितार्थ: मुख्यमंत्री

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने सार्वजनिक जीवन के 25 वर्षों में निरंतर परिश्रम, अनुशासन और राष्ट्र धर्म की भावना के साथ काम किया है। वर्ष 2001 में गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में उनकी संवैधानिक जिम्मेदारी की शुरूआत हुई और आज वे देश के प्रधानमंत्री के रूप में राष्ट्र की सेवा कर रहे हैं। गरीब, किसान, महिला, युवा और वंचित वर्ग के हर व्यक्ति को विकास की मुख्य धारा से जोड़ने का प्रयास उनकी कार्यशैली में स्पष्ट दिखाई देता है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने देश को भव्य और दिव्य श्रीराम मंदिर की सौगात दी। इसके साथ ही राम राज्य की संकल्पना को साकार करते हुए हर गरीब को घर, पर्याप्त भोजन और बच्चों के लिए बेहतर शिक्षा सुविधा उपलब्ध कराई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सेवा संकल्प अभियान अंतर्गत वडनगर से वाराणसी जा रही युवाओं की बाइक यात्रा का देवास जिले के पुंजापुरा में स्वागत करते हुए यह बात कही। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सामाजिक सुरक्षा पेंशन के

प्रदेश के 35 लाख 42 हजार हितग्राहियों को सिंगल क्लिक से 212 करोड़ 57 लाख रुपए की राशि उनके खातों में अंतरित की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने करणावत पुलिस सहायता केंद्र को पुलिस थाना बनाने, पुलिस जवानों के लिए आवास निर्माण करने तथा शासकीय गोदाम के लिए राशि स्वीकृत करने की घोषणा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यक्रम में सेवा संकल्प बाइक यात्रा में बाइक राइड भी की। मेधावी विद्यार्थियों को स्कूटी प्रदान की। हितग्राहियों को हितलाभ का वितरण किया। उन्होंने बाइक राइडर्स के साथ पौधरोपण भी किया। उप मुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा तथा सांसद श्री वी.डी. शर्मा इस अवसर पर विशेष रूप से उपस्थित थे।

शाजापुर जिले के निवासी हैं श्री दीपेश गोटी

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने वडनगर से वाराणसी के लिए निकाली गई ह्यसेवा संकल्प बाइक यात्राह्न में शामिल राइडर्स से अलग-अलग स्थानों से वर्चुअली संवाद किया। देवास जिले के पुंजापुरा में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की उपस्थिति में बाइक राइडर्स दल के सेवा यात्री श्री दीपेश गोटी ने प्रधानमंत्री से संवाद में अब तक की अपनी यात्रा के अनुभव साझा किए। शाजापुर जिले के निवासी श्री गोटी ने बताया कि यात्रा के दौरान अन्य राज्यों के युवाओं से दूसरी भाषाएं सीखने और उनकी संस्कृति से परिचित होने का अवसर मिला है। रास्ते में पीएम आवास के हितग्राहियों से मुलाकात हुई। विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों को नमो ऐप से जोड़ा जा रहा है।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने मध्यप्रदेश के युवाओं की उद्यमशीलता को सराहा

प्रधानमंत्री श्री मोदी के वड़नगर में स्थानीय लोगों से संपर्क बढ़ाने के सवाल पर श्री दीपेश गोटी ने बताया कि उन्होंने अपने व्यापार-व्यवसाय की दृष्टि से कुछ स्थानीय लोगों के मोबाइल नंबर लिए हैं। इस पर प्रधानमंत्री श्री मोदी ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह अच्छी बात है। अब मध्यप्रदेश का भी मिजाज बदल रहा है। मध्यप्रदेश के युवा भी जहां जा रहे है, वहां व्यापार के अवसर खोज रहे हैं, उनमें उद्यमशीलता भरी है। मध्यप्रदेश के युवाओं ने सेवा संकल्प यात्रा में 'माय प्रामिस टू मोदी जी' का नवाचार किया है, जिसमें 25 सेवा कार्य लिस्ट किए हैं और हर सेवा यात्री को किसी एक सेवा का संकल्प दिलाया जा रहा है।

सीईसी ज्ञानेश कुमार के खिलाफ अवमानना कार्रवाई की मांग, अटॉर्नी जनरल से मांगी अनुमति

नई दिल्ली। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ आपराधिक अवमानना की कार्यवाही शुरू करने के लिए सुप्रीम कोर्ट के एक वकील ने अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमणी से अनुमति मांगी है। वकील ब्रजेश सिंह ने 24 सितंबर को अटॉर्नी जनरल को पत्र भेजकर आरोप लगाया कि चुनाव आयोग के कामकाज को लेकर सुप्रीम कोर्ट द्वारा तय किए गए सिद्धांतों की कथित तौर पर अनदेखी की गई है। हालांकि, यह अभी केवल एक मांग है और अवमानना की कोई कार्यवाही शुरू नहीं हुई है।

वकील ने अपने पत्र में कंटेम्प्ट ऑफ कोर्ट्स एक्ट, 1971 की धारा 15(1)(बी) और धारा 2(सी) के साथ सुप्रीम कोर्ट में अवमानना कार्यवाही से संबंधित 1975 के नियमों का हवाला दिया है। उनका कहना है कि आगे की कार्यवाही के लिए अटॉर्नी जनरल की सहमति आवश्यक है।

ब्रजेश सिंह ने पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त टी.एन. शेषन से जुड़े मामले और 2023 के अनूप बरनवाल मामले का उल्लेख किया है। उनका दावा है कि इन फैसलों में चुनाव आयोग के बहु-सदस्यीय स्वरूप और संस्थागत कार्यप्रणाली पर महत्वपूर्ण बातें कही गई हैं। अनूप बरनवाल मामले में सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति प्रक्रिया और स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव से जुड़े संवैधानिक पहलुओं पर विचार किया था।

यह मामला ऐसे समय सामने आया है जब चुनाव आयोग के भीतर कथित मतभेदों को लेकर रिपोर्ट सामने आई है। एक रिपोर्ट के अनुसार चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने पिछले 10 महीनों में कई फैसलों पर लिखित आपत्तियां दर्ज कराई थीं। हालांकि, चुनाव आयोग ने इन रिपोर्टों की अलग व्याख्या करते हुए कहा है कि विचारों में मतभेद संस्थागत विचार-विमर्श का हिस्सा हो सकते हैं और आयोग के सभी फैसले सर्वसम्मति से लिए गए हैं।

आंध्र-ओडिशा तट से टकराया अर्नब चक्रवात, भारी बारिश से जनजीवन प्रभावित

भुवनेश्वर। बंगाल की खाड़ी में बना चक्रवाती तूफान अर्नब देर रात करीब 11 बजे से 1 बजे के बीच उत्तर आंध्र प्रदेश और दक्षिण ओडिशा के तट से टकराया। इसके प्रभाव से दोनों राज्यों के कई हिस्सों में तेज हवाओं के साथ भारी बारिश हो रही है। ओडिशा में प्रशासन ने एहतियात के तौर पर करीब 5 हजार लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया है। दक्षिणी जिलों में भारी बारिश के कारण चार से अधिक पुल और सड़कें क्षतिग्रस्त होने की जानकारी सामने आई है।

आंध्र प्रदेश के श्रीकाकुलम जिले के कलिंगपट्टनम और आसपास के क्षेत्रों में तेज बारिश के साथ करीब 75 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलीं। विजयवाड़ा में भी सुबह से लगातार बारिश जारी है। इसके कारण निचले इलाकों में जलभराव की स्थिति बन गई है। शहर के कई स्कूलों में लगातार दूसरे दिन छुट्टी घोषित की गई है।

करीब पांच करोड़ लोग आ सकते हैं भुखमरी के संकट की चपेट में

नई दिल्ली। एशिया महाद्विप में करीब पांच करोड़ लोग भुखमरी के संकट की चपेट में आ सकते हैं। यह चेतावनी दी है विश्व खाद्य कार्यक्रम ने। अल नीनो के मजबूत होने की चेतावनियों के बीच खाद्य सुरक्षा, पानी की उपलब्धता और कृषि उत्पादन पर दबाव बढ़ने की आशंका जताई जा रही है। वहीं संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने भी अल नीनो के बढ़ते प्रभाव को लेकर चिंता जताई है। वैज्ञानिकों के अनुसार प्रशांत महासागर के असामान्य रूप से गर्म होते पानी और जलवायु परिवर्तन का प्रभाव मिलकर स्थिति को और गंभीर बना सकता है। भारत में भी मानसून के दौरान इसके संकेत दिखाई देने की बात कही जा रही है। जून से सितंबर के बीच कई क्षेत्रों में बारिश सामान्य से कम रही है। महाराष्ट्र के कुछ जिलों में सूखे जैसे हालात बनने की आशंका जताई गई है। इसका असर खरीफ फसलों पर पड़ सकता है। चावल, दाल, कपास और मक्का जैसी फसलों का उत्पादन प्रभावित होने पर आने वाले महीनों में खाद्य कीमतों पर दबाव बढ़ सकता है।

इसका सबसे अधिक असर कम आय वाले परिवारों पर पड़ने

की आशंका है। भारत सरकार ने संभावित स्थिति से निपटने के लिए संवेदनशील जिलों में जल संरक्षण और वर्षा जल संचयन पर जोर दिया है। किसानों को कम पानी में तैयार होने वाली और कम अवधि की फसलों की ओर बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। दालों और बाजरे जैसी फसलों को भी विकल्प के तौर पर बढ़ावा देने की बात कही गई है। श्रीलंका में भी सूखे का असर गंभीर बताया जा रहा है। एक लाख साठ हजार से अधिक लोगों के पेयजल संकट से प्रभावित होने की बात सामने आई है।

जोखिम से निपटने के लिये की जा रही है तैंयारियाँ

देश की आपदा प्रबंधन एजेंसी समुद्री पानी को पीने योग्य बनाने की योजना पर भी काम कर रही है, हालांकि उसकी मौजूदा क्षमता सीमित है। दक्षिण-पूर्व एशिया में चावल उत्पादन को लेकर भी चिंता है। क्षेत्रीय उत्पादन में आठ से दस प्रतिशत तक गिरावट का अनुमान बताया गया है। इंडोनेशिया और फिलीपींस जैसे देशों में परिवारों की आय का बड़ा हिस्सा भोजन पर खर्च होता है। ऐसे में उत्पादन घटने से कीमतों में वृद्धि का असर सीधे घरेलू बजट पर पड़ सकता है। पूर्वी एशिया में भी गर्मी, भारी बारिश और तूफानों का खतरा बना हुआ है। दक्षिण कोरिया में सूखे के बाद अचानक भारी बारिश देखने को मिली। जापान में कई स्थानों पर तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर पहुंचने की घटनाएं सामने आई हैं। चीन, हांगकांग और ताइवान में भी अत्यधिक गर्मी और जलवायु जोखिम से निपटने के लिए तैयारियां की जा रही हैं।

संपादकीय

आत्महत्याओं के आईआईटी

आईआईटी बॉम्बे के होनहार, मेधावी, प्रतिभाशाली, भावी नवप्रवर्तक या आविष्कारक साहिल वाकोडे ने आत्महत्या कर ली। पंखे से लटक कर जान दे दी। पल भर में ही सपनों और संभावनाओं का संसार समाप्त हो गया। कुछ अरसे के बाद यह त्रासदी भी अतीत हो जाएगी, क्योंकि युवा छात्रों में आत्महत्या की प्रवृत्ति और पराजित मन:स्थिति एक निरंतर प्रक्रिया है, सिलसिला बन गया है। ऐसी घटनाएं बेहद मर्माहत करती हैं, त्रासद होती हैं, परिवार बिखर जाता है, उन माता-पिता की स्थिति पर जरा-सा भी चिंतन नहीं किया जाता, जिन्होंने आईआईटी औलाद के लिए संसाधनों का जुगाड़ किया। अब बुजुर्ग होने की उम्र के मुहाने पर वे अचानक अकेले कर दिए गए हैं। ये युवा आत्महत्याएं सभी प्रमुख आईआईटी में हो रही हैं और कोटा जैसे कोचिंग सेंटर के शहरों में हो रही हैं। ऐसा कौन-सा मानसिक दबाव, प्रतिस्पर्द्धा का खौफ, पारिवारिक चिंताएं और सबसे भयावह अकेलापन है, जो जिंदगी से हार कर हमारे प्रतिभाशाली बच्चे आत्मघाती होते जा रहे हैं? आईआईटी में आने के बावजूद उन्हें सिखाना पड़ेगा कि संघर्ष कैसे करना है? सरकार और शीर्ष शैक्षिक संस्थानों ने छात्रों, प्रशासन और प्रोफेसरों के लिए कुछ दिशा-निर्देश तय किए थे, उन्हें राष्ट्रीय शिक्षा नीति में शामिल किया था, फिर भी आत्महत्याएं जारी हैं! बेहद चिंतित स्थिति है। 2026 के पहले सात माह के दौरान आईआईटी बॉम्बे में ही 3 छात्र आत्महत्या कर चुके हैं।

सबसे अधिक आत्महत्याएं आईआईटी खडगपुर और मद्रास में की जाती हैं। 2025 में सभी प्रमुख आईआईटी में 15 छात्रों ने आत्महत्याएं कीं और 2021-25 के बीच यह आंकड़ा 65 तक पहुंच गया। 2006-26 के बीच 171 हाअसामान्य मौतेंह्न दर्ज की गई। उनमें से 140 आत्महत्याएं आईआईटी छात्रों ने कीं। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने भी संसद में यह रपट और आंकड़े पेश किए हैं कि देश के शीर्षस्थ संस्थानों (आईआईटी, आईआईएम, एनआईटी) में बीते कुछ सालों में आत्महत्याओं के दर्जनों मामले दर्ज किए गए हैं। हालांकि आईआईएम में ऐसी युवा त्रासदियां इक्का-दुक्का ही सामने आई हैं, लेकिन अन्य संस्थानों में आत्महत्या की मन:स्थिति बढ़ती ही जा रही है। व्यवस्थाएं भी जिम्मेदार हैं। करीब 65 फीसदी उच्च शिक्षा संस्थानों में मानसिक स्वास्थ्य सेवाएं ही उपलब्ध नहीं हैं। मानसिक अवसाद, तनाव को नियंत्रित करने की व्यवस्था ही नहीं है। आत्महत्या करने वाले छात्र साहिल के प्रति सहानुभूति और उसके परिजनों के प्रति संवेदनाएं स्वाभाविक हैं, लेकिन प्रो. सूर्यनारायण ने उसका जातिवादी उत्पीड़न किया था और अपशब्दों का इस्तेमाल करते रहे थे, इस निष्कर्ष तक पहुंचना भी अन्यायपूर्ण और पूर्वाग्रही होगा। ऐसे प्रोफेसर ही नवाचार की पीढ़ी तैयार करते हैं, क्योंकि वे बुनियादी रूप से शिक्षक हैं। हमने अपने छात्र-जीवन में दलित, ओबीसी शिक्षकों के पांव छुए हैं। बेशक जेन-जी की सोच कुछ और होगी! लेकिन शिक्षक-छात्र का रिश्ता जातिवादी नहीं होता। यह भी एक राजनीतिक नेरेटिव है। आईआईटी की औसत कक्षा में 60 फीसदी से अधिक छात्र अनुसूचित जाति, जनजाति और ओबीसी के होते हैं। उन छात्रों के अपने समूह होते हैं, लिहाजा कोई भी प्रोफेसर अथवा सवर्ण छात्र, सहजता से, उन्हें जातीय आधार पर शोषित या अलग-थलग नहीं कर सकता। इस दुष्प्रचार से बचना चाहिए। आईआईटी के स्तर पर प्रोफेसर-छात्र के संबंध दोस्ताना भी होने लगते हैं, क्योंकि छात्रों में से ही कुछ जूनियर प्रोफेसर बनकर संस्थान में आ सकते हैं। हालांकि पुलिस ने आरोपित प्रोफेसर के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने, बाध्य करने और एससी/एसटी कानून की धाराओं में केस दर्ज किया है, लिहाजा जांच की प्रतीक्षा करनी चाहिए।

बेशक मृतक छात्र के माता-पिता का गुस्सा, आक्रोश समझा जा सकता है, लिहाजा उनके आरोप स्वाभाविक हो सकते हैं, लेकिन प्रोफेसर को बिना किसी साक्ष्य अथवा जांच के खलनायक करार देना भी न्यायिक नहीं है। आईआईटी बॉम्बे में करीब 14,000 छात्र हैं। उसके अधिकतर छात्र और प्रोफेसर आरोपित शिक्षक के समर्थन में हैं। अन्य आईआईटी ने भी उनका समर्थन किया है। महज इन आधारों पर किसी भी निश्चित निष्कर्ष तक नहीं पहुंचा जा सकता। आईआईटी में 56 फीसदी से अधिक फैकल्टी प्रोफेसर अगड़े हैं, जबकि 7 फीसदी से कुछ अधिक दलित प्रोफेसर हैं और जनजातीय प्रोफेसर तो 2 फीसदी से भी कम हैं। इस समीकरण के लिए हमारी सरकारी व्यवस्था दोषी है और व्यवस्था ही बुनियादी जवाबदेह है। क्या इस असमानता को खंडित किया जाएगा?

महिला सुरक्षा पर राजनीति नहीं, जवाबदेही चाहिए

भारत में लड़कियों और महिलाओं की सुरक्षा को लेकर रोज नए सवाल खड़े होते हैं। राजधानी दिल्ली से लेकर बिहार के जमुई तक सामने आने वाली घटनाएं बताती हैं कि महिलाओं के सम्मान और सुरक्षा का मुद्दा अब भी राजनीतिक दावों और जमीनी हकीकत के बीच फंसा हुआ है। चुनावों के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से लेकर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह तक भाजपा नेता महिलाओं के लिए सुरक्षित माहौल बनाने का दावा करते हैं। लेकिन जब किसी भाजपा शासित राज्य में महिला या नाबालिग के साथ अपराध होता है, तब सरकार और पार्टी के नेता जवाबदेही स्वीकार करने के बजाय पिछली सरकारों के समय हुई घटनाओं का हवाला देने लगते हैं। यह रवैया गंभीर चिंता का विषय है। किसी भी सरकार का मूल्यांकन इस आधार पर होना चाहिए कि उसके कार्यकाल में अपराध रोकने के लिए क्या प्रभावी कदम उठाए गए, पीड़ितों को न्याय कितनी तेजी से मिला और अपराधियों के खिलाफ कितनी सख्त कार्रवाई हुई। यह स्वीकार्य नहीं हो सकता कि एक सरकार अपने शासन की विफलता पर सवाल उठने के बाद दूसरी सरकारों के पुराने आंकड़े गिनाने लगे। महिलाओं की सुरक्षा दलगत बहस का विषय नहीं, बल्कि संवैधानिक जिम्मेदारी और मानवीय सरोकार है।

बिहार के जमुई में 19 सितंबर की शाम एक नाबालिग लड़का और लड़की स्कूटी से जा रहे थे। पुलिस और मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, कुछ लोगों ने उन्हें रास्ते में रोक लिया। दोनों से उनके संबंधों को लेकर सवाल किए गए और उनके साथ अभद्रता की गई। वायरल वीडियो में एक लड़की के साथ यौन उत्पीड़न और लड़के के साथ मारपीट दिखाई देने का दावा किया गया है। घटना के दौरान आरोपियों ने वीडियो बनाया, जिसे बाद में सोशल मीडिया पर प्रसारित किया गया। पुलिस के अनुसार, पीड़ित दोनों नाबालिग थे और घटना शाम करीब सात बजे की थी।

इस घटना की भयावहता केवल उस क्षण तक सीमित नहीं रही। वीडियो बनाने और उसे इंटरनेट पर फैलाने वालों ने पीड़िता की पीड़ा को दोबारा सार्वजनिक अपमान में बदल दिया। ऐसे वीडियो को अश्लील गीतों और आपत्तिजनक टिप्पणियों के साथ साझा करना भी अपराध की गंभीरता को बढ़ाता है। जिस बच्ची को सुरक्षा, सम्मान और कानूनी संरक्षण मिलना चाहिए था, उसे समाज के एक हिस्से ने तमाशे में बदल दिया।

यहां दो तरह के अपराध सामने आते हैं। पहला, वह प्रत्यक्ष अपराध जिसमें भीड़ ने कानून अपने हाथ में लेकर नाबालिगों को रोका, पीटा और लड़की के साथ यौन दुर्व्यवहार किया। दूसरा, वह डिजिटल अपराध जिसमें वीडियो को प्रसारित कर पीड़िता की पहचान, गरिमा और मानसिक सुरक्षा को नुकसान पहुंचाया गया। ऐसे मामलों में पुलिस को केवल मूल आरोपियों तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि वीडियो बनाने, संपादित करने और प्रसारित करने वालों के खिलाफ भी कार्रवाई करनी चाहिए।

पुलिस ने कई संदिग्धों को हिरासत में लेने और गिरफ्तार करने की जानकारी दी है। एक आरोपी के पैर में गोली लगने की भी खबर सामने आई। हालांकि, किसी आरोपी को गोली लगना या गिरफ्तार किया जाना अपने आप में न्याय नहीं है। न्याय तभी माना जाएगा जब पूरी जांच निष्पक्ष हो, पीड़ित परिवार को सुरक्षा और मनोवैज्ञानिक सहायता मिले तथा अदालत में मजबूत साक्ष्यों के आधार पर दोषियों को सजा मिले।

जमुई की घटना पर बिहार की मंत्री और स्थानीय विधायक श्रेयसी सिंह की टिप्पणी ने भी विवाद खड़ा किया। इंडिया टुडे से बातचीत में उन्होंने कहा कि ह्लमॉरल पुलिसिंगह्व अधिक सभ्य और शालीन तरीके से की जा सकती है, हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि लड़के और लड़की के साथ जिस तरह का व्यवहार हुआ, वह बिल्कुल स्वीकार्य नहीं है। बाद में उन्होंने अपनी टिप्पणी को संदर्भ से हटाकर प्रस्तुत किए जाने की बात कही और अपराधियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का समर्थन किया। फिर भी मूल प्रश्न बना रहता है : किसी नागरिक के निजी जीवन, पहनावे, खान-पान या संबंधों पर भीड़ को नैतिक निगरानी का अधिकार किसने दिया? यदि किसी व्यक्ति को किसी व्यवहार पर आपत्ति है, तो उसके लिए कानून और प्रशासनिक संस्थाएं मौजूद हैं। शिकायत दर्ज कराना एक कानूनी प्रक्रिया है, लेकिन रास्ते में किसी को रोकना, पूछताछ करना, मारपीट करना, अपमानित करना या यौन हिंसा करना अपराध है। सभ्य मॉरल पुलिसिंग जैसी अवधारणा स्वयं में विरोधाभासी है। पुलिसिंग का अधिकार राज्य की अधिकृत संस्थाओं के पास होता है, वह भी कानून और संविधान की सीमाओं के भीतर। भीड़ द्वारा की जाने वाली नैतिक निगरानी अक्सर महिलाओं, प्रेमी जोड़ों, अंतरजातीय संबंधों और कमजोर वर्गों को निशाना बनाती है। इसमें महिलाओं की स्वायत्तता और युवाओं के निजी अधिकारों को सबसे अधिक नुकसान पहुंचता है। किसी घटना की आलोचना करते समय यह नहीं पूछा जाना चाहिए कि पीड़ित लड़का और लड़की वहां क्यों थे, वे साथ क्यों घूम रहे थे या उन्होंने क्या पहना था। पहला सवाल यह होना चाहिए कि आरोपियों ने कानून अपने हाथ में क्यों लिया और पुलिस समय पर वहां क्यों नहीं पहुंची। पीड़ित के व्यवहार को अपराध का कारण बताना दरअसल अपराधी को अप्रत्यक्ष संरक्षण देना है।

महिला सुरक्षा पर भाजपा नेताओं के दावे तब कमजोर पड़ जाते हैं, जब पार्टी के नेता अपने शासन वाले राज्यों में हुई घटनाओं पर असंवेदनशील बयान देते हैं। उत्तर प्रदेश में रात में आभूषण पहनकर स्कूटी से निकलने जैसे राजनीतिक दावे किए गए। बिहार विधानसभा में भाजपा विधायक मैथिली ठाकुर ने भी कानून-व्यवस्था में सुधार का उल्लेख करते हुए रात में यात्रा करने को सुरक्षित बताया था। लेकिन किसी नेता का व्यक्तिगत अनुभव पूरे राज्य की महिलाओं की सुरक्षा का प्रमाण नहीं हो सकता। एक प्रभावशाली नेता रात में सुरक्षित यात्रा कर पाती हैं, इसका अर्थ यह नहीं कि हर लड़की, हर छात्रा और हर कामकाजी महिला को समान सुरक्षा उपलब्ध है। सुरक्षा का आकलन सबसे कमजोर और सबसे असुरक्षित नागरिक के अनुभव से होना चाहिए, न कि सत्ता और संसाधनों से घिरे लोगों की सुविधा से। विपक्षी दलों ने जमुई घटना पर आवाज उठाई और आरोपियों के खिलाफ पॉक्सो सहित कठोर धाराओं में कार्रवाई की मांग की। यह मांग इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि पीड़िता नाबालिग है और ऐसे मामलों में कानून बच्चे की पहचान, गरिमा और सुरक्षा की रक्षा करता है। लेकिन राजनीतिक बयानबाजी से आगे बढ़कर सरकार को पारदर्शी जांच, समयबद्ध अभियोजन और पीड़ित परिवार के पुनर्वास की स्पष्ट योजना भी बतानी चाहिए।

इसी तरह, जब विपक्ष किसी अपराध पर सवाल उठाता है, तो सरकार को जवाब देने के बजाय पिछली सरकारों की घटनाओं की सूची पेश करना समाधान नहीं है। अपराध किसी भी दल की सरकार में हो, उसकी निंदा और जांच समान कठोरता से होनी चाहिए। महिला सुरक्षा पर दोहरा राजनीतिक मानदंड जनता का भरोसा तोड़ता है।

महिलाओं की सुरक्षा केवल पुलिस बल बढ़ाने या चुनावी भाषण देने से सुनिश्चित नहीं होगी। इसके लिए पुलिस की जवाबदेही, तेज जांच, सुरक्षित सार्वजनिक परिवहन, बेहतर स्ट्रीट लाइटिंग, स्कूलों में लैंगिक संवेदनशीलता की शिक्षा और डिजिटल प्लेटफॉर्म पर आपत्तिजनक सामग्री के खिलाफ त्वरित कार्रवाई जरूरी है। साथ ही, समाज को यह समझना होगा कि महिला की स्वतंत्रता किसी की निजी संपत्ति नहीं है। किसी लड़की का पहनावा, किसी युवक-युवती की मित्रता या किसी व्यक्ति का निजी जीवन भीड़ के हस्तक्षेप का आधार नहीं बन सकता। पितृसत्तात्मक सोच महिलाओं को हमेशा नियंत्रण और निगरानी के घेरे में रखना चाहती है। जब तक इस मानसिकता को चुनौती नहीं दी जाएगी, तब तक कानून होने के बावजूद महिलाओं को वास्तविक स्वतंत्रता नहीं मिल सकेगी। पत्रकारिता की भी इस पूरे विमर्श में बड़ी भूमिका है। मीडिया को सत्ता के दावों को दोहराने के बजाय उनसे ठोस सवाल पूछने चाहिए—अपराध कब हुआ, पुलिस कब पहुंची, एफआईआर में कौन-कौन सी धाराएं लगाई गईं, कितने आरोपी गिरफ्तार हुए, पीड़िता को क्या सहायता दी गई और मुकदमे की स्थिति क्या है। जमुई मामले में जिस तरह पत्रकार ने मंत्री से ह्यमॉरल पुलिसिंगह्व की अवधारणा पर स्पष्ट सवाल किया, वैसी ही निर्भीकता हर पत्रकार से अपेक्षित है। महिलाओं का सम्मान किसी पार्टी का चुनावी नारा नहीं, लोकतंत्र की बुनियादी कसौटी है। जमुई जैसी घटनाएं हमें याद दिलाती हैं कि सरकारों को राजनीतिक बचाव से बाहर निकलकर जवाबदेही स्वीकार करनी होगी। अपराधियों को सजा, पीड़ितों को न्याय और समाज को संवेदनशीलता—इन्हीं तीन आधारों पर सुरक्षित भारत का निर्माण संभव है।

लेखक – सचिन कुमार गौतम

पं दीनदयाल उपाध्याय: भारत निर्माण के स्वप्नदृष्टा

भारत के लिए अपना जीवन समर्पित करने वाले पं दीनदयाल उपाध्याय, कुशल संगठक, बौद्धिक चिंतक और भारत निर्माण के स्वप्नदृष्टा के रूप में आज तलक कालजयी हैं। माता रामप्यारी और पिता भगवती प्रसाद उपाध्याय के घर 25 सितम्बर 1916 को मथुरा जिले के नगला चन्द्रभान ग्राम में जन्मे पं दीनदयाल उपाध्याय हम सबके प्रेरणास्रोत और मातृभूमि के सच्चे उपासक थे।

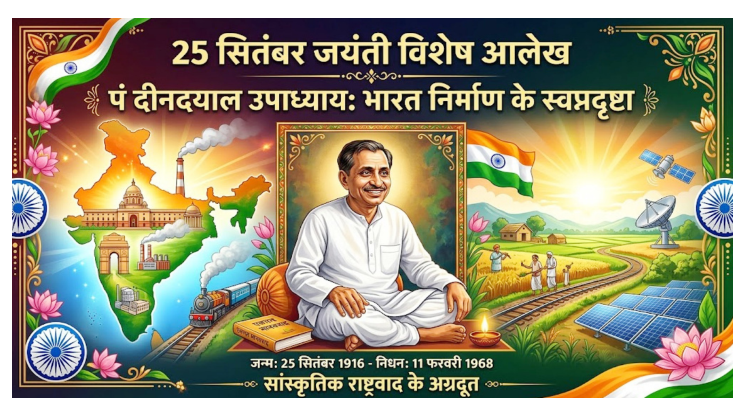

उन्होंने व्यक्ति, परिवार, समाज और राष्ट्र के विकास और कल्याण का समूचा दर्शन दिया। जिसकी प्रासंगिकता मानकर सारा विश्व इस मानवीय सिद्धांत पर शोध कर रहा है। ताकि एक मामूली से कद काठी के व्यक्ति ने इतना मार्मिक और सारगर्भित विमर्श समय रहते कैसा उद्वेलित कर दिया।

एकात्म मानववाद दर्शन

पं दीनदयाल उपाध्याय का एकात्म मानव दर्शन भारतीय चिंतन की दो अवधारणा पर आधारित है। पहली वसुधैव कुटुंबकम् का सिद्धांत और दूसरी चार पुरुषार्थ। उन्होंने शरीर, मन, बुद्धि और आत्मा की आवश्यकता की पूर्ति के लिए उसके विकास के लिए चार पुरुषार्थ की अवधारणा को स्पष्ट किया। उनका मानना था कि व्यक्ति में प्रतिभा भी है और उसकी आवश्यकताएं भी है लेकिन उसका मन व्यापक होता है। वह भ्रमित हो सकता है। मनुष्य सकारात्मक दिशा में बढ़े इसके लिए मन का संतुलन और अनुशासन जरूरी है। यह बुद्धि और विवेक से ही संभव है। इसके लिए चार पुरुषार्थ आवश्यक है इनमें धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष का समावेश है।

प्रेरक प्रसंग

पंडित जी के अनछूए जीवन प्रेरक प्रसंग प्रेरणापुंज हैं। सतुत्य, किशोरावस्था में एक बार सब्जी बाजार गए और सब्जी बेचने वाली वृद्धा को चवन्नी का भुगतान कर दिया। घर लौटते समय उन्होंने जेब टटोली, तो देखा कि वह वृद्धा को खूंटी चवन्नी दे आए हैं। उनका मन इतना दुखी और द्रवित हो गया कि वह दौड़ते हुए उस वृद्धा के पास गए और उसे क्षमा प्रार्थना के साथ खूंटी चवन्नी वापस लेकर खरी चवन्नी दे दी। ऐसे मानवस्पर्शी, संवेदनशील मानवधर्मी थे दीनबंधु दीनदयाल।

अंतिम व्यक्ति का विकास

आज राष्ट्रवाद का जो स्वरूप दिखाई दे रहा है उसके नींव डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने पंडित जी के साथ मिलकर दशकों पहले रखी थी। उन्होंने अपना जीवन देश को समर्पित कर दिया। कार्य कुशलता समर्पण को देखकर डॉक्टर मुखर्जी ने कहा था कि यदि मुझे दो दीनदयाल मिल जाते तो मैं पूरे हिंदुस्तान को बदल देता। वह अंतिम व्यक्ति में खड़े अंतिम व्यक्ति का विकास चाहते थे। पंडित जी का इस भावना और विचार को क्रियान्वित करने आज मानव कल्याण की विविध योजनाएं चलाई जा रही है।

आदर्श नायक

पंडित जी के बताए गए मार्ग पर चलकर हम एक शक्तिशाली, गौरवशाली, वैभवशाली और संपूर्ण भारत का निर्माण करेंगे। जनसंघ के अध्यक्ष, पथ प्रदर्शक, आदर्श नायक, राष्ट्र के महानिमार्ता पं दीनदयाल उपाध्याय को एक बार पुन: नमनङ्ग! वीभत्स, साल 1968 की 10 फरवरी को दीनदयाल लखनऊ से पटना जा रहे थे। इसके लिए वे सियालदाह एक्सप्रेस में बैठे लेकिन 11 फरवरी को अलग सुबह तकरीबन 2 बजे, जब ट्रेन मुगलसराय स्टेशन पर पहुंची, तो वह ट्रेन में नहीं थे। स्टेशन के नजदीक ही उनका पार्थिव देह था। व्यथा अंत्योदय और एकात्म मानववाद के प्रणेता पं दीनदयाल उपाध्याय का महाप्रयाण आज भी एक रहस्यमय है?

–हेमेन्द्र क्षीरसागर–
(लेखक पत्रकार एवं स्तंभकार है)

कर्ज की वसूली हो, लेकिन कानून की हद में

कर्ज लेना एक आर्थिक अनुबंध है। कर्ज की राशि निर्धारित समय पर वापस न मिलने की स्थिति में बैंक या वित्तीय संस्था को अपनी बकाया राशि वसूलने का अधिकार है। लेकिन यह अधिकार असीमित नहीं है। कर्ज की वसूली के लिए अपनाई जाने वाली प्रक्रिया कानून, ऋण समझौते और भारतीय रिजर्व बैंक के दिशा-निर्देशों के अनुरूप होनी चाहिए। किसी व्यक्ति के ऊपर कर्ज बकाया होने का अर्थ यह नहीं है कि वित्तीय संस्था उसके साथ बलपूर्वक, अपमानजनक या मनमाने तरीके से व्यवहार कर सकती है। सर्वोच्च न्यायालय का हालिया फैसला इसी महत्वपूर्ण सिद्धांत को रेखांकित करता है।

मामला उत्तर प्रदेश के हरि दत्ता शर्मा से संबंधित है। उन्होंने वर्ष 2019 में टाटा एसएफसी 407 ट्रक खरीदने के लिए चोलामंडलम इन्वेस्टमेंट एंड फाइनेंस कंपनी लिमिटेड से वाहन ऋण लिया था। ट्रक उनके लिए केवल एक वाहन नहीं था, बल्कि उनकी आजीविका का महत्वपूर्ण साधन था। ऋण की कुछ किस्तें बकाया होने के बाद वित्तीय संस्था और ऋणग्राही के बीच विवाद उत्पन्न हुआ। शर्मा का आरोप था कि 9 अप्रैल 2023 की रात लगभग एक बजे कुछ लोग उनके वाहन को जबरन ले गए। आरोप यह भी था कि वाहन का स्टीयरिंग लॉक तोड़ा गया और निर्धारित प्रक्रिया का पालन किए बिना ट्रक को अपने कब्जे में ले लिया गया।

इसके बाद वाहन को बेच दिया गया। मामला पहले उच्च न्यायालय पहुंचा, जहां याचिका खारिज कर दी गई। इसके बाद पीड़ित ने सर्वोच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया। हरि दत्ता शर्मा बनाम उत्तर प्रदेश राज्य एवं अन्य, 2026 आईएनएससी 998 में सर्वोच्च न्यायालय ने पूरे मामले को केवल इस दृष्टि से नहीं देखा कि ऋण की किस्तें बकाया थीं। न्यायालय ने इस बात पर विशेष ध्यान दिया कि बकाया राशि की वसूली के लिए किस प्रकार की प्रक्रिया अपनाई गई। सर्वोच्च न्यायालय ने स्पष्ट किया कि ऋणदाता को अपने वैध अधिकारों का प्रयोग करने की अनुमति है, लेकिन अधिकार का इस्तेमाल कानून की सीमा के भीतर ही किया जा सकता है। किसी वित्तीय संस्था का ऋण वसूलने का अधिकार उसे बलपूर्वक वाहन छीनने या कानून अपने हाथ में लेने का अधिकार नहीं देता। ऋण की वसूली और व्यक्ति की गरिमा, दोनों के बीच कानूनी संतुलन आवश्यक है।

इस मामले में ऋण समझौते में वाहन का कब्जा लेने से पहले सात दिन का नोटिस देने का प्रावधान था। न्यायालय ने पाया कि वाहन जब्त करने से पहले इस प्रावधान के अनुसार सात दिन का नोटिस नहीं दिया गया था। इसके अतिरिक्त वाहन को रात लगभग एक बजे ले जाने और स्टीयरिंग लॉक तोड़ने की घटना ने भी मामले को गंभीर बना दिया। न्यायालय ने इस प्रकार की कार्रवाई को विधिसम्मत और शांतिपूर्ण कब्जे की प्रक्रिया के अनुरूप नहीं माना। यहां यह समझना भी जरूरी है कि सात दिन का नोटिस हर प्रकार के वाहन ऋण की जब्ती के लिए सार्वभौमिक कानूनी नियम के रूप में निर्धारित नहीं किया गया है। इस मामले में सात दिन की अवधि संबंधित ऋण समझौते में निर्धारित थी। इसलिए इस फैसले का सही अर्थ यही है कि यदि ऋण समझौते में किसी निश्चित प्रक्रिया या नोटिस का प्रावधान है तो वित्तीय संस्था को उसका पालन करना होगा। साथ ही लागू कानून और भारतीय रिजर्व बैंक के दिशा-निर्देशों का भी पालन आवश्यक है। सर्वोच्च न्यायालय ने ऋण वसूली के दौरान अनुचित दबाव, उत्पीड़न और बलप्रयोग के प्रश्न को भी गंभीरता से लिया। बैंक और वित्तीय संस्थाएं ऋण वसूली के लिए प्रतिनिधियों या वसूली एजेंटों की सहायता ले सकती हैं, लेकिन ऐसे प्रतिनिधियों को कानून के दायरे में ही कार्य करना होगा। किसी ऋणग्राही को धमकाना, अपमानित करना, असामान्य समय पर परेशान करना या बलपूर्वक संपत्ति पर कब्जा करना वैध वसूली प्रक्रिया का हिस्सा नहीं हो सकता।

इस फैसले का एक महत्वपूर्ण पहलू व्यक्ति की आजीविका से जुड़ा है। यदि कोई ट्रक, टैक्सी, ऑटो या अन्य व्यावसायिक वाहन किसी व्यक्ति की आय का मुख्य साधन है, तो उसे मनमाने तरीके से छीन लेने का प्रभाव केवल संपत्ति के नुकसान तक सीमित नहीं रहता। इससे व्यक्ति और उसके परिवार की आय प्रभावित हो सकती है। इसी संदर्भ में सर्वोच्च न्यायालय ने संविधान के अनुच्छेद 14 और 21 से जुड़े अधिकारों पर भी विचार किया। न्यायालय ने इस मामले में वाहन के आजीविका के साधन होने और उसके अनुचित तरीके से छीने जाने को गंभीरता से लिया। सर्वोच्च न्यायालय ने प्रभावित ऋणग्राही को महत्वपूर्ण राहत भी दी। वित्तीय संस्था को दोनों ऋण खाते बंद करने, वाहन की बिक्री से प्राप्त 4.50 लाख रुपये की राशि वापस करने तथा उस राशि पर बिक्री की तारीख से भुगतान तक छह प्रतिशत वार्षिक ब्याज देने का निर्देश दिया गया। इसके अतिरिक्त मानसिक पीड़ा और आजीविका के नुकसान के लिए 10 लाख रुपये का मुआवजा तथा मुकदमे की लागत के रूप में 50 हजार रुपये देने का आदेश भी दिया गया। इस फैसले का अर्थ यह नहीं है कि ऋण की किस्तें न चुकाने पर वित्तीय संस्था वाहन जब्त नहीं कर सकती। यदि ऋणग्राही अपने दायित्वों का पालन नहीं करता है तो ऋणदाता के पास कानून और अनुबंध के अनुसार कार्रवाई करने के अधिकार बने रहते हैं। लेकिन उस कार्रवाई की प्रक्रिया कानूनसम्मत, पारदर्शी और सम्मानजनक होनी चाहिए। इसी तरह ऋणग्राहियों का भी दायित्व है कि वे ऋण की शर्तों का पालन करें और आर्थिक कठिनाई होने पर वित्तीय संस्था से समय रहते संवाद करें। आज देश में लाखों परिवार वाहन ऋण लेकर ट्रक, टैक्सी, ऑटो, कार और अन्य व्यावसायिक वाहन खरीदते हैं। इनमें से बड़ी संख्या में लोगों के लिए वाहन उनकी रोजी-रोटी का प्रमुख साधन होते हैं। ऐसे में ऋण वसूली की प्रक्रिया में मानवीय संवेदना और कानूनी जवाबदेही दोनों आवश्यक हैं।

सर्वोच्च न्यायालय का यह फैसला एक व्यापक संदेश देता है—कर्ज की वसूली वित्तीय व्यवस्था का आवश्यक हिस्सा है, लेकिन वसूली के नाम पर कानून को ताक पर नहीं रखा जा सकता। ऋणदाता का अधिकार महत्वपूर्ण है तो ऋणग्राही की गरिमा भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। आर्थिक अनुशासन और विधि का शासन एक-दूसरे के विरोधी नहीं, बल्कि एक स्वस्थ वित्तीय व्यवस्था के दो आवश्यक आधार हैं।

(डॉ. सत्यवान सौरभ, पीएचडी (राजनीति विज्ञान), एक कवि और सामाजिक विचारक है)

आलेख

बेटियों की उड़ान ने बदली सफलता की परिभाषा

नागोया में भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने एशियाई खेलों के फाइनल में श्रीलंका को 147 रन से हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। इस जीत ने भारतीय महिला क्रिकेट की उपलब्धियों में एक और गौरवपूर्ण अध्याय जोड़ दिया। भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में तीन विकेट पर 216 रन बनाए। स्मृति मंधाना ने 79 रन की शानदार पारी खेली, जबकि शेफाली वर्मा ने 48 और ऋचा घोष ने 49 रन बनाए। जवाब में श्रीलंकाई टीम 69 रन पर सिमट गई। दीप्ति शर्मा ने तीन विकेट लिए, जबकि शेफाली वर्मा, श्रेयंका पाटिल और श्री चरणी ने दो-दो विकेट लेकर भारत की जीत सुनिश्चित की। यह जीत केवल एक क्रिकेट मुकाबले की सफलता नहीं है, बल्कि उन बेटियों की मेहनत और क्षमता का प्रमाण है, जिन्होंने खेल के मैदान में अपनी पहचान मजबूत की है।

भारतीय महिला टीम की यह उपलब्धि इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि इससे बेटियों के प्रति समाज की सोच में आए बदलाव को समझा जा सकता है। कभी महिलाओं को कमजोर समझकर उनके अवसर सीमित कर दिए जाते थे, लेकिन आज वही महिलाएं देश के लिए पदक जीत रही हैं, रिकॉर्ड बना रही हैं और अंतरराष्ट्रीय मंच पर तिरंगा ऊंचा कर रही हैं। क्रिकेट के मैदान पर कप्तानी की जिम्मेदारी संभालने वाली महिला खिलाड़ी यह साबित कर रही हैं कि नेतृत्व किसी एक वर्ग या लिंग तक सीमित नहीं है। अनुशासन, प्रतिभा, मेहनत और जिम्मेदारी के आधार पर महिलाएं हर चुनौती का सामना कर सकती हैं।

महिलाओं की प्रगति केवल खेल तक सीमित नहीं है। शिक्षा, विज्ञान, चिकित्सा, प्रशासन, सेना, न्यायपालिका, उद्योग, राजनीति, कला, तकनीक और उद्यमिता जैसे क्षेत्रों में भी महिलाओं ने अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई है। देश की अनेक महिलाएं बड़ी कंपनियों में मुख्य कार्यकारी अधिकारी के पद तक पहुंचकर संस्थानों का नेतृत्व कर रही हैं। वे हजारों कर्मचारियों के कामकाज, करोड़ों रुपये के कारोबार और बड़े निर्णयों की जिम्मेदारी संभाल रही हैं। यह बदलाव बताता है कि अवसर मिलने पर महिलाएं किसी भी क्षेत्र में अपनी क्षमता का प्रभावी प्रदर्शन कर सकती हैं।

महिला नेतृत्व की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसके साथ जिम्मेदारी का भाव भी दिखाई देता है। परिवार संभालने से लेकर

पेशेवर जीवन में महत्वपूर्ण निर्णय लेने तक महिलाएं अनेक भूमिकाओं का निर्वहन करती हैं। यही अनुभव उन्हें परिस्थितियों को समझने, धैर्य के साथ निर्णय लेने और कठिन समय में आगे बढ़ने की शक्ति देता है। क्रिकेट की पिच पर दबाव के बीच निर्णय लेने वाली खिलाड़ी हो या किसी बड़े संस्थान की जिम्मेदारी संभालने वाली अधिकारी, दोनों ही उदाहरण बताते हैं कि महिलाओं ने जवाबदेही को अपनी सफलता का महत्वपूर्ण आधार बनाया है।

आज बेटियां केवल अपने लिए आगे नहीं बढ़ रही हैं, बल्कि उनके कदमों से समाज की दूसरी बेटियों के लिए रास्ते खुल रहे हैं। किसी छोटे शहर या गांव की लड़की जब किसी महिला खिलाड़ी को अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में सफलता हासिल करते देखती है तो उसके भीतर भी आगे बढ़ने का विश्वास पैदा होता है। जब कोई महिला चिकित्सक, इंजीनियर, अधिकारी, वैज्ञानिक या कंपनी की प्रमुख बनती है तो दूसरी महिलाओं को यह संदेश मिलता है कि सीमाएं जन्म से तय नहीं होतीं। मेहनत, शिक्षा और अवसर के माध्यम से उन्हें बदला जा सकता है।

महिलाओं की सफलता का असर परिवार और समाज दोनों पर पड़ता है। शिक्षित और आत्मनिर्भर महिला अपने परिवार के निर्णयों में सक्रिय भूमिका निभाती है और अगली पीढ़ी को बेहतर शिक्षा तथा संस्कार देने में महत्वपूर्ण योगदान करती है। आर्थिक रूप से सक्षम महिला परिवार की मजबूती बढ़ाती है। वहीं सार्वजनिक जीवन में सक्रिय महिलाएं समाज की समस्याओं को नए दृष्टिकोण से सामने लाती हैं। इस प्रकार एक महिला की सफलता का प्रभाव केवल उसकी व्यक्तिगत उपलब्धि तक सीमित नहीं रहता, बल्कि उसके आसपास की अनेक महिलाओं के जीवन को प्रभावित करता है।

खेलों में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी इस परिवर्तन का स्पष्ट उदाहरण है। क्रिकेट, कुश्ती, मुक्केबाजी, बैडमिंटन, निशानेबाजी, एथलेटिक्स और अन्य खेलों में भारतीय बेटियों ने देश को गौरवान्वित किया है। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में पदक जीतकर यह साबित किया है कि प्रतिभा अवसर की तलाश करती है और अवसर मिलने पर परिणाम सामने आता है। महिला खिलाड़ियों की सफलता ने अभिभावकों की सोच भी बदली है। अब बेटियों को केवल पारंपरिक भूमिकाओं तक सीमित रखने के बजाय उन्हें खेल और करियर के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है।

महिलाओं की प्रगति का एक महत्वपूर्ण पहलू आत्मनिर्भरता भी है। आज बड़ी संख्या में महिलाएं स्वयं का कारोबार शुरू कर रही हैं, रोजगार दे रही हैं और आर्थिक गतिविधियों में योगदान कर रही हैं। गांवों में स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाएं छोटे व्यवसाय चला रही हैं, जबकि शहरों में महिलाएं नई कंपनियां स्थापित कर रही हैं। तकनीक ने भी महिलाओं के लिए अवसरों का विस्तार किया है। घर से काम करने, ऑनलाइन कारोबार और डिजिटल माध्यमों ने अनेक महिलाओं को अपनी प्रतिभा को आय के साधन में बदलने का अवसर दिया है।

हालांकि महिलाओं की उपलब्धियों को केवल पुरस्कारों और पदकों से नहीं मापा जा सकता। असली सफलता तब होगी जब हर बेटी को शिक्षा, सुरक्षा, समान अवसर और अपनी पसंद का क्षेत्र चुनने की स्वतंत्रता मिले। परिवारों और समाज को बेटियों की प्रतिभा पर भरोसा करना होगा। उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहन देना होगा और असफलता के डर से रोकने के बजाय संघर्ष से सीखने का अवसर देना होगा।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की जीत इसी बदलती तस्वीर का प्रतीक है। मैदान पर बल्ले और गेंद से इतिहास रचने वाली बेटियां समाज को यह संदेश दे रही हैं कि महिलाओं की क्षमता को सीमित नजर से देखने का समय पीछे छूट चुका है। आज महिला केवल किसी की बेटी, बहन, पत्नी या मां की पहचान तक सीमित नहीं है, बल्कि वह स्वयं अपनी अलग पहचान बना रही है। वह नेतृत्व कर रही है, निर्णय ले रही है, जिम्मेदारी उठा रही है और सफलता के नए मानक स्थापित कर रही है।

महिलाओं की यह यात्रा अभी जारी है। आज की सफल खिलाड़ी, अधिकारी, वैज्ञानिक, चिकित्सक, उद्यमी और कंपनी प्रमुख आने वाली पीढ़ी की बेटियों के लिए प्रेरणा बन रही हैं। एक बेटी की सफलता दूसरी बेटी के सपनों को मजबूत करती है। यही बदलाव समाज की सबसे बड़ी उपलब्धि है। बेटियां आगे बढ़ेंगी तो परिवार आगे बढ़ेगा, परिवार आगे बढ़ेगा तो समाज मजबूत होगा और समाज मजबूत होगा तो देश की प्रगति को नई गति मिलेगी। महिला अबला नहीं, बल्कि अपने आत्मविश्वास, प्रतिभा और मेहनत के बल पर सफलता की अग्रिम पंक्ति में खड़ी सबला शक्ति है।

(लेखक– कांतिलाल मांडोत)
(एल 103 जलवन्त टाउनशिप पूणा बॉम्बे मार्केट रोड, नियर नन्दालय हवेली सूरत मो 99749 40324 वरिष्ठ पत्रकार स्तम्भकार)

संक्षिप्त वार्ता

यूट्यूबर अजीत भारती को झटका, हाई कोर्ट ने खारिज की अग्रिम जमानत याचिका

नई दिल्ली, 24 सितंबर (वेब वार्ता)। दिल्ली हाई कोर्ट ने गुरुवार को यूट्यूबर अजीत भारती को झटका देते हुए रउ-रळ एक्ट में उनके खिलाफ दर्ज एक ऋक्रक के मामले में उन्हें अग्रिम जमानत देने से इनकार कर दिया। इस दौरान अदालत ने उनकी अग्रिम जमानत की याचिका को सुनवाई के योग्य नहीं पाया और उसे खारिज कर दिया। अदालत ने भारती के वकील की उस दलील को नहीं माना, जिसमें उन्होंने कहा कि भारती ने किसी का जानबूझकर अपमान या बेइज्जती नहीं की थी और उनकी टिप्पणियों को उसी संदर्भ में देखा जाना चाहिए, जिसमें वे की गई थीं। इससे पहले ट्रायल कोर्ट ने भी 7 सितंबर को भारती की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी थी।

बार एंड बेंच की एक रिपोर्ट के अनुसार हाई कोर्ट में हुई सुनवाई के दौरान जस्टिस सौरभ बनर्जी ने कहा कि भारती के खिलाफ प्रथम दृष्टया अपराध बनता है और रउ/रळ एक्ट के तहत अग्रिम जमानत देने पर कानूनी रोक है।

कस्टमर केयर के नाम पर 1.19 लाख की ठगी

नई दिल्ली, 24 सितंबर (वेब वार्ता)। एक्सिस बैंक का कस्टमर केयर अधिकारी बनकर लोगों को ठगने वाले एक बड़े गिरोह का दिल्ली पुलिस ने पदार्फाश किया है। साइबर नॉर्थ पुलिस स्टेशन ने इस मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। ये ठग वर्चुअल नंबर और थर्ड पार्टी पेमेंट ऐप चेक के जरिए लोगों के क्रेडिट कार्ड से पैसे उड़ाते थे। 16 जुलाई 2026 को यश शर्मा नामक एक व्यक्ति को कॉल आया। कॉलर ने खुद को एक्सिस बैंक का क्रेडिट कार्ड अधिकारी बताया और कहा कि उनके कार्ड पर 2,499 रुपए का एएमसी प्लान लगा है। जब पीड़ित ने इसे कैंसिल करने को कहा तो ठग ने कहा कि कस्टमर केयर से कॉल आएगा।

मुठभेड़ के बाद गोगी गैंग का शार्प शूटर गिरफ्तार

नई दिल्ली, 24 सितंबर (वेब वार्ता)। उत्तरी जिला पुलिस की ऑपरेशन्स सेल और एंटी-नारकोटिक्स टीम ने वजीराबाद इलाके में मुठभेड़ के बाद कुख्यात गैंगस्टर गोगी-दीपक बॉक्सर गैंग के शार्प शूटर को गिरफ्तार किया। उत्तरी जिले की डीसीपी निहारिका भट्ट ने बताया कि आरोपी ने गिरफ्तारी से बचने के लिए पुलिस पर सीधे दो राउंड फायरिंग की, जिसमें एक गोली पुलिसकर्मी की बुलेट-प्रूफ जैकेट पर जा लगी। इसके बाद पुलिस ने जवाबी कार्रवाई में तीन राउंड गोलियां चलाकर आरोपी को दबोच लिया। उसकी गिरफ्तारी से विरोधी टिल्लू ताजपुरिया गैंग के एक सक्रिय सदस्य की हत्या की बड़ी साजिश नाकाम हो गई है।

हिंदूराव अस्पताल के आईसीयू में बेड बढ़ेंगे

नई दिल्ली, 24 सितंबर (वेब वार्ता)। हिंदूराव अस्पताल का गुरुवार को महापौर प्रवेश वाही ने निरीक्षण किया। उन्होंने बताया कि अस्पताल में नई मशीनें उपलब्ध कराई गई हैं। साथ ही नए ब्लॉक का भी उद्घाटन किया है। महापौर ने कहा कि अस्पताल के आईसीयू की क्षमता आठ बेड से बढ़ाकर 18 बेड की जा रही है। इसका कार्य प्रगति पर है। इससे गंभीर मरीजों के इलाज में मदद मिलेगी।

गणेश विसर्जन के लिए दिल्ली सरकार बना रही 81 कृत्रिम तालाब

शहरभर में लगाया जा रहा विसर्जन पात्र

नई दिल्ली, 24 सितंबर (वेब वार्ता)। नदियों को साफ रखने के उद्देश्य से दिल्ली सरकार की ओर से शहरभर में 81 कृत्रिम तालाब बनाए जा रहे हैं। जिससे नदियों का ध्यान रखते हुए पूरी श्रद्धा के साथ गणपति का विसर्जन किया जा सके।

दिल्ली सरकार खंडित मूर्तियों, पवित्र पूजा सामग्री, देवी-देवताओं के वस्त्रों और तस्वीरों के लिए शहर भर में 250 से ज्यादा खास ह्यविसर्जन पात्रह्न लगा रही है। ये पात्र मंदिरों, स्कूलों और अन्य सुविधाजनक जगहों पर लगाए जा रहे हैं। दिल्ली के लोग पूरी श्रद्धा और सम्मान के साथ इन पवित्र चीजों को वहां रख सकते हैं। इनका सम्मानपूर्वक रीसाइक्लिंग और अपसाइक्लिंग की जाएगी।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने वीडियो के माध्यम से लोगों से अपील करते हुए कहा कि भगवान के प्रति हमारी आस्था, विश्वास और भगवान की बनाई हुई प्रकृति और हमारी नदियों का संरक्षण, ये दोनों चीजें आपस में जुड़ी हैं। हम सभी बड़े धूमधाम के साथ गणेश उत्सव मना रहे हैं और अब विसर्जन भी करना है। ऐसे में विसर्जन नदियों में न करके कृत्रिम तालाबों में करें। नदी को साफ रखने के लिए हमने जिलों में अलग-अलग तालाब बनाए हैं, जहां लोग जाकर गणपति बप्पा का विसर्जन कर सकते हैं।

रेखा गुप्ता ने कहा कि यह किसी एक त्योहार की बात नहीं है, यह साल भर की उन खंडित मूर्तियों और पूजा सामग्री का विषय है। ये सब हमारी आस्था और भावनाओं के साथ जुड़े हैं और जब ये खंडित हो जाते हैं या इस्तेमाल के बाद हम सोचते हैं कि इसका हम करें क्या?

इसका कोई समाधान नहीं नजर आता तो नदियों में डाल दिया जाता है, लेकिन इससे नदी गंदी होती है। इसी का समाधान करने के लिए दिल्ली सरकार कई जहगों पर विसर्जन पात्र लगा रही है, जहां खंडित मूर्तियों को रखा जा सकता है, हवन-पूजन सामग्री भी वहां रखा जा सकता है।

दोनों एक साथ करेंगे

सीएम रेखा ने कहा कि इन सामग्रियों को पूरी आस्था के साथ रीसाइक्लिंग और अपसाइक्लिंग करना हमारा काम रहेगा। भगवान की आस्था और उनकी बनाई प्रकृति की रक्षा, दोनों एक साथ करेंगे।

आस्था कुंज गैंगरेप मामले में नया खुलासा, आरोपियों के मोबाइल एफएसएल जांच को भेजे गए

नई दिल्ली, 24 सितंबर (वेब वार्ता)। नई दिल्ली के आस्था कुंज में 17 वर्षीय लड़की से सामूहिक दुष्कर्म के मामले में बड़ी जानकारी सामने आई है। पुलिस ने तीनों आरोपियों के फोन को एफएसएल जांच के लिए भेजा है। पुलिस को आशंका है कि आरोपियों ने कहीं पीड़िता के मोबाइल वीडियो तो नहीं बनाए। आरोपी आसिफ के मोबाइल फोन से कई अश्लील वीडियो मिलने की बात सामने आई है।

सूत्रों के मुताबिक, आरोपी मुकेश और हेमंत ने अपनी सर्च हिस्ट्री डिलीट की थी। जांच एजेंसियां तीनों आरोपियों की डिजिटल एक्टिविटी और डिजिटल फुटप्रिंट खंगाल रही हैं। दिल्ली पुलिस को आशंका है कि सोमवार शाम 17 वर्षीय लड़की के साथ सामूहिक दुष्कर्म करने से पहले तीनों ने साजिश रची थी।

मुख्यमंत्री ने मेगा स्वास्थ्य जांच का किया शुभारंभ

नई दिल्ली, 24 सितंबर (वेब वार्ता)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने गुरुवार को सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत शालीमार बाग विधानसभा क्षेत्र के हैदरपुर स्थित आयुर्वेदिक अस्पताल में नि:शुल्क मेगा स्वास्थ्य जांच शिविर का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वस्थ नागरिक ही सशक्त दिल्ली की नींव हैं। नागरिकों के स्वास्थ्य और कल्याण को सुनिश्चित करना सरकार की प्राथमिकता है।

मुख्यमंत्री ने क्षेत्र के झुग्गीवासियों से संवाद करते हुए उनके आवास को लेकर व्यक्त की जा रही चिंताओं पर भी स्पष्ट आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि क्षेत्र की एक भी झुग्गी नहीं तोड़ी जाएगी। वर्षों से कठिन परिस्थितियों में रह रहे झुग्गीवासियों को बेहतर आवास उपलब्ध कराने की दिशा में सरकार काम कर रही है। उन्होंने बताया कि पहले चरण में हैदरपुर क्षेत्र के एयू ब्लॉक और एओ ब्लॉक की झुग्गियों के लिए आवास निर्माण से संबंधित टेंडर की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। इन क्षेत्रों के आसपास उपयुक्त स्थान चिन्हित कर वहां आवास निर्माण का कार्य किया जाएगा। दूसरे चरण में आयुर्वेदिक अस्पताल क्षेत्र की झुग्गियों को शामिल किया जाएगा और आसपास उपयुक्त भूमि की तलाश की जा रही है ताकि झुग्गीवासियों के लिए उनके क्षेत्र के नजदीक बेहतर आवास उपलब्ध कराया जा सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का उद्देश्य किसी को हटाना नहीं, बल्कि लोगों के जीवन को बेहतर बनाना है। उन्होंने क्षेत्र में किए जा रहे विभिन्न विकास कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि नए शौचालय, स्वच्छ पेयजल के लिए वाटर एटीएम, अटल कैंटीन, नई सीवर लाइन, पानी की पाइपलाइन और स्ट्रीट लाइट जैसी सुविधाएं लोगों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए उपलब्ध कराई जा रही हैं।

हिंदू कॉलेज की छात्रा ने मुखर्जी नगर में छेड़छाड़ का आरोप लगाया, प्राथमिकी दर्ज

नयी दिल्ली, 24 सितंबर (वेब वार्ता)। उत्तर पश्चिमी दिल्ली के मुखर्जी नगर इलाके में कार सवार लोगों के एक समूह ने हिंदू कॉलेज की छात्रा के साथ कथित रूप से छेड़छाड़ की जिसके बाद पुलिस ने मामला दर्ज किया। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।

पुलिस ने बताया कि यह घटना बुधवार रात करीब साढ़े नौ बजे हकीकत पार्क के पास हुई। पुलिस ने बताया कि कार चालक की पहचान नमन के तौर पर हुई है जो दिल्ली विश्वविद्यालय का छात्र है और घटना के वक्त उसके साथ दो-तीन अन्य लोग भी शामिल थे। उत्तर पश्चिम दिल्ली की पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) आकांक्षा यादव ने कहा कि कल रात दो लड़कियां सड़क पर जा रही थीं, तभी एक एसयूवी कार में सवार कुछ लड़कों ने लड़कियों के साथ छेड़छाड़ की और उनपर फब्तियां कसीं। उन्होंने कहा कि पीड़िता की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस ने घटना में कथित तौर पर इस्तेमाल की गई कार का पता लगा लिया। पुलिस ने बताया कि मुखर्जी नगर थाने में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 78 (पीछा करना), 79 (शब्द, इशारा या किसी महिला की गरिमा का अपमान करने का इरादा) और 3 (5) (सामान्य इरादा) के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है।

दिल्ली में रिटायर्ड कर्मचारी से 1.76 करोड़ की ठगी

50 हजार का इनामी आरोपी सोनीपत से दबोचा गया

नई दिल्ली, वेब वार्ता

द्वारका जिले की एंटी ऑटो थेफ्ट स्क्वाड (एएटीएस) ने एक बड़े प्रॉपर्टी फ्रॉड का पदार्फाश करते हुए 50 हजार के इनामी आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि उसने एक रिटायर सरकारी कर्मचारी की जीवनभर की जमा पूंजी, 1.75 करोड़ रुपए की पेंशन की रकम ठग ली थी। आरोपी लगभग एक साल से फरार था।

डीसीपी द्वारका कुशल पाल सिंह ने बताया कि यह कार्रवाई फरार और इनामी अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत की गई है। शिकायतकर्ता तिहाड़ जेल में फार्मासिस्ट के पद से रिटायर हुए एक सीनियर सिटीजन हैं। आरोप है कि 2024-2025 के दौरान प्रॉपर्टी डीलर ब्रह्म स्वरूप भारद्वाज और उसके

साथियों ने उन्हें प्लॉट दिलाने के नाम पर झांसे में लिया।

आरोपियों ने प्रॉपर्टी के नकली कागजात दिखाए और कई प्लॉट की धोखाधड़ी से बिक्री कर सीनियर सिटीजन से करीब 1.76 करोड़ रुपए ठग लिए। यह रकम उनकी पेंशन और रिटायरमेंट की पूरी जमा पूंजी थी।

इस संबंध में थाना रणहोला में एफआईआर दर्ज की गई थी। मामला दर्ज होने के बाद आरोपी फरार हो गया था, जिसके बाद कोर्ट से उसके खिलाफ गैर जमानती वारंट (एनबीडब्ल्यू) हासिल किए गए। 3 सितंबर 2026 को पुलिस ने इस मामले में वांछित पांच आरोपियों पर 50-50 हजार रुपए का इनाम घोषित किया था। इनामी अपराधियों को पकड़ने के लिए एएटीएस द्वारका को जिम्मेदारी सौंपी गई। इंस्पेक्टर मनीष यादव के नेतृत्व में एसआई जितेंद्र, हेड कांस्टेबल सोनू, मनोज और महिला हेड कांस्टेबल ममता की एक विशेष टीम बनाई गई। यह ऑपरेशन एसीपी ऑपरेशंस सुभाष मलिक की देखरेख में चलाया गया।

...और आगे की जांच जारी है

टीम ने 7 दिनों तक तकनीकी और मैनुअल निगरानी की। तकनीकी जानकारी और फील्ड वेरिफिकेशन के जरिए आरोपी का सुराग जुटाया गया। आखिरकार आरोपी का पता सोनीपत (हरियाणा) में चला और 13 सितंबर 2026 को उसे गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान 67 वर्षीय ब्रह्म स्वरूप भारद्वाज के रूप में हुई है, जो पेशे से प्रॉपर्टी डीलर है। पुलिस के अनुसार, वह अपने पुरुष और महिला रिश्तेदारों और साथियों के साथ मिलकर काम करता था। उसका तरीका प्रॉपर्टी डील के बहाने जाली दस्तावेज बनाना और फिर लोगों की मोटी रकम, खासकर बुजुर्गों की पेंशन को निशाना बनाना था। आरोपी को कलंदरा के तहत गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया गया है। पुलिस उसके अन्य साथियों की तलाश कर रही है और आगे की जांच जारी है।

हुंडई के नकली उत्पादों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई, दो ठिकानों पर छापेमारी

भारी मात्रा में नकली सामान बरामद, आरोपी गिरफ्तार

वेब वार्ता, नई दिल्ली। उत्तर-पूर्वी दिल्ली की जिला जांच इकाई और ब्रांड संरक्षण एजेंसी प्रोटेक्ट आई.पी. इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, गुरुग्राम की टीम ने संयुक्त अभियान चलाकर हुंडई कंपनी के नाम पर बेचे जा रहे नकली उत्पादों के अवैध कारोबार का भंडाफोड़ किया है। पुलिस टीम ने दो अलग-अलग स्थानों पर एक साथ छापेमारी कर भारी मात्रा में नकली उत्पाद जब्त किए और एक आरोपी को गिरफ्तार किया।

प्रोटेक्ट आई.पी. इंडिया की टीम से मिली गोपनीय सूचना के आधार पर पुलिस ने चिह्नित दो गोदामों और दुकानों पर योजनाबद्ध तरीके से कार्रवाई की। यहां

हुंडई के चिह्न और नाम का दुरुपयोग कर बनाए गए नकली कल-पुर्जे, उत्पाद और पैकेजिंग सामग्री का बड़ा जखीरा बरामद हुआ। पुलिस के अनुसार मौके से कथित रूप से अवैध कारोबार चला रहे आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। बरामद सामान को जब्त कर सील कर दिया गया है।

...लोगों की भूमिका क्या है

आरोपी के खिलाफ प्रतिलिप्यधिकार अधिनियम और भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस अब इस कारोबार से जुड़े अन्य आपूर्तिकताओं और खरीदारों की तलाश में जांच कर रही है। पुलिस जांच में यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि नकली उत्पादों की आपूर्ति कहां से की जा रही थी और इस कारोबार से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका क्या है।

दिल्ली: फर्जी इंटरनेशनल कॉल सेंटर का भंडाफोड़, 11 गिरफ्तार

नई दिल्ली, 24 सितंबर (वेब वार्ता)। अमेरिका में बैठे लोगों को टेक सपोर्ट के नाम पर ठगने वाले गिरोह का आईएफएसओ ने भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने पीतमपुरा में किराये के मकान में चल रहे फर्जी इंटरनेशनल कॉल सेंटर पर छापा मारकर दो महिलाओं समेत 11 आरोपितों को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से 41 लाख रुपये नकद, 29 लैपटॉप, 25 मोबाइल फोन, आठ राउटर और एक कार बरामद की गई है। पुलिस के मुताबिक, गिरोह ने विदेश में बैठे पीड़ितों से करीब 100 करोड़ रुपये की ठगी की है।

आईएफएसओ को 21 सितंबर को पीतमपुरा इलाके में अवैध इंटरनेशनल कॉल सेंटर चलने की सूचना मिली थी। एसीपी प्रेमचंद्र खंडूरी के नेतृत्व में इंस्पेक्टर दाताराम समेत पुलिस टीम ने शिवाजी मार्केट, पितमपुरा गांव स्थित मकान नंबर 249 की तीसरी और चौथी मंजिल पर छापा मारा। वहां 11 लोग कॉल सेंटर चला रहे थे। पूछताछ में सामने आया कि ये लोग अमेरिका के लोगों को टेक सपोर्ट कर्मचारी बनकर फोन करते थे। जांच में सामने आया कि गिरोह का बैकएंड नेटवर्क पहले अमेरिकी नागरिकों के कंप्यूटर में मालवेयर पहुंचाता था। इसके बाद उनकी स्क्रीन पर एक पॉप-अप आता था, जिसमें तकनीकी मदद के लिए टोल फ्री नंबर पर कॉल करने को कहा जाता था। पीड़ित के कॉल करने पर उसे पीतमपुरा स्थित कॉल सेंटर में बैठे एजेंटों के पास पहुंचाया जाता था। एजेंट तय स्क्रिप्ट के अनुसार पीड़ित को बताते थे कि उसके कंप्यूटर में वायरस है और बैंक खाते भी खतरे में हैं। इसके बाद अल्ट्रा व्यूअर इंस्टॉल करवाकर कंप्यूटर का रिमोट एक्सेस हासिल कर लेते थे। फिर पीड़ित की कॉल कथित फर्जी बैंक अधिकारी के पास ट्रांसफर कर दी जाती थी।

फर्जी बैंक अधिकारी अमेरिकी नंबरों से संपर्क कर पीड़ितों को आईट्यून्स, सेफोरा, टारगेट और गूगल पे के गिफ्ट कार्ड खरीदने के लिए कहते थे। कुछ मामलों में बिटकॉइन के जरिए रकम भेजने को भी कहा जाता था। गिफ्ट कार्ड की जानकारी बाद में गिरोह के सदस्यों के वॉट्सऐप ग्रुप में साझा की जाती थी, जहां से उसे भुनाया जाता था।

डीटीसी चालक हड़ताल का असर घटा, 60 प्रतिशत बसें लौटीं

नई दिल्ली, 24 सितंबर (वेब वार्ता)। दिल्ली परिवहन निगम की बसों पर तैनात निजी चालकों की हड़ताल गुरुवार को 10वें दिन भी जारी रही, लेकिन इसका असर अब धीरे-धीरे कम होता दिखाई दे रहा है। दिल्ली परिवहन निगम के स्थायी और संविदा चालकों के साथ बड़ी संख्या में हड़ताल पर गए निजी चालक भी काम पर लौट आए हैं। इसके चलते 60 प्रतिशत से अधिक बसें दोबारा सड़कों पर आ गई हैं। हालांकि, करीब 40 प्रतिशत बसों के अब भी मार्गों से बाहर रहने के कारण कई इलाकों में यात्रियों की परेशानी बनी हुई है।

कई इलाकों में अब भी घंटों इंतजार

बसों की संख्या में सुधार के बावजूद उन क्षेत्रों में यात्रियों को सबसे अधिक परेशानी हो रही है, जहां मेट्रो की सुविधा उपलब्ध नहीं है। सुबह और शाम के व्यस्त समय में नौकरीपेशा लोगों और दैनिक यात्रियों की संख्या बढ़ने से बसों में भीड़ और इंतजार दोनों बढ़ जाते हैं। आनंद विहार, विकास मार्ग, उच्चतम न्यायालय, मंडी हाउस, दक्षिण परिसर, उत्तर परिसर, महरौली और बुराड़ी सहित कई क्षेत्रों में बसों की संख्या पहले की तुलना में बढ़ी है, लेकिन यात्रियों की मांग के मुकाबले अभी भी कम है। कई बस पड़ावों पर इक्का-दुक्का बसें पहुंचीं, लेकिन उनमें इतनी भीड़ रही कि बड़ी संख्या में यात्री बस में सवार नहीं हो सके। महिलाओं और बुजुर्ग यात्रियों को भीड़ के कारण विशेष परेशानी का सामना करना पड़ा।

दक्षिण-पश्चिमी दिल्ली में भी हड़ताल का असर गुरुवार को दिखाई दिया। द्वारका मोड़ मेट्रो स्टेशन से करीब 300 मीटर की दूरी पर स्थित ककरौला मोड़ बस पड़ाव पर दोपहर करीब 2:15 बजे 30 से 40 यात्री बसों का इंतजार करते नजर आए। यात्रियों के अनुसार यहां बसों की संख्या में पहले की तुलना में कुछ सुधार हुआ है, लेकिन ढांसा सीमा क्षेत्र की ओर जाने वाले यात्रियों को अब भी लंबा इंतजार करना पड़ रहा है। बस नहीं मिलने से कुछ यात्री बस पड़ाव की बेंच पर बैठे दिखाई दिए, जबकि कई लोग सड़क की ओर खड़े होकर किसी भी उपलब्ध वाहन का इंतजार करते रहे।

राजापुरी निवासी महेश कुमार ने बताया कि उन्हें ढांसा सीमा क्षेत्र में एक परिचित से मिलने जाना था। उन्होंने बताया कि वह करीब 2 घंटे से बस का इंतजार कर रहे थे। उनके अनुसार, यदि बस आने में और देर हुई तो उन्हें अपनी यात्रा रद्द करनी पड़ सकती है, क्योंकि उस दिशा में साझा वाहन कम मिलते हैं और निजी वाहन का किराया भी अधिक है। दोपहर करीब 1 बजे मथुरा मार्ग स्थित उच्चतम न्यायालय बस पड़ाव पर भी यात्रियों को बस के लिए 20 से 25 मिनट तक इंतजार करते देखा गया। यात्रियों का कहना था कि बसें अब चल रही हैं, लेकिन उनके बीच का अंतर अधिक होने के कारण प्रतीक्षा करनी पड़ रही है।

इस दौरान मोरी गेट से बदरपुर जाने वाले मार्ग संख्या 405 की 2 बसें एक साथ बस पड़ाव पर पहुंचीं। इससे कुछ देर पहले कश्मीरी गेट से कालकाजी के बीच चलने वाली मार्ग संख्या 429 की बस भी वहां से गुजरी। खानपुर की ओर जाने वाले कुछ यात्री मार्ग संख्या 419 और 423 की बसों का इंतजार करते रहे। काफी देर तक इन मार्गों की कोई बस नहीं पहुंची। यात्री जसवंत ने बताया कि बसें मिल रही हैं, लेकिन 20 से 25 मिनट तक प्रतीक्षा करनी पड़ रही है।

टाटा के नकली उत्पादों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई, दो ठिकानों पर छापेमारी

वेब वार्ता, नई दिल्ली। उत्तर-पूर्वी दिल्ली की जिला जांच इकाई और ब्रांड संरक्षण एजेंसी प्रोटेक्ट आई.पी. इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, गुरुग्राम की टीम ने संयुक्त अभियान चलाकर टाटा कंपनी के नाम पर बेचे जा रहे नकली उत्पादों के अवैध कारोबार का भंडाफोड़ किया है।

पुलिस टीम ने दो अलग-अलग स्थानों पर एक साथ छापेमारी कर भारी मात्रा में नकली

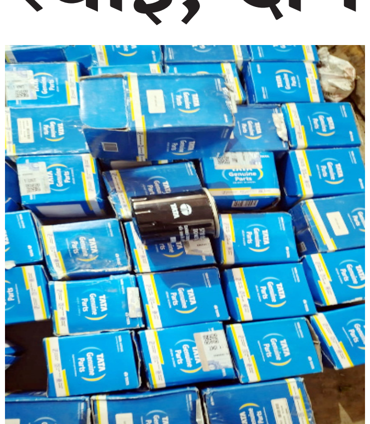

भारी मात्रा में नकली सामान बरामद, आरोपी गिरफ्तार

उत्पाद जब्त किए और एक आरोपी को गिरफ्तार किया।

प्रोटेक्ट आई.पी. इंडिया की टीम से मिली गोपनीय सूचना के आधार पर पुलिस ने चिह्नित दो गोदामों और दुकानों पर कार्रवाई की। यहां टाटा के चिह्न और नाम का दुरुपयोग कर बनाए गए नकली कल-पुर्जे, उत्पाद और पैकेजिंग सामग्री का बड़ा जखीरा बरामद हुआ। मौके से कथित रूप से अवैध कारोबार चला रहे आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। बरामद सामान को जब्त कर सील कर दिया गया है। पुलिस के अनुसार आरोपी के खिलाफ प्रतिलिप्यधिकार अधिनियम और भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस अब इस कारोबार से जुड़े अन्य आपूर्तिकताओं और खरीदारों की भूमिका की जांच कर रही है। जांच एजेंसियां यह पता लगाने का प्रयास कर रही हैं कि नकली उत्पादों की आपूर्ति कहां से की जा रही थी और इनके वितरण से जुड़े अन्य लोगों की इसमें क्या भूमिका है।

नॉर्थ दिल्ली में पुलिस मुठभेड़ के बाद गोगी गैंग से जुड़े शूटर को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली, 24 सितंबर (वेब वार्ता)। उत्तरी दिल्ली में मुठभेड़ के बाद पुलिस ने गोगी गैंग से जुड़े शूटर को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने गुरुवार को बताया कि दिल्ली पुलिस की नारकोटिक्स और एसटीएफ टीमों ने उत्तरी दिल्ली के जरोदा माजरा इलाके में हुई गोलीबारी के बाद गोगी गैंग से जुड़े एक शूटर को गिरफ्तार किया है।

पुलिस के मुताबिक, आरोपी की पहचान मोहित के तौर पर हुई है और वह कथित तौर पर गैंगस्टर दीपक बॉक्सर का करीबी साथी और शूटर है। पुलिस को इलाके में एक हथियारबंद शूटर के होने की खबर मिली थी, जो कथित तौर पर किसी आपराधिक हमले की योजना बना रहा था।

शुरुआती जानकारी के अनुसार, मोहित एक दोस्त को लेने के लिए मोटरसाइकिल से जरोडा माजरा इलाके में पहुंचा था और कथित तौर पर ताजपुर गांव में किसी अपराध को अंजाम देने की तैयारी कर रहा था। इसी बीच, नारकोटिक्स और एसटीएफ टीमों को खबर मिली कि एक शूटर हमले की योजना के साथ इलाके में दाखिल हुआ है।

जिला स्तरीय विकास कार्य अनुश्रवण समिति दृष्टि की हुई बैठक

वेब वार्ता, देवरिया। देवरिया जिले में जिला स्तरीय विकास कार्य अनुश्रवण समिति ह्यदृष्टिह्न की बैठक विकास भवन के गांधी सभागार में कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही की अध्यक्षता में हुई। बैठक में जनपद में संचालित विकास एवं निर्माण कार्यों तथा विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की विभागवार समीक्षा की गई। समिति अध्यक्ष श्री शाही ने अधिकारियों को सभी कार्य निर्धारित समयसीमा में गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण कराने तथा योजनाओं का लाभ पात्र लाभार्थियों तक पारदर्शी तरीके से पहुंचाने के निर्देश दिए।

कृषि मंत्री ने सभी विभागों को निर्देश दिए कि सरकार द्वारा संचालित सभी योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार कर पात्र लाभार्थियों को उनका लाभ दिलाया जाए। बैठक में समाज कल्याण विभाग की शादी अनुदान, ओ-लेवल/सीसीसी कंप्यूटर प्रशिक्षण एवं छात्रवृत्ति योजनाओं, पशुपालन विभाग की मिनी नंदिनी कृषक समृद्धि, बैकयार्ड पोल्ट्री, बकरी-भेड़ पालन एवं सहभागिता फंड, ग्राम्य विकास विभाग की बाबा साहब अंबेडकर रोजगार प्रोत्साहन, सामुदायिक भवन निर्माण एवं मुख्यमंत्री आवास योजना-ग्रामीण की समीक्षा हुई। कृषि विभाग में कृषक जागरूकता, त्वरित मक्का विकास, मिलेट्स पुनरोद्धार, संकर बीज, एग्री जंक्शन तथा दलहन, तिलहन एवं मिलेट्स बीज मिनीकिट वितरण योजनाओं की प्रगति जानी गई। इसी प्रकार भूमि संरक्षण, उद्यान, सहकारिता, माध्यमिक एवं बेसिक शिक्षा, एमएसएमई, विद्युत, सिंचाई एवं जल संसाधन, मत्स्य, श्रम एवं सेवायोजन, अतिरिक्त ऊर्जा, बाल विकास एवं पुष्टाहार, कौशल विकास, नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति, पर्यटन, गन्ना, खाद्य एवं विपणन, लघु सिंचाई, युवा कल्याण तथा चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की योजनाओं की भी समीक्षा की गई। इनमें किसान समृद्धि एवं खेत तालाब, औद्यानिक विकास, फसली ऋण, प्रोजेक्ट अलंकार, मॉडल कम्पोजिट विद्यालय एवं कस्तूरबा विद्यालय निर्माण, युवा उद्यमी व स्वरोजगार, कनेक्शन, बाढ़ परियोजनाएं एवं टेल तक पानी, मछुआ आवास, श्रमिक कल्याण योजनाएं, सोलर स्ट्रीट लाइट एवं पीएम सूर्यघर, आंगनबाड़ी केंद्र, आईटीआई, हर घर नल से जल, गन्ना विकास, गेहूं-धान खरीद, अन्नपूर्णा भवन, ग्रामीण स्टेडियम तथा जननी सुरक्षा, टीकाकरण, आयुष्मान एवं टीबी कार्यक्रम प्रमुख रहे।

आरक्षण की मांग को लेकर सड़कों पर उतरा ओबीसी व दलित समाज

मुरादाबाद, वेब वार्ता

आजाद समाज पार्टी काशीराम ने एससी ओबीसी महिलाओं तथा अन्य वंचित वर्गों को सामाजिक न्याय समान अवसर और उचित प्रतिनिधित्व दिए जाने की मांग को लेकर कलेक्ट्रेट पर जोरदार प्रदर्शन किया।

इस मौके पर राष्ट्रपति को संबोधित एक ज्ञापन जिलाधिकारी द्वारा नामित अधिकारी को पेश किया गया दो दर्जन मांगों पर आधारित ज्ञापन मैं कहां गया है कि भारत का संविधान समानता और समान अवसर का अधिकार देता है इसके बावजूद एससी एसटी ओबीसी महिलाओं सहित अनेक वंचित वर्गों को शिक्षा रोजगार राजनीति प्रशासन न्यायपालिका और निर्णय लेने वाली संस्थाओं में उचित भागीदारी नहीं मिल पाई है कहा गया कि आरक्षण केवल आर्थिक आधार पर नहीं बल्कि सामाजिक भेदभाव छुआछूत सामाजिक वंचना और पर्याप्त प्रतिनिधित्व को दूर करने का संवैधानिक माध्यम है। मांग उठाई गई है कि महिला आरक्षण नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2023 में महिलाओं के लिए 50% आरक्षण सुनिश्चित किया जाए साथ ही दलित आदिवासी और पिछड़े वर्ग की महिलाओं के लिए कोटे के अंदर कोटा सुनिश्चित किया जाए तथा स्थानीय निकायों में महिलाओं को 50% आरक्षण दिया जाए एवं ओबीसी समाज को लोकसभा और विधानसभा में उचित और प्रभावी राजनीतिक प्रतिनिधित्व दिया जाए और जातिगत जनगणना में ओबीसी के लिए अलग कालम जोड़ा जाए तथा ओबीसी समाज की वास्तविक जनसंख्या का वैधानिक और पारदर्शी तरीके से आकलन किया जाए।

43वां यूपीएओआईकॉन- 2026 का हुआ आगाज

प्री-कॉन्फ्रेंस कैडेवरिक टेम्पोरल बोन का हैंड्स-ऑन वर्कशॉप का हुआ आयोजन

कानपुर। 43वां यूपीएओआईकॉन- 2026 का आयोजन 24 से 27 सितंबर 2026 तक जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज, कानपुर में किया जा रहा है। इस सम्मेलन का आयोजन डिपार्टमेंट ऑफ ईएनटी कानपुर द्वारा एओआई के सहयोग से किया जा रहा है। सम्मेलन के प्री-कॉन्फ्रेंस कार्यक्रम के अंतर्गत डिपार्टमेंट ऑफ एनाटॉमी के सहयोग से विशेष कैडेवरिक हैंड्स-ऑन वर्कशॉप का आयोजन किया गया। इस प्री-कॉन्फ्रेंस कार्यक्रम में कैडेवरिक टेम्पोरल बोन एवं एफईएसएस (फंक्शन इंडोस्कोपी साइनस सर्जरी) पर विशेष प्रशिक्षण दिया गया। कार्यशाला का उद्देश्य ईएनटी के रेजिडेंट डॉक्टरों एवं युवा सर्जनों को कान एवं नाक की सर्जरी की आधुनिक तकनीकों का प्रत्यक्ष एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करना था।

कैडेवरिक टेम्पोरल बोन वर्कशॉप का संचालन बेंगलुरु के अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त ईएनटी सर्जन डॉ. विनय विजेंद्र द्वारा किया गया, जबकि इस कोर्स के कोर्स डायरेक्टर डॉ. रोहित मल्होत्रा रहे। वहीं एफईएसएस वर्कशॉप का संचालन एसजीपीजीआई लखनऊ के प्रोफेसर एवं हेड, डिपार्टमेंट ऑफ हेड एंड नेक सर्जरी, डॉ. अमित केसरी द्वारा किया गया। एओआई कोर्स के कोर्स कोऑर्डिनेटर डॉ. राजन भार्गव एवं डॉ. राजीव चक्रांशी रहे। प्री-कॉन्फ्रेंस वर्कशॉप में लगभग 100 डेलीगेट्स ने सहभागिता की। प्रतिभागियों ने दोनों हैंड्स-ऑन कोर्स को अत्यंत ज्ञानवर्धक एवं व्यावहारिक रूप से उपयोगी बताया तथा विशेषज्ञ फैकल्टी द्वारा दिए गए प्रत्यक्ष प्रशिक्षण और व्यक्तिगत मार्गदर्शन की सराहना की। प्री-कॉन्फ्रेंस कार्यक्रम के उद्घाटन पर मुख्य अतिथि के रूप प्रिंसिपल एवं डीन, जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज, डॉ. संजय काला, वाइस प्रिंसिपल डॉ. ऋचा गिरी डॉ. आस्था, डॉ. ऋचिका, डॉ. काजी एवं डॉ. भविष्य ,एनाटॉमी विभाग की ओर से डॉ. निधि एवं डॉ. अल्का सहित विभाग के अन्य संकाय सदस्यों ने कार्यशाला के सफल आयोजन में महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान किया।

संक्षिप्त वार्ता

लद्दाख में चमके वेद विहार के दीप चौधरी, पेनचक सिलाट में जीता कांस्य पदक

वेब वार्ता, लोनी। वेद विहार, लोनी निवासी दीप चौधरी ने लद्दाख में आयोजित फेडरेशन कप नेशनल चैंपियनशिप 2026-27 में शानदार प्रदर्शन करते हुए पेनचक सिलाट की अंडर-43 किलोग्राम जूनियर वर्ग में कांस्य पदक हासिल किया। दीप की इस उपलब्धि से क्षेत्र में खुशी का माहौल है।

राष्ट्रीय स्तर की इस प्रतियोगिता में देशभर से खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया। दीप चौधरी ने अपनी प्रतिभा और खेल कौशल का प्रदर्शन करते हुए प्रतियोगिता में तीसरा स्थान प्राप्त किया और कांस्य पदक अपने नाम किया। दीप की सफलता पर परिजनों, दोस्तों और क्षेत्र के लोगों ने उन्हें बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। लोगों ने कहा कि दीप की उपलब्धि से वेद विहार और लोनी का नाम राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित हुआ है।

पहले डिवाइस का चार्ज लिया, अब एक्टिवेशन का ले रहे शुल्क

वेब वार्ता, कानपुर। ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने उप परिवहन आयुक्त कानपुर परिक्षेत्र के साथ वार्ता कर बताया कि वाहनो में लगी वीएलटीडी

(व्हीकल्स ट्रैकिंग लोकेशन डिवाइस) को अपडेट करने का शुल्क जबरन लिया जा रहा है। पदाधिकारियों ने डीटीसी से अपनी शिकायत दर्ज कराते हुए इस पर रोक लगाने का आग्रह किया।

परिवहन आयुक्त कार्यालय से जारी दिशा निर्देश के क्रम में 1 जनवरी 2026 से नए वाहनो में तथा 1 अप्रैल, 2026 से पुराने वाहनो में वीएलटीडी लगवाना अनिवार्य कर दिया है। इस अनिवार्यता को लेकर अब जो डिवाइस पहले लग चुकी है उसको अपडेट करने के नाम पर जबरन शुल्क लिया जा रहा है जो कि काफी ज्यादा है। इस समस्या को लेकर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन के पदाधिकारी कवल गांधी ने बताया कि पहले डिवाइस को लगवाने की फीस दी गई अब डिवाइस को अपडेट करने का भारी भरकम चार्ज वसूला जा रहा है जोकि नियम विरुद्ध है। कवल गांधी ने उप परिवहन आयुक्त एवं एआरटीओ प्रशासन कहकशा खातून से मांग की है कि वह वीएलटीडी डिवाइस को लगाने के लिए अधिकृत एजेंसी को नामित करे या फिर स्वतंत्र रूप से डिवाइस लगवाने की आजादी दी जाये।

इनका कहना है

ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन के पदाधिकारियों की समस्या को लेकर आए हुए थे। जिन कंपनियों को मॉर्थ ने अधिकृत किया है उसमें विभाग का कोई हस्ताक्षेप नही है। कानपुर नगर में जो अधिकृत वीएलटीडी डीलर है वहीं इसको अपडेट करेंगे इसमें विभाग का कोई भी हस्ताक्षेप नही है।

राम रतन सोनी
उप परिवहन आयुक्त कानपुर परिक्षेत्र

युवती से सामूहिक दुष्कर्म का आरोप, दरोगा और सिपाही समेत चार आरोपी भेजे गए जेल

वेब वार्ता, महिपाल सिंह

अमरोहा ,24 सितंबर। उत्तराखंड के खानपुर से विधायक उमेश कुमार के अमरोहा जिले के हसनपुर स्थित फार्म हाउस पर हरियाणा निवासी 23 वर्षीय युवती से सामूहिक दुष्कर्म का सनसनीखेज मामला सामने आया है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए उत्तर प्रदेश पुलिस के एक उपनिरीक्षक (दरोगा) व सिपाही तथा सीआरपीएफ के एक इंस्पेक्टर और हेड कांस्टेबल को गिरफ्तार कर बुधवार को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। जांच में खुलासा हुआ है कि गृह मंत्रालय की महिला अधिकारी के जांच के सिलसिले में पहुंचने की भ्रामक सूचना देकर फार्म हाउस के कमरे खुलवाए गए थे।

पुलिस सूत्रों और फार्म हाउस के केयरटेकर रामनिवास के बयानों के अनुसार, 22-23 सितंबर की रात एक दरोगा ने केयरटेकर को फोन कर बताया कि गृह मंत्रालय की एक महिला अधिकारी अपने सुरक्षाकर्मियों के साथ जांच के लिए आ रही हैं। केयरटेकर ने विधायक से बात कराने का अनुरोध किया तो दरोगा ने दावा किया कि उसकी विधायक से पहले ही बातचीत हो चुकी है। इसके आधार पर केयरटेकर ने कमरे खुलवा दिए और जांच के नाम पर पहुंचे आरोपी तीन अलग-अलग कमरों में ठहर गए।

आचार्य नरेन्द्र देव कृषि एवं प्रोद्योगिकी विश्व विद्यालय कुमारगंज अयोध्या में ही चलेंगी कृषि विवि कुशीनगर की कक्षाएं

कुशीनगर 24 सितम्बर ।कुशीनगर जिले में महात्मा बुद्ध कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय का निर्माण कार्य पूरा नहीं हो पाने के कारण कक्षाएं नहीं चल पाएंगी।इस कुशीनगर के पहले सत्र की कक्षाएं कुमारगंज अयोध्या स्थित आचार्य नरेन्द्र देव कृषि विश्वविद्यालय में चलेंगी।

इस संबंध में कसया के ज्वाईन मजिस्ट्रेट ने बताया कि निर्माण कार्य पूरा होने के बाद यहां कक्षाएं शुरू कराई जाएंगी। विश्वविद्यालय के मुख्य गेट पर चस्पा नोटिस में विद्यार्थियों से आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कुमारगंज अयोध्या में जल्द प्रवेश लेने के लिए पहुंचने को कहा गया है।

जिला प्रशासन ने कार्यदायी संस्था को दिन-रात काम कर 15 सितंबर तक कक्षाओं के संचालन योग्य भवन तैयार करने के निर्देश दिए थे। लेकिन निर्माण कार्य पूरा नहीं हो सका।

महात्मा बुद्ध कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में प्रवेश के लिए अब तक 56 छात्रों ने काउंसिलिंग कराई है। बुधवार को ज्वाइंट मजिस्ट्रेट कृषि विवि में कक्षाएं शुरू कराने के लिए मातहतों के साथ तैयारी बैठक की। लेकिन दोपहर में अचानक निमार्णाधीन कृषि विवि के भवन के बाहर दीवार पर कृषि विवि प्रशासन की ओर से पोस्टर चस्पा किया गया। इसमें कहा गया है कि निमार्णाधीन भवन में कक्षाएं संचालित करना छात्र हित में नहीं है। काउंसिलिंग कराने वाले छात्रों को नामांकन के लिए आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (कुमार गंज) में बुलाया गया है।

विश्वविद्यालय के निदेशक प्रशासन एवं परिवीक्षण व कुलपति डॉ. सुशांत श्रीवास्तव ने बताया कि 24 सितंबर से कक्षाएं शुरू होनी थी लेकिन फिलहाल अयोध्या के कुमारगंज स्थित आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में संचालित की जाएंगी। कुशीनगर में निर्माण कार्य अभी पूरा नहीं हुआ है।

कुशीनगर में होम स्टे योजना से बढ़ेगा पर्यटन, ग्रामीण जीवन से जुड़ेंगे पर्यटक

वेब वार्ता, ममता तिवारी

कुशीनगर। अंतरराष्ट्रीय पर्यटन केंद्र कुशीनगर में आने वाले पर्यटकों को महज महापरिनिर्वाण मंदिर और अन्य बौद्ध स्थलों तक सीमित रखने के बजाय अब उन्हें गांवों के जीवन और ग्रामीण परिवेश से जोड़ने की तैयारी तेज हो रही है।

पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए पिछले वर्ष लागू की गई रूरल होम स्टे (ग्रामीण होम स्टे) और बी एंड बी (ब्रेड एंड ब्रेक फास्ट) योजना को लेकर करीब एक साल बाद स्थानीय स्तर पर रुझान दिखने लगा है। ग्रामीण क्षेत्र में पांच लोगों ने होम स्टे के लिए आवेदन किया है, तो शहरी क्षेत्र में एक संचालक ने पंजीकरण कराया है।

योजनाओं के नियमों में भी ढील

नई पर्यटन नीति में इन योजनाओं के नियमों में भी ढील दी गई है। इसका उद्देश्य कम आय वाले भारतीय और विदेशी पर्यटकों को अपेक्षाकृत किफायती दर पर ठहरने और भोजन की सुविधा उपलब्ध कराने के साथ स्थानीय लोगों को रोजगार का अवसर देना है।

नई व्यवस्था के तहत अब होम स्टे और बी एंड बी में छह के बजाय अधिकतम आठ कमरे यानी 16 बेड तक की व्यवस्था की जा सकेगी। पर्यटन सूचना अधिकारी डॉ. प्राण रंजन ने बताया कि नई पर्यटन नीति के तहत ग्रामीण क्षेत्र में रूरल होम स्टे के लिए अब तक पांच आवेदन आए हैं। शहरी क्षेत्र में बी एंड बी योजना के तहत एक संचालक का पंजीकरण हो चुका है। रूरल होम स्टे योजना के तहत पर्यटकों को ग्रामीण परिवेश में आवास और भोजन उपलब्ध कराया जाएगा। संचालक पर्यटकों को गांव के रहन-सहन, खान-पान और स्थानीय जीवनशैली से भी परिचित कराएंगे।

डीजे प्रतिबंध को लेकर नगर पालिका में संचालकों से संवाद

वेब वार्ता, कमर खान

बलरामपुर। नगर क्षेत्र में डीजे के संचालन पर लगाए गए प्रतिबंध एवं शासन-प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के संबंध में आज आदर्श नगर पालिका परिषद कार्यालय में नगर के डीजे संचालकों के साथ संवाद किया गया। बैठक में नगर पालिका अध्यक्ष डॉ.धीरेन्द्र प्रताप सिंह धीरू ने डीजे संचालकों से शासन एवं प्रशासन द्वारा निर्धारित सभी नियमों और दिशा-निर्देशों का पूर्णत: पालन सुनिश्चित करने का आग्रह किया।

अध्यक्ष ने कहा कि कानून-व्यवस्था एवं सामाजिक सौहार्द बनाए रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। नगर में किसी भी आयोजन के दौरान निर्धारित नियमों की अनदेखी न हो और प्रशासन द्वारा जारी निर्देशों का अक्षरश: पालन किया जाए,यह सुनिश्चित करना आवश्यक है। उन्होंने डीजे संचालकों से अपील की कि वे निर्धारित नियमों के अनुरूप ही अपने उपकरणों का संचालन करें तथा ऐसा कोई कार्य न करें,जिससे आमजन को असुविधा हो अथवा कानून-व्यवस्था प्रभावित होने की स्थिति उत्पन्न हो। डॉ.धीरेंद्र प्रताप सिंह ह्यधीरूह्न ने कहा कि नगर पालिका का उद्देश्य शासन के निर्देशों का पालन सुनिश्चित कराने के साथ-साथ नगरवासियों की सुविधा,सुरक्षा एवं सामाजिक सौहार्द को बनाए रखना है। इसके लिए सभी वर्गों और डीजे संचालकों का सहयोग आवश्यक है।

नियमों के अनुसार ही करेंगे कार्य

उन्होंने कहा कि प्रशासन के निर्देशों का पालन और नागरिकों की सुविधा—दोनों के बीच संतुलन बनाए रखते हुए नगर में शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित वातावरण कायम रखने का प्रयास किया जा रहा है। इस दौरान डीजे संचालकों से अपेक्षा की गई कि वे प्रशासन के निर्देशों में सहयोग प्रदान करते हुए निर्धारित नियमों के अनुसार ही कार्य करेंगे।

हरदोई में एसपी अशोक कुमार मीणा ने पुलिसकर्मियों को पदक लगाकर किया सम्मानित

वेब वार्ता, लक्ष्मीकान्त पाठक

हरदोई। पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा ने गुरुवार को गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रदत्त अति उत्कृष्ट सेवा पदक एवं उत्कृष्ट सेवा पदक से जनपद के पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सम्मानित किया।

एसपी अशोक कुमार मीणा ने निरीक्षक ना.पु. विद्यासागर, उपनिरीक्षक ना.पु. रामकिशोर मिश्र, उपनिरीक्षक ना.पु. प्रवीण चन्द्र मिश्र, उपनिरीक्षक ना.पु. सुशील कुमार त्रिपाठी, उपनिरीक्षक ना.पु. शिव शरन सरोज, उपनिरीक्षक ना.पु. विजय शंकर यादव, उपनिरीक्षक लिपिक रामप्रकाश यादव, मुख्य आरक्षी चालक सुरेश चन्द्र, मुख्य आरक्षी स.पु. विरेन्द्र सिंह यादव, मुख्य आरक्षी ना.पु. राम खिलावन यादव, मुख्य आरक्षी चालक कल्लू तथा मुख्य आरक्षी स.पु. अमरेन्द्र कुमार को गृह मंत्रालय भारत सरकार द्वारा प्रदत्त अति उत्कृष्ट सेवा पदक लगाकर सम्मानित किया।

वहीं निरीक्षक एलआईयू अमित कुमार ठेनुआ, मुख्य आरक्षी स.पु. सुखदेव कुमार तथा मुख्य आरक्षी ना.पु. विजय कुमार को गृह मंत्रालय भारत सरकार द्वारा प्रदत्त उत्कृष्ट सेवा पदक से सम्मानित किया गया।

हरदोई में पीडीए जन पंचायत में गरजे रामज्ञान गुप्ता, बोले—देश संविधान से चलेगा, किसी मन-विधान से नहीं

वेब वार्ता, लक्ष्मीकान्त पाठक

हरदोई, 24 सितंबर। सदर विधानसभा क्षेत्र के गांव हसनापुर में मुकेश वर्मा के आवास पर आयोजित पीडीए जन पंचायत को संबोधित करते हुए समाजवादी व्यापार सभा के प्रदेश सचिव एवं हरदोई नगर पालिका अध्यक्ष पद के पूर्व प्रत्याशी रामज्ञान गुप्ता ने भाजपा सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के निर्देश पर पीडीए जन पंचायतों का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने दावा किया कि भाजपा पीडीए की एकजुटता से घबराई हुई है। रामज्ञान गुप्ता ने कहा कि जो लोग उत्तर प्रदेश में चुनाव साथ नहीं करा सकते, वे एक राष्ट्र, एक चुनाव की बात कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि देश को एक राष्ट्र, एक शिक्षा की जरूरत है, जिसमें किसान, मजदूर और अधिकारी के बच्चे समान शिक्षा प्राप्त कर सकें।

सपा नेता ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार में छात्र, नौजवान, किसान, बेरोजगार और व्यापारी परेशान हैं। उन्होंने कानून-व्यवस्था को लेकर भी सरकार पर सवाल उठाते

हुए कहा कि अपराध बढ़ रहे हैं और महिलाओं के साथ गंभीर अपराध हो रहे हैं।

उन्होंने कहा कि संविधान ही पीडीए के भविष्य का विधान है और संविधान ही संजीवनी है। संविधान की शक्ति देश को बेहतर बनाने और उसकी लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने में निहित है। उन्होंने कहा कि देश का नया नारा जय जवान, जय किसान, जय संविधान होना चाहिए।

रामज्ञान गुप्ता ने कहा कि संविधान को चुनौती देने वालों को समझना होगा कि देश संविधान से चलेगा, किसी संघ-विधान या मन-विधान से नहीं। उन्होंने कहा कि संविधान था, संविधान है और संविधान रहेगा। 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर उन्होंने कहा कि जनता चुनाव का इंतजार कर रही है। उन्होंने दावा किया कि 2027 में जनता भाजपा सरकार को सत्ता से बाहर का रास्ता दिखाएगी। कार्यक्रम में आयोजक मुकेश वर्मा के अलावा धर्मेंद्र यादव दीपू, श्याम गुप्ता, विकास त्रिपाठी, असलम गाजी, आशीष यादव, दिनेश शर्मा, आकाश वर्मा, मेवाराम वर्मा लाल, रवि वर्मा, बेचेलाल वर्मा, राजेश वर्मा, शैलेंद्र वर्मा, गुड्डू वर्मा, रामसागर वर्मा, जागेश्वर वर्मा, दिनेश वर्मा, मुंशीलाल वर्मा सहित बड़ी संख्या में महिलाएं एवं ग्रामीण मौजूद रहे।

शाहाबाद में भाजपा के किले की बढ़ी चुनौती, आसिफ अली की बढ़ती पकड़ से बदले समीकरण

हरदोई। 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले शाहाबाद की सियासत में मुकाबला फिर भाजपा विधायक एवं राज्य मंत्री रजनी तिवारी और सपा के आसिफ अली खां बब्बू के बीच सिमटता नजर आ रहा है।

वेब वार्ता, लक्ष्मीकान्त पाठक

बीते दो विधानसभा चुनावों में भाजपा ने सीट जरूर जीती, लेकिन जीत का अंतर इतना बड़ा नहीं रहा कि मुकाबले को एकतरफा कहा जा सके। वहीं 2023 के निकाय और 2024 के लोकसभा चुनाव ने भाजपा के सामने नई राजनीतिक चुनौती खड़ी कर दी है।

विधानसभा में करीबी मुकाबला

2017 में भाजपा की रजनी तिवारी ने 99,624 वोट हासिल कर बसपा प्रत्याशी आसिफ खान को 4,260 वोटों से हराया था। 2022 में सपा के टिकट पर मैदान में उतरे आसिफ खान को 88,082 वोट मिले, जबकि रजनी तिवारी को 94,561 वोट मिले। इस बार जीत का अंतर 6,479 वोट रहा। यानी लगातार दो चुनावों में भाजपा की जीत के बावजूद विपक्षी प्रत्याशी मजबूत चुनौती पेश करते रहे।

निकाय चुनाव ने बदला

रजनी तिवारी उच्च शिक्षा राज्य मंत्री व विधायक

शहरी समीकरण

2023 के शाहाबाद नगर पालिका चुनाव में सपा प्रत्याशी नसरीन बानो ने 24,038 वोट हासिल कर भाजपा के संजय मिश्रा को 4,592 वोटों से पराजित किया। भाजपा की ओर से उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और विधायक

सपा नेता आसिफ खां बब्बू

रजनी तिवारी के प्रचार के बावजूद मिली यह हार शाहाबाद के शहरी क्षेत्र में भाजपा के लिए बड़ा झटका मानी गई। वहीं इस जीत ने आसिफ अली खान के परिवार की स्थानीय राजनीतिक पकड़ को मजबूती दी।

लोकसभा में उलट गया

2027 में दोनों के सामने अलग-अलग चुनौती

लगातार 88 से 95 हजार के बीच वोट हासिल करने वाले आसिफ अली खान के सामने सबसे बड़ी चुनौती अपने मजबूत विपक्षी जनाधार को निर्णायक जीत में बदलने की होगी। उन्हें विधानसभा चुनाव में मिले वोटों को लोकसभा और निकाय चुनाव के बढ़े हुए समर्थन से जोड़ना होगा। दूसरी ओर, हैट्रिक की तलाश में जुटीं रजनी तिवारी के सामने सत्ता-विरोधी माहौल, स्थानीय मुद्दों, निकाय चुनाव में भाजपा की हार और लोकसभा चुनाव में सपा की बढ़त, अपने ही दल से तमाम नेताओं की दावेदारी जैसी चुनौतियां हैं। चुनाव मे भाजपा के लिए सबसे अहम सवाल यह होगा कि क्या वह अपना पुराना सामाजिक और संगठनात्मक आधार फिर से एकजुट कर पाती है? ऐसे मे बीजेपी का एक तरफ लगातार दो विधानसभा जीतों के आधार पर मजबूत पकड़ का दावा है, तो दूसरी ओर निकाय और लोकसभा चुनाव के नतीजों से उत्साहित विपक्षी खेमे की बढ़ती उम्मीदें। ऐसे मे सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या रजनी तिवारी अपने पुराने किले को बचा पाएंगी या निकाय से लोकसभा तक दिखा ह्यसपा ट्रेंडह्न 2027 में निर्णायक राजनीतिक बदलाव का आधार बनेगा?

विधानसभा का गणित

2024 के लोकसभा चुनाव में शाहाबाद विधानसभा क्षेत्र का परिणाम और ज्यादा महत्वपूर्ण रहा। सपा की ऊषा वर्मा को 98,331 वोट मिले, जबकि भाजपा के जयप्रकाश रावत को 92,161 वोट मिले। सपा ने 6,170 वोटों की बढ़त हासिल की। खास बात यह है कि 2022 के विधानसभा चुनाव में भाजपा 6,479 वोटों से आगे थी। महज दो वर्ष में लगभग 12,500 वोटों का स्विंग शाहाबाद के बदलते राजनीतिक रुझान का संकेत देता है।

महत्वपूर्ण ख़बर

यूरोप का देश लिकटेंस्टीन बना हुआ शांत और सुरक्षित

■ लंदन। सैन्य संघर्ष और भारी तनाव से जूझ रही दुनिया में कुछ देश ऐसे भी है जिन्होंने लंबे समय से खुद को बड़े सैन्य संघर्षों से दूर रखा है। ये देश युद्ध की चिंताओं से मुक्त होकर एक अलग राह पर चल रहे हैं, जहाँ जीवन अपेक्षाकृत शांत और सुरक्षित बना हुआ है। इस अशांत दुनिया में यूरोप का एक छोटा सा देश लिकटेंस्टीन अपनी शांतिपूर्ण पहचान बनाए हुए है। स्विट्जरलैंड और ऑस्ट्रिया के पहाड़ों के बीच बसा यह देश आकार में भले ही छोटा हो, लेकिन अपनी सुरक्षा और स्थिरता के लिए जाना जाता है। लिकटेंस्टीन को आधुनिक इतिहास में किसी बड़े विदेशी सैन्य हमले का सामना नहीं करना पड़ा है। यहाँ की जिंदगी दूसरे युद्धग्रस्त इलाकों से बिल्कुल अलग नजर आती है।

लिकटेंस्टीन की सबसे दिलचस्प बात यह है कि यहाँ स्थायी सेना भी नहीं है। साल 1868 में देश ने अपनी सेना को खत्म कर दिया था। इसके बाद से लिकटेंस्टीन ने अंतरराष्ट्रीय विवादों से दूरी बनाए रखी और अपनी तटस्थता की नीति पर जोर दिया। यही कारण है कि यूरोप में कई बड़े संघर्ष होने के बावजूद यह देश लंबे समय तक उनसे अछूता रहा।

राहुल गांधी ने आईआईटी बॉम्बे छात्र साहिल वाकोडे के माता-पिता से की बात, हरसंभव मदद का भरोसा

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को आईआईटी बॉम्बे के छात्र साहिल वाकोडे के माता-पिता रवींद्र और सोनाली वाकोडे से वीडियो कॉल पर बात की। कांग्रेस सूत्रों के मुताबिक, राहुल गांधी ने परिवार को मामले में हरसंभव मदद का भरोसा दिया। करीब 17 मिनट की बातचीत उस समय हुई, जब साहिल के माता-पिता वाशिम जिले से मुंबई जा रहे थे।

साहिल वाकोडे की 18 सितंबर को आईआईटी बॉम्बे परिसर स्थित हॉस्टल के कमरे में मौत हो गई थी। इससे कुछ घंटे पहले वह मिड-सेमेस्टर परीक्षा के दौरान कथित तौर पर मोबाइल फोन का इस्तेमाल करते हुए पकड़ा गया था। मामले की जांच अब मुंबई पुलिस की क्राइम ब्रांच कर रही है। परीक्षा हॉल की सीसीटीवी फुटेज भी जांच का हिस्सा है, जिसमें प्रोफेसर सूर्यनारायण डूला को साहिल से बातचीत करते और उसे परीक्षा हॉल से बाहर ले जाते हुए देखा गया है।

साहिल के माता-पिता ने संस्थान में जातिगत भेदभाव और कथित उत्पीड़न के आरोप लगाए हैं। आईआईटी बॉम्बे ने इन आरोपों से संबंधित शिकायत पहले मिलने से इनकार किया है। मामले में प्रोफेसर सूर्यनारायण डूला के खिलाफ एससी-एसटी एक्ट के तहत एफआईआर दर्ज होने की जानकारी सामने आई है। आईआईटी बॉम्बे ने उन्हें डीन के पद से भी हटा दिया है, जबकि वे संस्थान में प्रोफेसर बने हुए हैं।

साहिल के माता-पिता ने मामले की निष्पक्ष और विस्तृत जांच की मांग की है। जांच पूरी होने के बाद ही घटनाक्रम और आरोपों की वास्तविक स्थिति स्पष्ट होगी।

35 यात्रियों से भरी बस में लगी आग, 9 की जलकर मौत

यमुना एक्सप्रेस-वे पर भीषण अग्निकांड

ग्रेटर नोएडा। यमुना एक्सप्रेस-वे पर बुधवार की रात एक चलती स्लीपर एसी बस में अचानक आग लग गई, जिससे एक दर्दनाक हादसा हो गया। इस हादसे में 9 यात्रियों की जिंदा जलकर मौत हो गई है।

बस में सवार कई यात्रियों ने खिड़की से कूदकर अपनी जान बचाई, जबकि कुछ घायल हो गए जिनका अस्पताल में इलाज चल रहा है। यह बस यात्रियों को लेकर नोएडा से महोबा जा रही थी। वहीं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस घटना पर दुख व्यक्त करते हुए कहा है कि घायलों को समुचित इलाज किया जाएगा और उन्होंने मृतकों के परिजनों को दो-दो लाख की सहायता राशि देने का ऐलान किया है।

जेवर कोतवाली पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, यह हादसा रात करीब 12:00 बजे दयानतपुर गांव के समीप हुआ। एक्सप्रेस-वे पर देखते ही देखते चलती बस आग का गोला बन गई। बस में आग लगने पर यात्रियों में चीख पुकार मच गई और अफरा-तफरी का माहौल हो गया। 9 यात्रियों की जिंदा जलकर मौत हो गई, जबकि कुछ लोगों ने खिड़की से बाहर कूद कर अपनी जान बचाई। कई यात्री हादसे में जख्मी हुए हैं, जिन्हें नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति पर काबू पाया और पूरे मामले की जांच पड़ताल में जुट गई है। बस में आग लगने के सही कारण का पता लगाया जा रहा है।

हादसे की सूचना मिलते ही दमकल की पांच गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। करीब 45 मिनट की मशक्कत के बाद आग बुझाई जा सकी, लेकिन तब तक बस पूरी तरह जलकर खाक हो चुकी थी। यह बस राज कल्पना ट्रैवल्स की बताई जा रही है। बताया जा रहा है कि हादसे के समय बस में 30 से 35 लोग सवार थे। एक महिला यात्री ने भयावह मंजर को याद करते हुए बताया, मैं सो रही थी तभी किसी ने दरवाजा खटखटाया। जब मैं जागी तो वहां पहले से ही बहुत भीड़ थी। मैंने अपना कोई सामान नहीं उठाया, यहां तक कि जूते भी नहीं पहने। बस अपना फोन लिया और बाहर निकल आई। इतनी भीड़ थी कि लोग एक-दूसरे को धक्का दे रहे थे। मुझे भी धक्के लगे और आखिरकार किसी ने मुझे बाहर खींच लिया। उसके बाद मुझे कुछ भी याद नहीं। चारों तरफ धुआं ही धुआं था। अफरा-तफरी मची हुई थी और बाहर निकलना बहुत मुश्किल था। इतना धुआं था कि कुछ भी दिखाई नहीं दे रहा था। लोग अंदर दम घुटने से परेशान थे। महिला यात्री ने आगे बताया कि बहुत कम लोग ही बच पाए, सिर्फ वही जो धक्का-मुक्की के बीच रास्ता बनाकर निकल सके।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ग्रेटर नोएडा में हुई इस सड़क दुर्घटना का संज्ञान लिया है। मुख्यमंत्री कार्यालय के अनुसार, सीएम ने मृतकों के परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को घायलों के उचित इलाज की व्यवस्था करने का निर्देश दिया और मृतकों के परिवारों से बात कर उन्हें हर संभव सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना भी की।

भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारे को ट्रंप को समर्थन, ईरान को चेतावनी

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत-मिडिल ईस्ट-यूरोप आर्थिक गलियारे के लिए अपने प्रशासन का समर्थन किया। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र में खाड़ी सहयोग परिषद के नेताओं के साथ एक बहुपक्षीय बैठक में इस महत्वाकांक्षी परियोजना को क्षेत्र में ऊर्जा और वस्तुओं के परिवहन के लिए एक अहम वैकल्पिक मार्ग बताया। ट्रंप ने ईरान को परमाणु हथियार बनाने से रोकने और समुद्री सुरक्षा सुनिश्चित करने के प्रयासों के तहत इस पहल को मध्य पूर्व के लिए अपनी व्यापक रणनीति का हिस्सा बताया।

जमुई के बाद समस्तीपुर में युवती से सरेराह अभद्रता, पांच हिरासत में

बांध बाइपास रोड पर फोटो लेने के दौरान युवकों ने घेरा

समस्तीपुर। बिहार के जमुई में छात्रा से छेड़छाड़ का मामला अभी चर्चा में था कि समस्तीपुर से भी एक युवती के साथ कथित अभद्रता का वीडियो सामने आया है।

कपूर्रीग्राम थाना क्षेत्र के जगतसिंहपुर गांव स्थित बांध बाइपास रोड पर युवती को कुछ युवकों द्वारा घेरने और उसके साथ गाली-गलौज व बदसलूकी करने का आरोप है। घटना का वीडियो बुधवार देर शाम सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस सक्रिय हुई और पांच संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की।

स्थानीय लोगों के अनुसार, युवती एक युवक के साथ सड़क किनारे रुककर फोटो ले रही थी। इसी दौरान कुछ युवक वहां पहुंचे और युवती को घेर लिया। वायरल वीडियो में कुछ युवक उससे नाम-पता पूछते और कथित तौर पर अभद्र भाषा का इस्तेमाल करते दिखाई दे रहे हैं। वीडियो में युवती के साथ कथित तौर पर गलत तरीके से छूने और सड़क पर खींचने जैसी हरकतों के आरोप भी सामने आए हैं।

पुलिस ने वीडियो के आधार पर युवकों की पहचान शुरू की। पुलिस के मुताबिक अब तक विकास शर्मा और राहुल कुमार की पहचान हुई है। एसपी अरविंद प्रताप सिंह ने बताया कि अन्य संदिग्धों की भूमिका की भी जांच की जा रही है। पुलिस के अनुसार विकास शर्मा के खिलाफ शराब से जुड़े मामले पहले दर्ज हैं।

पुलिस वीडियो के स्रोत, घटना के समय और पूरे घटनाक्रम की पुष्टि कर रही है। अधिकारियों का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद ही वीडियो में दिखाई दे रहे लोगों की भूमिका और घटना की वास्तविक परिस्थितियां स्पष्ट हो सकेंगी।

आईआईटी छात्र की मौत

साइकोलॉजिकल ऑटोप्सी से सुलझेगी मानसिक गुत्थी

मुंबई। आईआईटी बॉम्बे के 22 वर्षीय छात्र साहिल वाकोडे की दुखद मौत के बाद, साइकोलॉजिकल ऑटोप्सी की मांग ने प्रक्रिया को राष्ट्रीय चर्चा में ला दिया है।

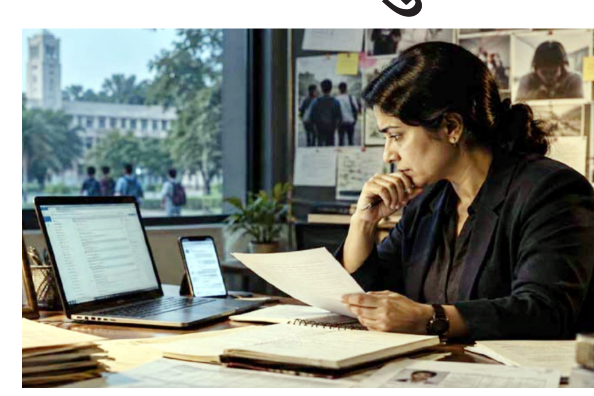

यह एक वैज्ञानिक विधि है जिसका उद्देश्य मृत्यु से पहले व्यक्ति की मानसिक स्थिति, पारिवारिक पृष्ठभूमि, सामाजिक परिस्थितियों और जीवन में चल रहे तनाव के स्तर को गहराई से समझना होता है। यह पारंपरिक मेडिकल ऑटोप्सी से भिन्न है, जिसमें शरीर की जांच के बजाय व्यक्ति की भावनात्मक और मानसिक यात्रा को समझने का प्रयास होता है।

साइकोलॉजिकल ऑटोप्सी में मृत व्यक्ति की मेडिकल हिस्ट्री, निजी डायरी, फोन और लैपटॉप से जुड़े डिजिटल डेटा तथा अन्य उपलब्ध रिकॉर्ड का अध्ययन होता है। इसके साथ ही, परिवार, दोस्तों, सहपाठियों और शिक्षकों से बातचीत कर व्यक्ति के व्यवहार, मानसिक स्थिति और जीवन में आए बदलावों को समझने की कोशिश की जाती है। इस प्रक्रिया का लक्ष्य किसी एक घटना को मौत का कारण मानने के बजाय उससे जुड़े कई संभावित कारकों की पड़ताल करना है।

साहिल के मामले में, प्रारंभिक रिपोर्टों में परीक्षा के दौरान फोन और चैटजीपीटी के इस्तेमाल की घटना का उल्लेख किया है। संस्थान का कहना है कि छात्र को काउंसलिंग दी गई थी और यह भरोसा दिलाया गया था कि इस घटना से उसका करियर प्रभावित नहीं होगा। वहीं, साहिल के माता-पिता और कुछ छात्र संगठनों ने संस्थान में जाति आधारित भेदभाव, मानसिक उत्पीड़न और अपमान के आरोप लगाए हैं। इन दावों की सच्चाई संबंधित जांच प्रक्रिया में सामने आनी है।

एक मनोवैज्ञानिक ऑटोप्सी व्यक्ति के सामाजिक अलगाव, लंबे समय से चले आ रहे तनाव, मानसिक थकान, व्यवहार में बदलाव और किसी अचानक पैदा हुए संकट जैसे पहलुओं की जांच करती है। यह प्रक्रिया आमतौर पर फोरेंसिक मनोवैज्ञानिकों, मनोचिकित्सकों और प्रशिक्षित जांचकताओं की टीम द्वारा की जाती है। इसमें अकादमिक रिकॉर्ड, उपस्थिति, अनुशासनात्मक कार्रवाई, स्वास्थ्य संबंधी दस्तावेज, पुलिस रिपोर्ट सहित विभिन्न रिकॉर्ड जुटाए जाते हैं। डिजिटल स्तर पर संदेश, ईमेल, सर्च हिस्ट्री, सोशल मीडिया गतिविधियां और वित्तीय लेन-देन तक का विश्लेषण किया जा सकता है। इन सभी जानकारियों का मिलान कर व्यक्ति के अंतिम दिनों और हफ्तों की एक टाइमलाइन तैयार की जाती है, जिससे लंबे समय से मौजूद कमजोरियों, हालिया तनाव और अंतिम ट्रिगर घटना को समझा जा सके। मुंबई क्राइम ब्रांच अपनी भौतिक साक्ष्यों की जांच जारी रखे हुए है, वहीं मनोवैज्ञानिक ऑटोप्सी इस जांच को व्यक्ति की आंतरिक दुनिया और परिस्थितियों को बेहतर ढंग से समझने में मदद कर सकती है, ताकि मौत के पीछे की पूरी तस्वीर सामने आ सके।

नेपाल में बाढ़ से हुई भारी तबाही में लापता भारतीयों की तलाश जारी

भारतीय फॉरेंसिक टीम 3,000 सैंपल लिए, 1200 की प्रोफाइल की तैयार

नई दिल्ली। नेपाल में बाढ़ से हुई तबाह में घर, गाड़ियां, सड़कें और पुल तक बह गए। इस तबाही के बाद कई लोग अब भी लापता बताए जा रहे हैं और उनके परिवार उनका इंतजार कर रहे हैं। अब इन लापता लोगों की पहचान के लिए डीएनए जांच का सहारा लिया जा रहा है। काठमांडू में तैनात भारतीय फॉरेंसिक टीम 3,000 डीएनए सैंपल पर काम कर रही है और अब तक 1200 से ज्यादा प्रोफाइल तैयार कर चुकी है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बताया कि नेपाल में भारतीय टीम कई लैबोरेटरी में अपने नेपाली सहयोगियों के साथ मिलकर काम कर रही है। विदेश मंत्रालय के मुताबिक भारतीय फॉरेंसिक टीम को करीब

3,000 डीएनए सैंपल की जांच करनी है। इनमें से अब तक 1200 से ज्यादा डीएनए प्रोफाइल तैयार किए जा चुके हैं। जायसवाल ने बताया कि पहले भारत ने नेपाल में 275 भारतीय नागरिकों के लापता होने की जानकारी दी थी। अब लापता लोगों के परिवारों को नेपाल अधिकारियों से अपनों की जानकारी मिलने का इंतजार है। फिलहाल डीएनए प्रोफाइल की मदद से सैंपल का मिलान कर लापता लोगों की पहचान करने की कोशिश की जा रही है। अब इस आपदा के 29 दिन बाद सबसे बड़ी चुनौती है लापता लोगों का पता लगाना और उनकी पहचान करना। ऐसे में काठमांडू में चल रही डीएनए जांच उन परिवारों के लिए एक उम्मीद की रोशनी है, जो अब तक अपने प्रियजनों की खबर का इंतजार कर रहे हैं। भारतीय फॉरेंसिक टीम की जांच अभी जारी है। अब नजर इस बात पर है कि डीएनए प्रोफाइल के मिलान से कितने लापता लोगों की पहचान हो पाती है और नेपाल के अधिकारी भारतीय नागरिकों के बारे में आगे क्या जानकारी साझा करते हैं।

अमेरिका ग्रीनलैंड में दो नए सैन्य ठिकाने बनाएगा

वॉशिंगटन। अमेरिका ग्रीनलैंड में अपनी सैन्य मौजूदगी बढ़ाने की तैयारी कर रहा है। न्यूयॉर्क में अमेरिका, डेनमार्क और ग्रीनलैंड के बीच एक समझौते पर सहमति बनी है, जिसमें ग्रीनलैंड में दो जगहों पर अमेरिकी मिलिट्री बेस स्थापित करने की योजना शामिल है। इस समझौते पर संयुक्त राष्ट्र महासभा के दौरान हस्ताक्षर होने की उम्मीद है, जो आर्कटिक क्षेत्र में अमेरिका की रणनीतिक उपस्थिति को मजबूत करेगा। इस योजना के तहत दक्षिणी ग्रीनलैंड के नरसार्सुआक में शीत युद्ध के दौर के पुराने अमेरिकी मिलिट्री बेस को दोबारा शुरू किया जा सकता है। यह बेस, जिसे तब ब्लू वेस्ट वन के नाम से जाना जाता था, अमेरिका ने 1950 के दशक में बंद कर दिया था।

व्यापारिक रिश्तों में सुधार, दिसंबर में पीएम मोदी जाएंगे कनाडा

नई दिल्ली। भारत और कनाडा के बीच द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया गया है। कनाडाई प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने पुष्टि की है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इसी वर्ष दिसंबर में कनाडा का दौरा करेंगे। इस यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच एक महत्वपूर्ण व्यापार समझौते को अंतिम रूप दिए जाने की पूरी

संभावना है। संयुक्त राष्ट्र महासभा के दौरान पत्रकारों से बातचीत करते हुए कार्नी ने कहा कि भारत के साथ व्यापारिक बातचीत बहुत अच्छी प्रगति कर रही है और भारत उनके देश के लिए हर स्तर पर एक अत्यंत महत्वपूर्ण साझीदार है। दोनों देश दिसंबर के मध्य तक एक नई ट्रेड डील को पूरा करने का लक्ष्य लेकर चल रहे हैं।

इस कनाडाई पुष्टि से ठीक पहले, भारतीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने जानकारी दी थी कि व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते (सीईपीए) के अगले दौर की वार्ता 5 अक्टूबर से शुरू होगी। भारत और कनाडा के वातार्कार 5 से 9 अक्टूबर तक कनाडा में पांचवें दौर की बातचीत में हिस्सा लेंगे। दोनों देश इस साल के अंत तक इस प्रक्रिया को समाप्त करना चाहते हैं। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2023 में उत्पन्न हुए राजनयिक तनाव के बाद अब दोनों देश अपने संबंधों को पटरी पर लाने के लिए लगातार प्रयास कर रहे हैं। कार्नी के प्रधानमंत्री बनने के बाद से कनाडा अमेरिका पर अपनी निर्भरता को कम करने और भारत जैसे तेजी से बढ़ते हुए बाजारों के साथ नए विकल्प तलाशने पर जोर दे रहा है। वर्तमान में दोनों देशों के बीच आर्थिक सहयोग को नई ऊंचाइयां देने के लिए ठोस प्रयास किए जा रहे हैं। वर्ष 2025 में भारत और कनाडा का द्विपक्षीय व्यापार लगभग 30 .4 अरब डॉलर का रहा था, जिसे दोनों पक्षों ने वर्ष 2030 तक बढ़ाकर 70 अरब डॉलर तक पहुंचाने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया है। भारत मुख्य रूप से कनाडा को दवाइयां, स्टील, वस्त्र, रसायन और इलेक्ट्रॉनिक्स का निर्यात करता है, जबकि कनाडा से भारत में दालें, कोयला, उर्वरक, कागज और कच्चा पेट्रोलियम आयात किए जाते हैं।

भूत भगाने की पूजा के बीच चार हत्याएं, तंत्र-मंत्र के अंधविश्वास पर उठे सवाल

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ जिले के शंभूपुर गांव में हुई सनसनीखेज घटना ने अंधविश्वास और तंत्र-मंत्र के नाम पर परिवारों के मानसिक रूप से प्रभावित होने को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। मंगलवार को हुई इस घटना में अरविंद सिंह ने कथित तौर पर अपनी पत्नी, दो पंडितों और अपने बेटे को गोली मार दी, जिसके बाद पुलिस की जवाबी कार्रवाई में अरविंद भी मारा गया। घटना के समय उसके घर में पिछले चार दिनों से भूत भगाने और आत्मा की शांति के लिए पूजा-पाठ चल रहा था। इसी संदर्भ में 2018 दिल्ली का बुराड़ी मामला भी चर्चा में आ गया है।

बताया गया कि अरविंद अपने भाई की मौत के लिए अपनी पत्नी को जिम्मेदार मान रहा था। घर में महामृत्युंजय मंत्र का जाप कराया जा रहा था और परिवार के कुछ लोगों को यह आशंका थी कि वर्षों पहले हुई मौत के बाद मृत व्यक्ति की आत्मा उन्हें परेशान कर रही है। पड़ोसियों के मुताबिक, करीब आठ साल पहले अरविंद के भाई की हत्या हुई थी। इसके बाद परिवार में लगातार परेशानियां बनी रहने की बात कही जाती रही। इसी बीच आत्मा की शांति के लिए पूजा और कथित तौर पर नारायण बलि जैसी धार्मिक प्रक्रियाओं का सहारा लिया जा रहा था।

मामले में पुलिस की जांच अभी जारी है और घटना की वास्तविक वजह जांच पूरी होने के बाद ही स्पष्ट होगी। हालांकि, इस घटना ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा किया है कि लोग किस तरह भय, परेशानी और तत्काल समाधान की तलाश में तंत्र-मंत्र के दावों के प्रभाव में आ सकते हैं। ज्योतिषाचार्य चंद्रकांत सारस्वत के अनुसार, धार्मिक परंपराओं में अकाल मृत्यु के बाद आत्मा की शांति के लिए श्राद्ध, पिंडदान और तर्पण जैसी वैदिक प्रक्रियाओं का उल्लेख मिलता है। उन्होंने कहा कि कई बार परेशान लोग जल्द समाधान की उम्मीद में ऐसे लोगों के संपर्क में आ जाते हैं, जो तंत्र-मंत्र के नाम पर उनसे पैसे लेते हैं और उनकी आशंकाओं को और बढ़ा देते हैं।

आजमगढ़ की घटना के संदर्भ में 2018 का दिल्ली का बुराड़ी मामला भी चर्चा में आता है, जिसमें एक परिवार के 11 सदस्यों की मौत हुई थी। इसी तरह 2023 में वाराणसी में एक परिवार के चार सदस्यों ने आत्महत्या की थी, जिनकी जांच में पूजा-पाठ और मोक्ष से जुड़ी मान्यताओं का उल्लेख सामने आया था। धार्मिक मान्यताओं में मोक्ष को आत्मा की मुक्ति से जोड़ा गया है, लेकिन आत्महत्या को मोक्ष का साधन नहीं माना गया है। विशेषज्ञों के अनुसार, ऐसी परिस्थितियों में अंधविश्वास के बजाय परिवार और समाज को विवेकपूर्ण तरीके से समस्या का सामना करना चाहिए। आजमगढ़ की घटना भी यही सवाल सामने रखती है कि धार्मिक आस्था और भय के बीच अंतर को समझना कितना जरूरी है।

चीन बनाएगा परमाणु ऊर्जा से चलने वाला टैंक

बीजिंग। चीन के वैज्ञानिकों ने परमाणु ऊर्जा से संचालित ऐसे टैंक की अवधारणा पेश की है, जिसमें पारंपरिक तोप के स्थान पर इलेक्ट्रोमैग्नेटिक रेलगन लगाने की योजना है। चीन की यह नई सैन्य तकनीक भविष्य में टैंक की पारंपरिक भूमिका को पूरी तरह बदल सकती है। प्रस्तावित टैंक की मारक क्षमता करीब 450 किलोमीटर बताई गई है। हालांकि यह अभी शोध और अवधारणा के स्तर पर है और इसके वास्तविक रूप से युद्धक उपयोग में आने की कोई पुष्टि नहीं हुई है।

लालबागचा राजा के दर पर गोविंदा, कोमल रानी भी रहीं साथ

मुंबई। अभिनेता गोविंदा भगवान गणेश का आशीर्वाद लेने के लिए मुंबई के प्रसिद्ध लालबागचा राजा पंडाल पहुंचे। इस दौरान वह अपनी पत्नी सुनीता आहूजा के साथ नहीं, बल्कि अभिनेत्री कोमल रानी स्वर्णकार के साथ नजर आए। कोमल का नाम पिछले कुछ समय से गोविंदा के साथ कथित रिश्ते को लेकर लगाई जा रही अटकलों में सामने आता रहा है।

गोविंदा का पंडाल पहुंचना इसलिए भी चर्चा में रहा क्योंकि उनकी पत्नी सुनीता आहूजा कुछ घंटे पहले ही इसी पंडाल में गणपति के दर्शन कर चुकी थीं। दोनों के अलग-अलग समय पर पंडाल पहुंचने को लेकर सोशल मीडिया और मनोरंजन जगत में उनके रिश्ते को लेकर चल रही अटकलों को फिर हवा मिली है। दर्शन के दौरान गोविंदा पारंपरिक सफेद कुर्ता-पायजामा पहने नजर आए, जबकि कोमल रानी स्वर्णकार लाल साड़ी में थीं। पूजा-अर्चना के बाद दोनों ने पंडाल में मौजूद फोटोग्राफरों और मीडियाकर्मियों का अभिवादन भी किया।

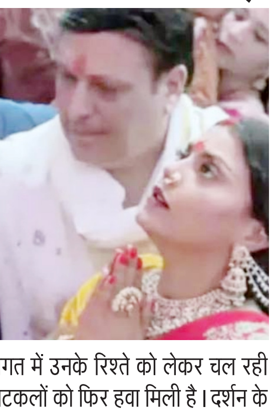

पिछले कुछ महीनों से गोविंदा और सुनीता आहूजा के वैवाहिक संबंधों को लेकर मीडिया में विभिन्न तरह की खबरें सामने आती रही हैं। सुनीता की ओर से भी गोविंदा और कोमल के कथित रिश्ते को लेकर सार्वजनिक टिप्पणियां की गई हैं। हालांकि, इन चर्चाओं और दावों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है।

कुछ समय पहले गोविंदा को एयरपोर्ट पर कोमल के साथ देखे जाने के बाद सुनीता ने पैपराजी से बातचीत में तस्वीरों पर प्रतिक्रिया दी थी। उन्होंने कोमल की स्टाइलिंग को लेकर टिप्पणी की थी और गोविंदा को शुगर डैडी कहा था। इसके बाद गोविंदा ने सार्वजनिक रूप से सुनीता से इस तरह की टिप्पणियां नहीं करने की अपील की थी। गोविंदा और सुनीता के सोशल मीडिया पर एक-दूसरे को अनफॉलो करने की खबरें भी सामने आई हैं।

अटारी स्थित बॉटनिकल गार्डन का होगा पुनर्विकास; पर्यटकों को मिलेंगी आधुनिक सुविधाएं और नए आकर्षण

मुख्य सचिव की अध्यक्षता में हुई उच्च स्तरीय बैठक

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार राज्य की प्राकृतिक धरोहरों को संवारने और पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक बड़ी परियोजना पर कार्य कर रही है। रायपुर के अटारी स्थित प्रसिद्ध नंदनवन को पीपीपी (सार्वजनिक-निजी भागीदारी) मॉडल के तहत नए और आकर्षक स्वरूप में विकसित किया जाएगा। इस कायाकल्प योजना पर लगभग 50 करोड़ रूपए की लागत आएगी।

मुख्य सचिव श्री विकासशील की अध्यक्षता में आज यहां मंत्रालय महानदी भवन में एक उच्च स्तरीय बैठक के दौरान नंदनवन पुनर्विकास की प्रस्तावित परियोजना के प्रस्ताव का प्रस्तुतिकरण किया गया।

जिसका नंदन वन पीपीपी समिति द्वारा अनुमोदन किया गया। बैठक में नंदनवन के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और इसे पर्यावरण व पर्यटन के एक बड़े केंद्र के रूप में विकसित करने की दिशा में चर्चा की गई।

पीपीपी मॉडल पर आधारित योजना के अंतर्गत नंदनवन को आधुनिक एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर के पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने के लिए

सार्वजनिक-निजी सहभागिता ली जाएगी। बॉटनिकल गार्डन का पुनर्विकास, प्राकृतिक संतुलन और पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए बॉटनिकल गार्डन को नए सिरे से संवारा जाएगा।

परिसर में पर्यटकों के लिए विश्वस्तरीय बुनियादी ढांचा, स्वच्छ सुविधाएं और आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार किया जाएगा। बच्चों और परिवारों के मनोरंजन के लिए नए आकर्षण और गतिविधियां जोड़ी जाएंगी। सुशासन नीति के तहत राज्य सरकार छत्तीसगढ़ की प्राकृतिक संपदा का संरक्षण करते हुए पर्यटन के क्षेत्र को नई गति दे रही है। नंदनवन का यह पुनर्विकास प्रकृति, पर्यावरण और आधुनिक जन-सुविधाओं का एक बेहतरीन संगम साबित होगा, जिससे स्थानीय व बाहरी पर्यटकों के अनुभव में बड़ा सुधार आएगा।

बैठक में वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के अपर मुख्य सचिव श्री मनोज कुमार पिंगुआ, पीसीसीएफ श्री अरूण कुमार पांडेय, विधि एवं विधायी विभाग के प्रमुख सचिव श्री मनीष कुमार ठाकुर, नीति आयोग के सदस्य श्री आशीष भट्ट, वित्त विभाग सहित समीति के अन्य सदस्य एवं अन्य विभागों के प्रमुख अधिकारी शामिल हुए।

ताजा खबर

संक्षिप्त

छत्तीसगढ़ में अब सीमांकन के लिए ऑनलाइन करना होगा आवेदन

रायपुर। छत्तीसगढ़ में सीमांकन के लिए आवेदन करने की प्रक्रिया को पूरी तरह ऑनलाइन किया जा रहा है। ई-कोर्ट के तहत सीमांकन आवेदन के लिए विकसित ऑनलाइन मॉड्यूल को लाइव कर दिया गया है। इस संबंध में आयुक्त भू-अभिलेख कार्यालय की ओर से सभी कलेक्टरों को आवश्यक निर्देश जारी किए गए हैं। आयुक्त भू-अभिलेख छत्तीसगढ़, नवा रायपुर की ओर से जारी पत्र में बताया गया है कि सीमांकन के लिए आवेदन प्राप्त करने की प्रक्रिया को पूर्णतः ऑनलाइन किए जाने के संबंध में आवश्यक निर्देश पूर्व में प्रेषित किए जा चुके हैं। इसी के अनुरूप ऑनलाइन मॉड्यूल के संचालन और विभिन्न स्तरों पर की जाने वाली कार्यवाही की प्रक्रिया के लिए संबंधित यूजर मैनुअल भी भेजा गया है। साथ ही नवीन ऑनलाइन व्यवस्था के अनुरूप सीमांकन की कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

सखी वन स्टॉप सेंटर की व्यवस्थाओं का जायजा लेने पहुंचीं महिला आयोग अध्यक्ष साहू

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. ममता साहू ने आज सखी वन स्टॉप सेंटर, दुर्ग का निरीक्षण किया। उन्होंने सेंटर में महिलाओं एवं बालिकाओं को उपलब्ध कराई जा रही आश्रय, परामर्श, चिकित्सा, पुलिस सहायता एवं विधिक सेवाओं की जानकारी ली और व्यवस्थाओं का जायजा लिया। डॉ. साहू ने संबंधित अधिकारियों को सेंटर की व्यवस्थाओं को और बेहतर बनाने तथा पीड़ित महिलाओं एवं बालिकाओं को त्वरित, संवेदनशील एवं समुचित सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सखी वन स्टॉप सेंटर संकटग्रस्त महिलाओं के लिए एक महत्वपूर्ण सहायता केंद्र है, जहां उन्हें एक ही स्थान पर आवश्यक सेवाएं उपलब्ध कराई जाती हैं। निरीक्षण के दौरान जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री अशोक पांडेय, केस वर्कर श्रीमती हेमलता वर्मा, पैरामेडिकल स्टाफ सहित सखी सेंटर के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

छत्तीसगढ़ में 13.96 लाख महिलाएं बनीं लखपति दीदी

रायपुर। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के अंतर्गत छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन 'बिहान' द्वारा संचालित लखपति महिला पहल को प्रदेश में उल्लेखनीय सफलता मिली है। भारत सरकार द्वारा वर्ष 2023-26 के लिए छत्तीसगढ़ को 7.82 लाख ग्रामीण महिलाओं को लखपति दीदी बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया था। इसके विरुद्ध अब तक प्रदेश की 13.96 लाख ग्रामीण महिलाओं को लखपति दीदी की श्रेणी में लाकर आत्मनिर्भर बनाया गया है। यह निर्धारित लक्ष्य का 179 प्रतिशत है।

आवासीय पट्टा देने का भी ऐलान

करोड़ों के विकास कार्यों की सौगात : सीएम साय

रायपुर। बीरगांव निगम चुनाव से पहले आज मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने क्षेत्रवासियों को करोड़ों की सौगात दी। कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री अरुण साव समेत कैबिनेट मंत्री, सांसद और विधायक शामिल हुए। दरअसल बीरगांव नगर निगम को कांग्रेस का गढ़ माना जाता है। यहां कांग्रेस का ही महापौर है। ऐसे में निगम चुनाव से पहले भाजपा सरकार ने यहां आज बड़ा कार्यक्रम आयोजित किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा, बिरगांव नगर निगम के लिए आज का दिन ऐतिहासिक दिन है। हमने आज 135 करोड़ रुपए के विकास कार्यों का भूमिपूजन और लोकार्पण किया है। कांग्रेस सरकार ने पिछले पांच सालों में किसी भी सड़क को बनाना तो छोड़ पुरानी बनी सड़कों को भी संभाल नहीं पाई थी। हमने आज हर घर नल योजना के तहत घर-घर पानी पहुंचाने का काम कर रहे है, लेकिन भूपेश सरकार में इस कार्य में भी कितना बंदरबांट हुआ है ये सबके सामने स्पष्ट है। उन्होंने कहा, बिरगांव नगर निगम को पिछले पांच

साल में सिर्फ 95 करोड़ मिला था, लेकिन हमने पिछले ढाई साल में 160 करोड़ से अधिक की राशि प्रदान किए हैं। हमारे भाजपा सरकार में विकास का काम तेज गति से चलता है।

कांग्रेस सरकार ने 18 लाख गरीबों के आवास का हक छीना: सीएम साय ने कहा, कांग्रेस सरकार ने 18 लाख गरीबों का आवास का हक छीना था, लेकिन हमारी सरकार बनते ही प्रति दिन हजारों प्रधानमंत्री आवास निर्मित हो रहे हैं। हमारे छत्तीसगढ़ को विकसित छत्तीसगढ़ बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। नक्सलवाद एक बड़ा रोड़ा था, लेकिन हमारी सरकार ने नक्सलवाद को भी उखाड़ फेंका है। हमारे प्रधानमंत्री जैसे विकसित भारत बना रहे हैं। इसी तरह हमें भी विकसित छत्तीसगढ़ बनाना है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने की ये घोषणाएं: सीएम साय ने निगम क्षेत्र में एसटीपी कार्य के लिए 82 करोड़ देने की घोषणा की है।

बिरगाँव क्षेत्र में पाइप लाइन विस्तार करने के लिए 10 करोड़ रुपए देने की घोषणा की है। बिरगाँव इलाके में नाली बनाने के लिए 5 करोड़ रुपए देने की घोषणा की है। खेल मैदान बनाने के लिए 5 करोड़ देने की घोषणा की है। बिरगाँव में नालंदा परिसर बनाने के लिए भी 5 करोड़ रुपए की घोषणा की है। व्यास शाला से बिरगाँव नाला तक स्ट्रीट लाइन के लिए 1 करोड़ रुपए की घोषणा की है। भवन निर्माण के लिए 1 करोड़ की घोषणा की है। विद्युत विभाग का जोन कार्यालय खोलने की भी घोषणा की है।

कॉलेज ग्राउंड में श्व- लाइब्रेरी के लिए 89 लाख रुपए देने समेत अन्य घोषणाएं की है। सीएम साय ने कहा, आवासीय पट्टा देने का भी कार्य करेंगे। भाजपा सरकार जो कहती है वो करती है। हमारी सरकार लगातार विकास कर रही है। कांग्रेसी इटली का चश्मा पहनते हैं इसीलिए उन्हें हमारी सरकार का विकास कार्य नजर नहीं आता है। छत्तीसगढ़ में नए प्रभारी नियुक्त किए जाने पर सीएम साय ने कहा, छत्तीसगढ़ को स्मृति ईरानी नए प्रभारी के रूप में मिली है। हम उनका स्वागत और अभिनंदन करते हैं।

बृजमोहन ने प्रधानमंत्री मोदी और केंद्रीय पर्यटन मंत्री शेखावत का जताया आभार

रायपुर। महाप्रभु श्री वल्लभाचार्य जी की प्राकट्य स्थली चंपारण्य अब देश के प्रमुख आध्यात्मिक और सांस्कृतिक पर्यटन केंद्र के रूप में वैश्विक पटल पर उभरेगी। भारत सरकार के पर्यटन मंत्रालय की केंद्रीय स्वीकृति एवं निगरानी समिति ने राजिम के समीप चंपारण्य में करीब 73.42 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले वल्लभाचार्य स्टैच्यू कॉम्प्लेक्स% को अंतिम मंजूरी प्रदान कर दी है। रायपुर लोकसभा को इस ऐतिहासिक सौगात पर सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत का रायपुर लोकसभा क्षेत्र की जनता व महाप्रभु वल्लभाचार्य जी के अनुआइयों की ओर से हृदय से आभार व्यक्त किया है।

सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने कहा, चंपारण्य केवल छत्तीसगढ़ ही नहीं, बल्कि समूचे देश और दुनिया भर में फैले करोड़ों वैष्णव भक्तों की अगाध आस्था का केंद्र है। लंबे समय से इस पावन धाम को एक भव्य और सर्वसुविधायुक्त आध्यात्मिक केंद्र के रूप में विकसित करने की आवश्यकता महसूस की जा रही थी। हमारे अनुरोध और पत्राचार पर त्वरित संज्ञान लेते हुए केंद्र सरकार ने 73.42 करोड़ रुपये की यह बड़ी सौगात दी है। इसके लिए हम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के %विकास भी, विरासत

भी% के संकल्प और पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत जी की सहृदयता के आभारी हैं। श्री अग्रवाल ने बताया कि लगभग 15 एकड़ क्षेत्र में आकार लेने वाली इस महत्वाकांक्षी परियोजना में महाप्रभु वल्लभाचार्य जी के जीवन, दर्शन और पुष्टिमार्गीय परंपरा को आधुनिक स्थापत्य व उन्नत पर्यटन सुविधाओं के साथ संजोया जाएगा। इस परिसर में श्रद्धालुओं और पर्यटकों के लिए ध्यान केंद्र, व्याख्या केंद्र (इंटरप्रिटेशन सेंटर), लेक फ्रंट, भव्य प्रतिमा, सुसज्जित परिक्रमा पथ और आधुनिक जनसुविधाएं विकसित की जाएंगी। सांसद अग्रवाल ने विश्वास जताया कि इस परियोजना के पूर्ण होने से छत्तीसगढ़ में धार्मिक पर्यटन को नए पंख लगेंगे। देश-विदेश से आने वाले पर्यटकों और श्रद्धालुओं की संख्या में भारी इजाफा होगा, जिससे नवा रायपुर और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में स्थानीय व्यापार, परिवहन और आतिथ्य क्षेत्र में युवाओं के लिए रोजगार के व्यापक अवसर पैदा होंगे।

सांसारिक वस्तुओं का मोह छोड़कर आत्म स्वरूप में रमण करें : सुरेश भाई मोदी

रायपुर। कचना अमलतास केसल स्तिथ 1008 श्री मुनि सुब्रत नाथ दिगंबर जैन मंदिर में महापर्व पर्युषण के नवंम दिवस पर उत्तम आकींचन्य धर्म की साधना के अवसर पर भाई सुरेश मोदी ने उद्बोधन में बताया कि आकिंचन्य धर्म हमें सिखाता है कि धन, संपत्ति, मान-सम्मान और सांसारिक वस्तुओं का मोह छोड़कर अपने आत्मस्वरूप में रमण करें. जब मेरा-तेरा का भाव कम होता है, तभी आत्मा की शांति और सच्चे सुख का अनुभव होता है. आइए, आज हम संकल्प लें कि परिग्रह और मोह को कम करके आत्मा के गुणों को बढ़ाएँ, और सरलता, संतोष एवं त्याग का जीवन अपनाएँ. जिन शासन की शोभा में एवं 108 मुनि श्री आगम सागर जी मुनि महाराज जी (ससंघ)के आशीर्वाद से बिना जल निराहार रह कर समाज के गौरव हर्षित जैन, अक्षत जैन, हिमांशु जैन, कुमारी अद्विका जैन एवं रीना जैन के द्वारा दस लक्षण व्रत (उपवास) आनंद पूर्वक संपन्न हो रहा है . प्रातः 7.30 बजे श्री जी का पाण्डुक शीला पर अभिषेक, शांति धारा, नित्य पूजा के पश्चात दस लक्षण विधान संपन्न हुआ. सायं 7 बजे भक्ति पूर्वक संगीतमय आरती के पश्चात विरा महिला मंडल के मार्गदर्शन में विभिन्न धार्मिक सांस्कृतिक कार्यक्रम आनंद पूर्वक संपन्न हुए. उपरोक्त जानकारी मंदिर के अध्यक्ष हिमांशु जैन ने दी।

रावतपुरा कॉलोनी में मनमोहक गणेश की स्थापना

रायपुर। प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी श्री गणेश जन कल्याण समिति, रावतपुरा कॉलोनी में श्री गणेश भगवान की भव्य स्थापना की गई है। इस वर्ष बप्पा भगवान भोलेनाथ के स्वरूप में, हाथ में त्रिशूल लिए हुए अत्यंत मनमोहक रूप में विराजमान हुए हैं। भगवान के दिव्य और अलौकिक दर्शन के लिए पूरे मोहल्ले में भक्तों का तांता लगा हुआ है। इस अवसर पर अध्यक्ष - श्री विजय सिंह ठाकुर, संरक्षक -उपाध्यक्ष श्री सतीश गोस्वामी,श्री नरेश सेन जी, सलाहकार - श्री रशीद अली, श्री राकेश ठाकुर, श्री विष्णु ठाकुर, श्री विजय कुशवाहा, पूर्व अध्यक्ष - श्री चिंतामणि जांगड़े, सचिव - श्री प्रेमप्रकाश गजेन्द्र, सह-सचिव - श्री प्रमोद बघमार, कोषाध्यक्ष - श्री शक्ति सोनकर, सह-कोषाध्यक्ष - श्री विवेक सिंह ठाकुर, डॉ. जीतेन्द्र सोनकर,श्री राघवेंद्र सिँह राजपूत,श्री संतोष सेन, श्री संदीप साहू, श्री अश्वनी दीवान, श्री

के.एन. वर्मा, श्री सौरभ चंद्राकर, श्री मनोज साहू, श्री हेमन्त साहू, श्री शिव शम्भू पटेल, श्री राधे मेडिकल, श्री मनोज जैन, श्री चन्दभूषण नायक, श्री विकास राय, श्री शिव सोनी, श्री विकास निगम, श्री निरंजन साव, सुश्री स्नेहा साहू, श्रीमती वर्मा आंटी, सुश्री दीक्षा अग्रवाल, श्री प्रफुल्ल देवांगन, श्री अशरफ मोहम्मद, श्रीमती राधा रानी, श्री कोमल साहू, श्री के.एस. चंद्राकर, श्री अमरनाथ शुक्ला, श्री ललित साहू, श्री ईश्वर पाल, श्री कैलाश पाल, श्री जीवन माधुरी, श्री भूषण सिन्हा, श्री आशु ठाकुर,श्री सौरभ चंद्राकर,श्री अनुराग तिवारी,श्री प्रेम पाल, श्री लल्ला सेन, श्री भास्कर सेन एवं समस्त रावतपुरा कॉलोनी वासी उपस्थित रहे। कॉलोनी के बड़े-बुजुर्ग, सियान, माताएं-बहनें, युवा साथी और छोटे-छोटे बच्चों सहित सभी भक्त सुबह-शाम एक स्वर में एकत्र होकर प्रतिदिन गणेश जी की आरती में शामिल हो रहे हैं। आरती के दौरान पूरा वातावरण गणपति बप्पा मोरया के जयकारों से गूंज उठता है। समिति के सभी पदाधिकारी और सदस्य तन-मन से सेवा में लगे हुए हैं। आप सभी श्रद्धालुओं से विनम्र अपील है कि पधार कर भगवान श्री गणेश जी के दर्शन कर पुण्य लाभ अर्जित करें।

उप मुख्यमंत्री ने किया नि:शुल्क विशाल दिव्यांग उपकरण वितरण शिविर का शुभारंभ

दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर बनाना ही सेवा का उद्देश्य है उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा

रायपुर। जिन हाथों ने वर्षों से किसी का सहारा लिया, वही आज खुद गिलास उठाकर पानी पी रहे थे। जिन पैरों ने कभी साथ छोड़ दिया था, वही कृत्रिम पैर लगने के बाद बाइक चला रहे थे। कबीरधाम जिले के पीजी कॉलेज डोम कवर्धा में बुधवार को ये दृश्य सिर्फ एक शिविर की तस्वीर नहीं, बल्कि दिव्यांगजनों के जीवन में लौटती उम्मीद, बढ़ते आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता की नई शुरुआत रही। इस बदलाव के बीच उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा दिव्यांगजनों के बीच पहुंचे और नि:शुल्क विशाल दिव्यांग उपकरण वितरण शिविर का शुभारंभ करते हुए हितग्राहियों को कृत्रिम अंग एवं सहायक उपकरण प्रदान किए। भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति जयपुर, सकल जैन समाज एवं भारतीय जैन संगटना (छत्तीसगढ़) और जिला प्रशासन के सहयोग से आयोजित शिविर में करीब एक हजार दिव्यांगजनों का पंजीयन हुआ है। उपकरण नहीं,

आत्मनिर्भर जीवन की शुरुआत उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने शिविर में दिव्यांगजनों से मुलाकात की और उन्हें कृत्रिम हाथ-पैर सहित विभिन्न सहायक उपकरण प्रदान किए। शिविर में कृत्रिम हाथ-पैर, कैलिपर्स, ट्राइसाइकिल सहित जरूरत के अनुसार अन्य उपकरण उपलब्ध कराए जा रहे हैं। उपकरण प्राप्त करने के बाद हितग्राहियों ने उनका उपयोग कर अपनी क्षमता का प्रदर्शन भी किया। एक हितग्राही ने कृत्रिम पैर की सहायता से बाइक चलाकर दिखया, वहीं एक अन्य दिव्यांगजन ने कृत्रिम हाथ से पानी पीकर बताया कि यह सुविधा उसके दैनिक जीवन को किस तरह आसान बना सकती है। उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि दिव्यांगजनों के लिए आयोजित यह शिविर अद्भुत सेवा का उदाहरण है। जैन समाज सेवा कार्यों में हमेशा आगे रहा है। उन्होंने कहा कि कवर्धा में रहते हुए उन्होंने जैन समाज को बहुत करीब से देखा है। जैन समाज के जीवन में एक ओर समृद्धि और सामाजिक दायित्व है, तो दूसरी ओर त्याग और सेवा की प्रबल भावना भी है। यही संतुलन समाज को सेवा कार्यों के लिए प्रेरित करता है। उन्होंने बताया कि शिविर के लिए लगभग एक हजार दिव्यांगजनों का पंजीयन हुआ है। श्रवण, दृष्टि और अस्थि बाधित दिव्यांगजनों सहित जरूरत के अनुसार कैलिपर, कृत्रिम पैर, हाथ एवं अन्य सहायक उपकरण उपलब्ध कराए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि उपकरण केवल हाथ-पैर का सहारा नहीं हैं, बल्कि इनके मिलने के बाद व्यक्ति के जीवन में आने वाला बदलाव अधिक महत्वपूर्ण है।

खेल समिति के सदस्यों ने की भगवान गणेश की आराधना, मिष्ठान्न का लगाया भोग

रायपुर। रायपुर। रायपुर प्रेस क्लब के गणेश उत्सव में बुधवार को खेल समिति की सहभागिता रही। खेल समिति के संयोजक विजय मिश्रा की अगुवाई में सदस्यों ने भगवान गणेश की पूजा-अर्चना कर आरती की और अपने साथ लाए मिष्ठान्न का भोग अर्पित किया। पूजा-अर्चना और आरती के दौरान पत्रकार साथियों ने भगवान गणेश से प्रेस क्लब से जुड़े सभी पत्रकारों एवं उनके परिवारों के सुख, समृद्धि और मंगल की कामना की।रायपुर प्रेस क्लब द्वारा इस वर्ष गणेश उत्सव को हिंदी पत्रकारिता के 200 वर्ष की गौरवपूर्ण थीम से जोड़ा गया है। उत्सव में प्रेस क्लब से जुड़े विभिन्न समूहों और पत्रकारिता की अलग-अलग विधाओं की सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए प्रत्येक दिन अलग-अलग पत्रकार बिरादरी एवं समितियों को भगवान गणेश की सेवा और आराधना का अवसर दिया जा रहा है। इसी क्रम में बुधवार को खेल समिति के सदस्यों ने सामूहिक रूप से गणेश आराधना में हिस्सा लिया। इस अवसर पर प्रेस क्लब अध्यक्ष मोहन तिवारी, महासचिव गौरव शर्मा, उपाध्यक्ष दिलीप साहू, कोषाध्यक्ष दिनेश यदु, संयुक्त सचिव निवेदिता साहू एवं भूपेश जांगड़े सहित

कार्यकारिणी सदस्य जाकिर घुरसेना एवं चंदन साहू मौजूद रहे। कार्यक्रम में खेल समिति के संयोजक विजय मिश्रा, सहसंयोजक अख्तर हुसैन एवं शंकर चंद्राकर सहित वरिष्ठ पत्रकार प्रशांत शर्मा, दामु अंबेडारे,राजेंद्र निगम, टीकम वर्मा, सतीश पांडे, प्रदीप चंद्रवंशी,कमलेश गोगिया, पार्थ बेहरा, प्रवीण सिंह (ईटीवी भारत), पवन ठाकुर, तिलक राम साहू, हेमंत डोंगरे, हरिमोहन तिवारी, एवं विनय घाटगे , सहित पत्रकार साथी उपस्थित रहे। प्रेस क्लब अध्यक्ष मोहन तिवारी ने कहा कि इस वर्ष गणेश उत्सव को पत्रकारिता के 200 वर्षों की गौरवपूर्ण यात्रा के साथ-साथ प्रेस क्लब परिवार की सामूहिक सहभागिता का उत्सव बनाने का प्रयास किया जा रहा है। अलग-अलग समितियों और पत्रकार साथियों की सहभागिता से गणेश उत्सव में आपसी सौहार्द, भाईचारे और संगठनात्मक एकजुटता का भाव मजबूत हो रहा है। उन्होंने कहा कि खेल पत्रकारों और खेल समिति की सक्रियता प्रेस क्लब की जीवंतता का महत्वपूर्ण हिस्सा है, इसलिए गणेश उत्सव में उनकी सहभागिता भी विशेष महत्व रखती है। गुरुवार को प्रेस क्लब की गणेश उत्सव में पत्रकार सपत्नीक शामिल होंगे सभी पत्रकार जनों को अपने परिजन के साथ इस अवसर पर शामिल होने की प्रेस क्लब ने अपील की है, इस दौरान पत्रकार साथियों द्वारा भगवान गणेश के लिए भजन भी प्रस्तुत किया जाएगा, रायपुर प्रेस क्लब ने सभी पत्रकार साथियों से आगामी आयोजनों में सहभागी बनने और भगवान गणेश की संध्या आरती में शामिल होकर इस सामूहिक उत्सव को गरिमामय बनाने का आह्वान किया है।

गुस्से में लिए फैसलों से वक्त के पहले समाप्त हुआ रायुडू का कैरियर

हैदराबाद। पूर्व क्रिकेटर अंबाती रायुडू भारतीय टीम के एक ऐसे बल्लेबाज रहे हैं। जो बेहद प्रतिभाशाली थे पर अपने मिजाज गर्म के कारण और अप्रत्याशित फैसलों से उनका करियर समय से पहले ही समाप्त हो गया।

भारतीय क्रिकेट इतिहास में कुछ ही खिलाड़ी ऐसे होंगे, जिनकी पहचान उनके खेल के साथ-साथ उनके बागी तेवरों के लिए भी बनी हो और उनमें से अंबाती रायुडू एक ऐसे ही खिलाड़ी हैं जिन्होंने कई बार अपने गुस्से और जल्दबाजी में लिए गए फैसलों से अपने ही करियर को नुकसान पहुंचाया। क्रिकेट के खेल में संयम का बहुत महत्व होता है, और रायुडू के करियर को देखकर यह बात बखूबी समझी जा सकती है।

कभी बीसीसीआई से पंगा, कभी विश्व कप टीम से बाहर होने पर तत्काल संन्यास का ऐलान, और कभी-कभी मैदान के बाहर भी गुस्से में आकर विवादों में घिरना। ये सभी घटनाएं उनके नाम के साथ जुड़ गईं। हालांकि, इन विवादों के बावजूद, एक बल्लेबाज के रूप में उनकी क्षमता पर कभी सवाल नहीं उठाया गया। वह एक बेहतरीन क्रिकेटर थे, जिनमें भारत के लिए लंबा खेलने की काबिलियत थी।

उनके करियर का सबसे बड़ा मोड़ शायद 2019 एकदिवसीय विश्व कप टीम का चयन रहा। मध्यक्रम में भारत के सबसे भरोसेमंद बल्लेबाजों में से एक माने जा रहे रायुडू को अचानक टीम से बाहर कर दिया गया और उनकी जगह ऑलराउंडर विजय शंकर को मौका मिला। चयनकताओं के इस फैसले से आहत होकर, रायुडू ने तुरंत अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी, जिसने पूरे क्रिकेट जगत को हैरान कर दिया। यह रायुडू के गुस्से और बगावती तेवर का ही परिणाम था कि उन्होंने उस समय ऐसा बड़ा फैसला लिया। बाद में उन्होंने घरेलू क्रिकेट में वापसी की कोशिश की पर तब तक भारतीय टीम के दरवाजे उनके लिए हमेशा के लिए बंद हो चुके थे।

यह पहली बार नहीं था जब रायुडू ने नियमों को चुनौती दी हो। साल 2007 में उन्होंने बीसीसीआई द्वारा अवैध घोषित की गयी इंडियन क्रिकेट लीग (आईसीएल) में खेलने का फैसला किया था। इस बागी लीग में शामिल होने के कारण बीसीसीआई ने उन्हें और अन्य खिलाड़ियों को प्रतिबंधित कर दिया था। यह वही दौर था जब आईसीए के जवाब में आईपीएल की नींव रखी गई, जो आज क्रिकेट की दुनिया का सबसे बड़ा मंच बन चुका है। हालांकि, बाद में बीसीसीआई की माफी योजना के तहत उनकी गलती माफ कर दी गई, और उन्हें दोबारा घरेलू क्रिकेट में खेलने की अनुमति मिली।भारतीय टीम के लिए रायुडू ने कुल 55 एकदिवसीय और 6 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं। इन मैचों में उन्होंने कई बार अपनी बल्लेबाजी का लोहा मनवाया, लेकिन उनके गर्म मिजाज ने हमेशा उनके करियर को छोटा कर दिया। एक परिपक्व मध्यक्रम बल्लेबाज के रूप में उनकी कमी टीम इंडिया में अक्सर महसूस की गई।

मैनचेस्टर सिटी ने चेल्सी के एंजो फर्नांडेज को अपने साथ जोड़ा

लंदन। प्रीमियर लीग से जुड़े शीर्ष फुटबॉल क्लब मैनचेस्टर सिटी ने चेल्सी के मिडफील्डर एंजो फर्नांडेज को अपने साथ शामिल किया है। अर्जेंटीना के इस 25 वर्षीय सितारे को 12 .5 करोड़ पाउंड में शामिल किया गया है अब देखना है कि वह टीम के लिए कितने फायदेमंद साबित होते हैं।

दिलचस्प बात यह रही कि सौदा पूरा होने से ठीक पहले फर्नांडेज ने चेल्सी के समर्थकों के लिए एक भावुक संदेश लिखा था। उन्होंने कहा कि स्टैमफोर्ड ब्रिज और कोभम उनके और उनके परिवार के लिए पिछले तीन वर्षों से घर जैसे रहे हैं। उन्होंने चेल्सी के साथ खिताब जीतने और मुश्किल दौर से गुजरने की अपनी यादों का भी जिक्र किया। फर्नांडेज जनवरी 2023 में बेनफिका से 10 .6 करोड़ पाउंड में चेल्सी आए थे। चेल्सी के साथ उन्होंने 2025 में यूरोपीय सम्मेलन लीग और उसी साल विस्तारित फीफा क्लब विश्व कप जैसे खिताब जीते। हालांकि, पिछले सत्र में रियल मैड्रिड जाने की इच्छा जताने के बाद उन्हें चेल्सी प्रबंधन की नाराजगी का भी सामना करना पड़ा था, जिसके चलते उन्हें दो मुकाबलों से बाहर रखा गया था।

फर्नांडेज को सिटी में लाने के पीछे क्लब के नए असिस्टेंट कोच एंजो मारेस्का की भूमिका अहम मानी जा रही है, जो पहले चेल्सी में फर्नांडेज के साथ काम कर चुके हैं। मैनचेस्टर सिटी को अपने मिडफील्ड में नए विकल्पों की सख्त आवश्यकता थी, जिसके लिए उन्होंने इस ट्रांसफर विंडो में भारी निवेश किया है। क्लब ने इस नए मध्य क्षेत्र के लिए अब तक 30 करोड़ पाउंड से ज्यादा खर्च किए हैं। फर्नांडेज अब इंग्लैंड के इलियट एंडरसन और मोरक्को के अयूब बुआद्दी के साथ सिटी के नए मध्य क्षेत्र का हिस्सा होंगे, जिससे टीम की गहराई और बढ़ जाएगी।मैनचेस्टर सिटी से जुड़ने के बाद फर्नांडेज ने अपनी खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा कि हर खिलाड़ी ऐसे क्लब का हिस्सा बनना चाहता है, जहां सफलता की मजबूत संस्कृति हो और वे लगातार बड़ी ट्रॉफी जीतते हों। उन्होंने अपने नए साथियों से सीखकर और कड़ी मेहनत करके अपने खेल को और बेहतर बनाने की इच्छा जताई है, जिससे मैनचेस्टर सिटी को आगामी सत्रों में और मजबूती मिलने की उम्मीद है।

अभिषेक के नाम दर्ज हुआ 10 वीं बार गोल्डन डक होने का रिकार्ड

सानो। भारतीय क्रिकेट टीम के आक्रामक सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा जापान के खिलाफ हुए मैत्री मैच में पहली ही गेंद पर आउट हो गये थे। इससे उनके नाम एक अनचाहा रिकार्ड जुड़ गया है। ये 10 वीं बार है जब अभिषेक इस साल पारी की पहली ही गेंद पर आउट (गोल्डन डक) हुए। इस मैच में अभिषेक शर्मा चार्ली हारा-हिन्जे की पहली ही गेंद पर स्वीप शॉट खेलने की कोशिश में अपना कैच थमा बैठे। ये गोल्डन डक इस साल के कैलेंडर वर्ष में सभी टी20 मुकाबलों में उनका दसवां शून्य स्कोर था। इस आंकड़े के साथ, अभिषेक एक कैलेंडर ईयर में टी20 क्रिकेट में 10 बार शून्य पर आउट होने वाले पहले बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने इस मामले में अफगानिस्तान के राशिद खान और पाकिस्तान के शादाब खान को पीछे छोड़ दिया, जिन्होंने अपने-अपने कैलेंडर वर्ष में नौ-नौ डक दर्ज किए थे। राशिद ने 2019 में और शादाब ने 2024 में नौ-नौ बार बिना खाता खोले पवेलियन का रास्ता देखा था, लेकिन अभिषेक ने जापान के खिलाफ इस रिकॉर्ड को ध्वस्त कर दिया। दिलचस्प बात यह है कि 2026 में अभिषेक के नाम दर्ज हुए कुल 10 डक में से पांच बार वह टी20 इंटरनेशनल में पहली ही गेंद पर पवेलियन लौटे हैं, जो अपने आप में एक और रिकॉर्ड की बराबरी है।

अपने ही एआई वीडियो को देखकर हैरान हुए वार्नर

सिडनी। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास के बाद भी ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर डेविड वॉर्नर सोशल मीडिया में छाये रहते हैं। इसके साथ ही वह बॉलीवुड फिल्मों के भी शौकीन है। कई बार वह दक्षिण और बॉलीवुड के गानों पर अपनी रील बनाते नजर आते हैं पर इस बार अपने ही एक ऐसे वायरल वीडियो को देखकर हैरान गए हैं, जिसमें उन्हें रजनीकांत की आगामी फिल्म जेलर 2 के एक गाने पर नाचते हुए दिखाया गया है। यह कोई आम वीडियो नहीं, बल्कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) द्वारा जनरेट किया गया एक ऐसा वीडियो है जो सोशल मीडिया पर छाया हुआ है।

गौरतलब है कि वॉर्नर का जेलर 2 के गाने अला बोलेलो पर डांस करते हुए एक एआई-जेनरेटेड वीडियो जमकर वायरल हो रहा है। यह वीडियो इतना वास्तविक

लगता है कि पहली नजर में कोई भी पहचान नहीं पायेगा कि ये वार्नर है या उनका ए आई विडियो। वीडियो में वॉर्नर को गाने के बोल और धुन के साथ जबरदस्त मूव्स करते दिखाया गया है। वॉर्नर इस वीडियो को देखकर इतना हैरान हुए कि उन्होंने इसे अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर साझा करते हुए लिखा, ठीक है, इसे किसने बनाया? मुझे नहीं पता कि यह कौन सा गाना है या मैं कौन सा डांस कर रहा हू पर लगता है बॉलीवुड डेव के कुछ मूव्स हैं। अला बोलेलो गाना अपनी दमदार धुन और ऊर्जावान बोलों के कारण तेजी से लोकप्रियता हासिल कर रहा है। इसे संगीतबद्ध अनिरुद्ध रविचंदर ने किया है और अपनी आवाज भी दी है। उनके साथ निरंजना रमन, अपर्णा हरिकुमार और दीप्ति सुरेश ने भी अपनी आवाज दी है, जिससे गाने में एक अलग ही ऊर्जा भर गई है। इस गाने के बोल अरुणराजा कामराज ने लिखे हैं, जो लोगों को खूब पसंद आ रहे हैं। फिल्म जेलर 2 दुनिया भर में 15 अक्टूबर 2026 को थिएटर में रिलीज होने वाली है। डेविड वॉर्नर के एआई वीडियो ने इस फिल्म के प्रति उत्साह को और बढ़ा दिया है।

रोहित, विराट टीम में रहे तो विश्वकप जीतने की संभावना 90 फीसदी बढ़ जाएगी : रैना

नई दिल्ली। पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना ने एक बार फिर कहा है कि अगले साल होने वाले एकदिवसीय विश्वकप के लिए अनुभवी बल्लेबाजों रोहित शर्मा और विराट कोहली को भारतीय टीम में बनाये रखना चाहिये।

रैना के अनुसार इन दोनो ही खिलाड़ियों को कठिन हालातों में खेलने का लंबा अनुभव है और उसके रहने से टीम के जीतने की संभावना 90 फीसदी तक बढ़ जाएगी। वहीं अगर इन दोनो को नहीं रखा जाता है तो टीम लिए दबाव के हालातों में उबरना कठिन हो जाएगा। रैना के अनुसार विश्वकप दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया में खेला जाना है और वहां तेज पिचें होती है जिसपर बल्लेबाजी के लिए टीम में अनुभवी खिलाड़ियों की काफी जरुरत होती है। रैना ने रोहित और कोहली का समर्थन करते हुए कहा कि इनके रहते ही भारतीय टीम ने कई खिताबी मुकाबले जीते हैं।

इस पूर्व क्रिकेटर ने कहा, हमारे पास इन दोनो के रुप में बेहतरीन मैच-विजेता खिलाड़ी हैं। इन दोनो के पास कप्तानी का भी लंबा अनुभव है। हमारे पास रोहित और विराट कोहली जैसे बेहतरीन कप्तान हैं जिन्होंने आईपीएल और देश के लिए कई ट्रॉफियां जीती हैं। विराट को किसी परिचय की जरूरत नहीं है, क्योंकि वह एक अलग

तरह के खिलाड़ी हैं। मुझे लगता है कि मैंने उनके साथ बहुत सारे मैच खेले हैं। विराट भी विश्वकप खेलना चाहते हैं। मुझे लगता है कि अगर वे दोनों टीम में रहते हैं, तो खिताबजीतने की संभवना 90 फीसदी हो जाती है। रैना ने उनके अनुभव और दबाव में प्रदर्शन करने की क्षमता पर जोर दिया, जो बड़े आयोजनों में महत्वपूर्ण होती है।

रैना ने विश्वकप 2023 में ऑस्ट्रेलिया के हाथों भारत की निराशाजनक हार का भी जिक्र किया और उम्मीद जताई कि जब टीम 2027 के टूनामेंट के लिए दक्षिण अफ्रीका लौटेगी, तो उसमें और ज्यादा जोश होगा। उन्होंने 2003 में दक्षिण अफ्रीका में मिली हार का बदला लेने की बात करते हुए कहा, हम साल 2003 में दक्षिण अफ्रीका में हारे थे, अब उसका बदला भी लेना है। यह बयान भारतीय टीम के लिए एक अतिरिक्त प्रेरणा के रूप में देखा जा सकता है। रोहित और विराट को वेस्टइंडीज के खिलाफ होने वाली तीन मुकाबलों की घरेलू एकदिवसीय सीरीज के लिए 15-सदस्यीय टीम में शामिल किया है। वर्तमान प्रतिभाओं पर बात करते हुए, रैना ने युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी की तारीफ में कहा, मुझे लगता है कि उन्हें वैसे ही खेलने देना चाहिए जैसे वह खेल रहे हैं। जिस तरह से वह इतने सारे रन बना रहा है, जिस तरह से वह खेलते हैं उनकी सोच बिल्कुल अलग है। मुझे उसे खेलते हुए देखना बहुत अच्छा लगता है। रैना का यह बयान भारतीय क्रिकेट के भविष्य को लेकर उनके सकारात्मक दृष्टिकोण को भी दर्शाता है।

सेंसेक्स 600 अंक से ज्यादा टूटा, निफ्टी 23,250 के नीचे; सभी सेक्टर लाल

नई दिल्ली। भारतीय शेयर बाजार में गुरुवार की शुरूआत भारी बिकवाली के साथ हुई। शुरूआती कारोबार में सेंसेक्स 600 अंक से ज्यादा टूट गया, जबकि निफ्टी भी 23,250 के नीचे फिसल गया। बैंकिंग और वित्तीय शेयरों में दबाव ज्यादा रहा। व्यापक बाजार में भी बिकवाली दिखी और निफ्टी मिडकैप 100 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 करीब 1-1 फीसदी नीचे आ गए। बाजार में इस गिरावट के पीछे घरेलू और वैश्विक दोनों स्तरों पर कई कारण बताए जा रहे हैं।

बाजार में आज इतनी बड़ी गिरावट क्यों आई?

सुबह 9:36 बजे सेंसेक्स 526.98 अंक यानी 0.70 फीसदी गिरकर 74,301.27 पर था। वहीं निफ्टी 178 अंक यानी 0.76 फीसदी टूटकर 23,268.80 पर आ गया। शुरूआती कारोबार में सेंसेक्स 600 अंक से ज्यादा नीचे भी गया। बाजार में कमजोरी के पीछे चार प्रमुख कारण बताए जा रहे हैं- बॉन्ड यील्ड में तेज उछाल, अमेरिकी फेड की ब्याज दरों को लेकर उम्मीदें, कच्चे तेल की कीमतों में तेजी और कमजोर वैश्विक संकेत।

क्या बॉन्ड यील्ड में तेजी ने बाजार पर दबाव बढ़ाया?

बॉन्ड यील्ड में तेज बढ़ोतरी बाजार के लिए अहम चिंता बन गई है। रिपोर्ट के मुताबिक यील्ड 19 साल के उच्च स्तर पर पहुंच गई है। आम तौर पर बॉन्ड यील्ड बढ़ने से निवेशकों के लिए निश्चित आय वाले

साधनों का आकर्षण बढ़ सकता है और इक्विटी बाजार पर दबाव बन सकता है। इसका असर खास तौर पर उन शेयरों पर देखा जा सकता है जिनके मूल्यांकन ब्याज दरों और भविष्य की कमाई की उम्मीदों से जुड़े होते हैं।

क्या फेड की ब्याज दरों को लेकर उम्मीदें भी वजह हैं?

अमेरिकी ब्याज दरों को लेकर बाजार की उम्मीदों में बदलाव भी निवेशकों के सेंटीमेंट पर असर डाल रहा है। ऊंची ब्याज दरों की संभावना से वैश्विक स्तर पर जोखिम वाले एसेट्स पर दबाव बढ़ सकता है। भारतीय बाजार में विदेशी निवेशकों के रुख पर भी वैश्विक ब्याज दरों और बॉन्ड यील्ड की दिशा का असर पड़ता है।

क्या कच्चे तेल की कीमतों में तेजी से बढ़ी चिंता?

कच्चे तेल की कीमतों में तेजी भी भारतीय बाजार के लिए महत्वपूर्ण संकेत है। भारत अपनी जरूरत का बड़ा हिस्सा कच्चे तेल के आयात से पूरा करता है। ऐसे में तेल की कीमतों में तेजी से आयात लागत और अर्थव्यवस्था पर दबाव बढ़ सकता है। बाजार में निवेशक तेल की कीमतों की दिशा पर भी नजर रख रहे हैं।

क्या कमजोर वैश्विक संकेतों ने गिरावट को और बढ़ाया?

एशियाई और वैश्विक बाजारों से मिले संकेत भी पूरी तरह सकारात्मक नहीं रहे। उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक एसएंडपी 500 फ्यूचर्स 0.2 फीसदी नीचे, जबकि जापान का टॉपिक्स 0.1 फीसदी ऊपर था। ऑस्ट्रेलिया का एसएंडपी/एएसएक्स 200 0.7 फीसदी, हांगकांग का हेंगसेंग 0.4 फीसदी और शंघाई कंपोजिट 0.8 फीसदी गिरा। यूरो स्टॉक्स फ्यूचर्स भी 0.3 फीसदी नीचे था। गुरुवार को शुरूआती कारोबार में सभी सेक्टोरल इंडेक्स लाल निशान में रहे। निफ्टी प्राइवेट बैंक और निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज में करीब 2 फीसदी की गिरावट दर्ज हुई। इसके अलावा व्यापक बाजार में भी बिकवाली तेज रही और मिडकैप तथा स्मॉलकैप इंडेक्स करीब 1 फीसदी नीचे आ गए।

आगे बाजार के लिए किन संकेतों पर नजर रहेगी?

अब निवेशकों की नजर बॉन्ड यील्ड, अमेरिकी फेड से जुड़े संकेतों, कच्चे तेल की कीमतों और वैश्विक शेयर बाजारों पर रहेगी। घरेलू स्तर पर बैंकिंग और वित्तीय शेयरों में बिकवाली की दिशा भी बाजार की चाल के लिए महत्वपूर्ण होगी। फिलहाल शुरूआती कारोबार के संकेत बताते हैं कि बाजार में जोखिम से बचने का रुख मजबूत है।

फ्लाइट में इंटरनेट न होने पर भी होगा पेमेंट

नई दिल्ली। बहुत जल्द आपको फ्लाइट में बिना इंटरनेट के भी खरीदारी करने का मौका मिलेगा. एचडीएफसी बैंक फ्लाइट में भी डिजिटल रुपया पेमेंट की सुविधा देने जा रहा है और इसके लिए ये आरबीआई की सेंट्रल बैंक डिजिटल करेंसी को कई नए तरीकों से इस्तेमाल करेगा.

फ्लाइट में पैसेंजर्स को बिना इंटरनेट पेमेंट करने की सुविधा मिलने से कई काम आसान हो जाएंगे. इसके अलावा क्रेडिट कार्ड रिवॉर्ड्स से लेकर कॉरपोरेट अलाउंस और अन्य कई फायदे भी एचडीएफसी बैंक के डिजिटल रुपया से मिल पाएंगे.

क्रेडिट कार्ड रिवॉर्ड्स को यूज करने वाले कस्टमर भी अपने पॉइंट्स को डिजिटल रुपये में रिडीम कर पाएंगे. डिजिटल रुपये में कन्वर्ट किए हुए इन पॉइंट्स को ग्राहक कई जगह फायदा ले सकते हैं जैसे कि डाइनिंग, फ्यूल, कपड़ों और इलेक्ट्रोनिक्स की खरीदारी के लिए इस्तेमाल किया जा सकेगा.

देशभर में प्याज की आपूर्ति बढ़ाने की कवायद तेज

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में प्याज की आपूर्ति बढ़ाने के प्रयासों के तहत मूल्य स्थिरीकरण कोष (पीएसएफ) के बफर स्टॉक से प्याज लेकर कांडा एक्सप्रेस गुरुवार को कोलकाता पहुंचने वाली है . एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई है . पश्चिम बंगाल में एनएएफईडी और एनसीसीएफ की मोबाइल वैन के माध्यम से

लगभग 1,400 मीट्रिक टन प्याज 35 रुपए प्रति किलो की दर से वितरित किया जा चुका है .

उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के बयान में कहा गया है कि कांडा एक्सप्रेस के आने से अतिरिक्त मात्रा में प्याज की आवाजाही अधिक कुशलता से हो सकेगी, जिससे बाजार में उपलब्धता में सुधार होगा और मौसमी कीमतों पर दबाव कम होगा . बयान में आगे कहा गया कि आगमन से प्याज की अधिक मात्रा की आवाजाही में तेजी आने की उम्मीद है और कोलकाता और आसपास के जिलों में, विशेष रूप से त्योहारी मौसम से पहले, इसकी उपलब्धता और मजबूत होगी . बयान में आगे कहा गया है कि कोलकाता जाने वाली कांडा एक्सप्रेस, रेल और सड़क परिवहन के हाइब्रिड नेटवर्क के माध्यम से पीएसएफ बफर स्टॉक से प्याज की सुनियोजित आपूर्ति की चल रही रणनीति का हिस्सा है .

चांदी कराएगी चांदी: अगली दिवाली तक 71% तक बढ़ सकती हैं कीमतें

नई दिल्ली। केडिया एडवाइजरी की दिवाली 2027 सिल्वर रिपोर्ट के मुताबिक, औद्योगिक मांग में बढ़ोतरी और सीमित खनन आपूर्ति के चलते चांदी में तेजी की संभावना है। रिपोर्ट में अगले छह महीनों में अंतरराष्ट्रीय कीमत 85-90 डॉलर और दिवाली 2027 तक 120 डॉलर प्रति औंस तक पहुंचने का अनुमान जताया गया है।

त्योहारी सीजन और शादियों के मौसम से पहले अगर आप निवेश का सुरक्षित और मुनाफे वाला विकल्प तलाश रहे हैं, तो कीमती धातुओं में चांदी इस बार निवेशकों को मालामाल करने का दम दिखा रही है। केडिया एडवाइजरी की ताजा दिवाली 2027 सिल्वर रिपोर्ट के मुताबिक, वैश्विक स्तर पर औद्योगिक मांग में भारी उछाल और खदानों से सीमित आपूर्ति के कारण चांदी के तेवर आने वाले दिनों में और तीखे होने वाले हैं।

छह महीने में 90 डॉलर तक पहुंचने का अनुमान

रिपोर्ट के अनुसार, चांदी के अंतरराष्ट्रीय बाजार भावों में आने वाले महीनों में जबरदस्त तेजी देखने को मिल सकती है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में चांदी के भाव अगले छह महीनों में 85 से 90 डॉलर प्रति औंस तक पहुंचने

का अनुमान है। अभी कॉमेक्स पर चांदी का भाव 65 डॉलर प्रति औंस के आसपास बना हुआ है।

दिवाली 2027 तक 120 डॉलर का लक्ष्य

दीवाली 2027 तक चांदी का अंतरराष्ट्रीय भाव 120 डॉलर प्रति औंस के लक्ष्य को छू सकता है। मुद्रा (रुपये-डॉलर के उतार-चढ़ाव), आयात शुल्क और प्रीमियम के गणित को देखें तो सितंबर 2026 के लगभग 2.34 लाख रुपये प्रति किलो के बेंचमार्क भाव से बढ़कर घरेलू बाजार में चांदी 4 लाख रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर तक जा सकती है, जो मौजूदा भाव से करीब 71 फीसदी की बड़ी तेजी का संकेत है।

तेजी के पीछे ये हैं प्रमुख कारण

केडिया एडवाइजरी के डायरेक्टर अजय केडिया का मानना है कि इस बार चांदी की तेजी केवल धारणा पर आधारित नहीं है, बल्कि इसके पीछे मजबूत आर्थिक और औद्योगिक कारण हैं।

लगातार छठे साल चांदी की कमी

2026 में वैश्विक स्तर पर चांदी की मांग और आपूर्ति के बीच 4.63 करोड़ औंस का भारी घाटा रहने का अनुमान है। यह लगातार छठा साल है जब वैश्विक बाजार में चांदी की कमी बनी हुई है।

खदानों से उत्पादन बढ़ाना आसान नहीं

चांदी की कीमतें ऊंची होने के बावजूद खदानों से इसका उत्पादन तेजी से नहीं बढ़ रहा है। 2026 में उत्पादन घटकर 84.41 करोड़ औंस रहने का अनुमान है। इसकी वजह यह है कि कुल चांदी उत्पादन का केवल एक-चौथाई हिस्सा ही प्राथमिक खदानों से आता है, बाकी तांबा, जस्ता और सीसा खनन के उप-उत्पाद के रूप में निकलता है।

एमपी में 600 से ज्यादा परिवारों को अनुकंपा नियुक्ति का तोहफा

शिक्षक-कर्मचारी संगठनों ने जताया आभार

भोपाल। प्रदेश में 600 से अधिक दिवंगत शिक्षक एवं कर्मचारियों के आश्रितों को एकमुश्त अनुकंपा नियुक्ति प्रदान किए जाने के निर्णय का शिक्षक एवं कर्मचारी संगठनों ने स्वागत करते हुए प्रदेश सरकार एवं शिक्षा विभाग के प्रति आभार व्यक्त किया है।

अधिकारी-कर्मचारी संयुक्त मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं शासकीय शिक्षक संगठन मध्यप्रदेश के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष उपेन्द्र कौशल ने कहा कि दिवंगत शिक्षक एवं कर्मचारियों के परिवार लंबे समय से अनुकंपा नियुक्ति की प्रतीक्षा कर रहे थे। ऐसे में एकमुश्त अनुकंपा नियुक्ति का निर्णय संबंधित परिवारों के लिए महत्वपूर्ण राहत है। इससे आश्रितों को रोजगार का अवसर मिलने के साथ परिवारों को आर्थिक एवं सामाजिक सुरक्षा प्राप्त करने में सहायता मिलेगी।

कौशल ने इस निर्णय के लिए मुख्यमंत्री, शिक्षामंत्री, सचिव स्कूल शिक्षा, आयुक्त लोक शिक्षण तथा शिक्षा विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के प्रति धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि दिवंगत शिक्षक एवं कर्मचारियों ने अपने सेवाकाल में शिक्षा एवं प्रशासनिक व्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनके निधन से परिवारों को हुई क्षति अपूरणीय है।

उन्होंने अनुकंपा नियुक्ति प्राप्त करने वाले सभी आश्रितों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। साथ ही कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए दिवंगत हुए सभी शिक्षक एवं कर्मचारियों को सादर श्रद्धांजलि अर्पित की। श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि ईश्वर दिवंगत आत्माओं को शांति प्रदान करें और उनके शोकाकुल परिवारों को इस कठिन समय में संबल एवं शक्ति प्रदान करें। इस अवसर पर शिक्षक नेताओं राकेश पटेल, राकेश पाण्डेय, राजेश साहू, राकेश धनगर, फैसल अंसारी, नितेश नागर, मनोज रायकवार, अनिल नागर एवं मनीष शर्मा सहित अन्य पदाधिकारियों ने भी सरकार एवं शिक्षा विभाग के प्रति धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया।

महत्वपूर्ण ख़बर

मुख्यमंत्री ने स्वतंत्रता सेनानी मैडम भीकाजी कामा की जयंती पर किया नमन

- भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने स्वतंत्रता सेनानी मैडम भीकाजी कामा की जयंती पर नमन किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अपने संदेश में कहा कि देश के स्वतंत्रता संग्राम में मैडम भीकाजी कामा का साहस- समर्पण और राष्ट्रप्रेम का भाव हम सभी को सदैव प्रेरणा देता रहेगा।

अवैध मादक पदार्थों के विरुद्ध मध्यप्रदेश पुलिस की विगत 5 दिनों में व्यापक कार्रवाई

- भोपाल। मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा अवैध मादक पदार्थों की तस्करी, बिक्री एवं अवैध खेती के विरुद्ध विगत 5 दिनों में प्रदेश के विभिन्न जिलों में लगातार प्रभावी कार्रवाई की गई।

पुलिस टीमों ने मुखबिर सूचनाओं के आधार पर दबिश, घेराबंदी एवं चेकिंग की कार्रवाई करते हुए बड़ी मात्रा में गांजा, डोडाचूरा, अफीम, एमडी ड्रग्स एवं स्मैक सहित मादक पदार्थ जब्त किए।

इन कार्रवाइयों में आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किए गए। विभिन्न प्रकरणों में मादक पदार्थों के साथ वाहन, मोबाइल फोन एवं अन्य सामग्री भी जब्त की गई। विगत पांच दिनों की इन कार्यवाहियों में कुल 1 करोड़ 39 लाख रुपये से अधिक की संपत्ति जब्त की।

सिंहस्थ सेवादूतों के लिए भोपाल में बनेगा अत्याधुनिक ट्रेनिंग सेंटर : मुख्यमंत्री

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि सिंहस्थ : 2028 विश्व का सबसे बड़ा धार्मिक मेला है। यह हमारी आध्यात्मिक चेतना, भारतीय संस्कृति और वैश्विक आस्था का विराट पर्व है। इसके भव्य और दिव्य आयोजन के लिए बड़ी संख्या में लोगों के साथ पूरी क्षमता के साथ तैयार होना होगा। यह हम सबका दायित्व है कि सिंहस्थ में आने वाले श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की कठिनाई न हो। मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार को मुख्यमंत्री निवास में भारत स्काउट एंड गाइड के पदाधिकारियों एवं गाइड्स के साथ सिंहस्थ सेवा कार्य 2028 के संदर्भ में आयोजित एक विशेष संगोष्ठी को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सिंहस्थ में भीड़ नियंत्रण सहित कई प्रकार की व्यवस्थाएं संभालने वाले स्काउट एंड गाइड के मास्टर ट्रेनर, सेवादूतों एवं स्वयं सेवकों के विधिवत प्रशिक्षण के लिए भोपाल में एक अत्याधुनिक ट्रेनिंग सेंटर बनाया जाएगा।

उन्होंने कहा कि इस ट्रेनिंग सेंटर के बनने एवं इसमें प्रशिक्षण शुरू होने तक आवश्यकतानुसार सांदीपनि विद्यालय के भवनों एवं परिसरों का इस्तेमाल किया जाएगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सेवा, भारत स्काउट एवं गाइड का मूल मंत्र है और ह्यतैयार रहोह्ल इसका ध्येय वाक्य। स्काउट एंड गाइड ने अपने कार्य के आधार पर दुनिया में अलग ही पहचान बनाई है। पिछले 15 वर्षों से अधिक समय से उज्जैन सिंहस्थ के आयोजन में इस संगठन की कार्यशैली, सामर्थ्य और समर्पण को करीब से देखा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा किसुरक्षित और सुव्यवस्थित सिंहस्थ कराना सरकार का लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि सिंहस्थ : 2028 सेवा-भाव, प्रबंधन क्षमता और सुशासन की व्यापक परीक्षा भी होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इसी संदर्भ में अपील करते हुए कहा कि आप सबको सेवा के लिए, किसी भी चुनौती और अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए हमेशा की तरह तैयार रहना होगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि आजादी के बाद हुए पांच सिंहस्थों में भारत स्काउट-गाइड ने सेवा के कई अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किये हैं। सिंहस्थ 2028 में भीड़ प्रबंधन की चुनौती सबसे बड़ी होगी। उज्जैन सिंहस्थ में करीब 40 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं के आने का अनुमान है। इसके लिए सभी आवश्यक तैयारियां की जा रही है।

रायगढ़ में बस और ट्रक की जोरदार भिड़ंत

20 से 30 यात्री घायल, ड्राइवर गंभीर

रायगढ़। धरमजयगढ़ क्षेत्र के कोयलर में गुरुवार सुबह करीब 9 बजे बस और ट्रक की जोरदार भिड़ंत हो गई। हादसे में बस में सवार करीब 20 से 30 यात्रियों के घायल होने की जानकारी सामने आई है। बताया जा रहा है कि हादसे के समय बस में करीब 40 से अधिक यात्री सवार थे। दुर्घटना के बाद घायलों को उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया।

बस और ट्रक की जोरदार टक्कर

जानकारी के अनुसार बस धरमजयगढ़ से खरसिया की ओर जा रही थी। इसी दौरान कोयलर क्षेत्र में सामने से धरमजयगढ़ की ओर आ रहे ट्रक से उसकी जोरदार टक्कर हो गई। भिड़ंत इतनी जबरदस्त थी कि बस बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और उसके अंदर भी भारी नुकसान हुआ। हादसे में बस चालक के गंभीर रूप से घायल होने की जानकारी है।

यात्रियों में मची अफरा-तफरी

टक्कर के बाद बस में सवार यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। आसपास के लोग बड़ी संख्या में मौके पर पहुंचे और घायलों को बाहर निकालकर उपचार के लिए भेजने में मदद की।

हादसे की सूचना के बाद पुलिस भी मौके पर पहुंची। कोयलर क्षेत्र में वाहनों की रेलमपेल आवाजाही से सड़क दुर्घटना की घटना घटित होना बताया जा रहा है। बहरहाल हादसे की प्रमुख वजह की जानकारी पुलिस जुटा रही है।

डेटा सिर्फ रिपोर्टिंग नहीं, नीति निर्माण का आधार

भोपाल। राज्य शिक्षा केंद्र, स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार, यूनिसेफ एवं एनआईसी के सहयोग से 21 से 23 सितंबर तक आरसीवीपी नरोन्हा प्रशासन एवं प्रबंधकीय अकादमी, भोपाल में आयोजित यूडाइज प्लस एवं पीजीआई इंडेक्स 2025-26 की तीन दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यशाला का समापन हो गया। कार्यशाला में राज्य एवं जिला स्तर के अधिकारियों को यूडाइज प्लस में डेटा प्रविष्टि, सत्यापन एवं प्रबंधन तथा पीजीआई और पीजीआई-डी के माध्यम से शैक्षिक प्रदर्शन के विश्लेषण की जानकारी दी गई। विशेषज्ञों ने डेटा की शुद्धता, प्रमाणिकता और समयबद्ध अद्यतन को प्रभावी शैक्षिक नियोजन के लिए महत्वपूर्ण बताया। साथ ही इस बात पर जोर दिया गया कि विद्यालयों से प्राप्त डेटा अब केवल रिकॉर्ड तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि शिक्षा व्यवस्था की आवश्यकताओं की पहचान, संसाधनों के बेहतर नियोजन और शैक्षिक गुणवत्ता में सुधार के लिए कार्ययोजनाएं तैयार करने का महत्वपूर्ण आधार बनेगा।

सचिव, स्कूल शिक्षा विभाग डॉ. संजय गोयल ने कार्यशाला में शामिल शिक्षा विभाग के अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि आज शिक्षा व्यवस्था में बेहतर योजना निर्माण, संसाधनों के प्रभावी उपयोग और निरंतर सुधार के लिए विश्वसनीय आंकड़ों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। जब आंकडों और उनके विश्लेषण की बात हो तो वङ्कऋए+ और ढत्रक्रइंडेक्स को समझना और उनका प्रभावी उपयोग सभी मैदानी अधिकारियों के लिए आवश्यक है।

दीक्षांत शपथ का करें आजीवन पालन : राज्यपाल श्री पटेल

भोपाल। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा कि दीक्षित विद्यार्थियों के लिए भावी जीवन का वास्तविक उपदेश उनकी दीक्षांत शपथ में ही निहित है। इसलिए दीक्षित विद्यार्थी दीक्षांत शपथ का केवल एक दिन नहीं बल्कि आजीवन पालन करें। हमेशा विनम्र रहें। कभी अभिमान नहीं करें।

माता-पिता, गुरूजनों और विश्वविद्यालय से प्राप्त शिक्षा और संस्कारों से जीवन में प्रगति प्राप्त करें। उन्होंने कहा कि दीक्षित होने वाले चिकित्सक हर क्षण पीड़ित मानवता की सेवा का संकल्प धारण करें। मरीजों के साथ अत्यंत आत्मीय व्यवहार करें। उनकी समस्याओं को धैर्य के साथ सुने और उपचार करें।

राज्यपाल श्री पटेल बुधवार को मानसरोवर ग्लोबल विश्वविद्यालय सीहोर के दीक्षांत समारोह और ग्रेजुएशन डे कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने प्रख्यात भजन गायक पद्मश्री अनूप जलोटा और मध्यप्रदेश के अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेटर श्री रजत पाटीदार को मानद उपाधि प्रदान की। विश्वविद्यालय के दीक्षित विद्यार्थियों को उपाधि और पदक प्रदान किए। सभी को भावी जीवन के लिए शुभकामनाएं दी। कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में आयोजित समारोह में उच्च शिक्षा मंत्री श्री इंदर सिंह परमार भी मौजूद थे।

विदिशा में फूड सेफ्टी विभाग का छापा

श्याम डेरी पर घी के नाम पर मिला वेजिटेबल फैट, 750 किलो माल जब्त

विदिशा। खाद्य सुरक्षा प्रशासन और जिला प्रशासन की संयुक्त टीम ने बुधवार को ईदगाह रोड स्थित श्याम डेयरी इंडस्ट्री पर छापा मारा। करीब डेढ़ घंटे चली कार्रवाई में टीम को घी और घी जैसे उत्पादों के साथ बड़ी मात्रा में मल्टीपर्पस वेजिटेबल फैट मिला। टीम ने करीब 750 किलो घी और वेजिटेबल फैट, जिसकी कीमत करीब 4.50 लाख रुपये बताई गई है, सील कर दिया। मौके से छह खाद्य नमूने भी जांच के लिए लिए गए हैं।

छापेमारी में भोपाल के अधिकारी भी शामिल

डेयरी से कारोबार को आगामी आदेश तक रोक दिया है। इस छापामार कार्रवाई में भोपाल के अधिकारी भी शामिल थे। खाद्य सुरक्षा टीम के अनुसार, ईदगाह रोड पर आरटीओ ऑफिस के सामने मुखर्जी नगर स्थित श्याम डेयरी इंडस्ट्री में निरीक्षण के दौरान मानव उपयोग के लिए मल्टीपर्पस वेजिटेबल फैट का उपयोग कर घी और घी सदृश खाद्य पदार्थ बनाए जाने की जानकारी मिली।

नरीक्षण के दौरान टीम को फैक्ट्री के खाद्य लाइसेंस में मल्टीपर्पस वेजिटेबल फैट के निर्माण या उपयोग का उल्लेख नहीं मिला। लाइसेंस में दर्ज तकनीकी प्रभारी भी मौके पर मौजूद नहीं मिले। निर्माण स्थल के पास खाद्य रंग की खुली बोतलें मिलने के साथ परिसर में साफ-सफाई की स्थिति पर भी टीम ने आपत्ति दर्ज की।

कार्रवाई के दौरान गाय का मक्खन, गाय घी, कामधेनु घी, अरिहंत घी, मल्टीपर्पस वेजिटेबल फैट और लूज घी के नमूने लिए गए। इन्हें जांच के लिए भेजा जाएगा। कार्रवाई के बाद करीब 750 किलो खाद्य सामग्री को एक कमरे में रखवाकर सील कर दिया गया। खाद्य कारोबारकर्ता को एफएसएसएआई लाइसेंस के तहत अग्रिम आदेश तक खाद्य कारोबार करने से प्रतिबंधित किया गया है।

क्या होता है वेजिटेबल फैट?

वेजिटेबल फैट वनस्पति तेलों से तैयार वसा है, जिसका उपयोग कई खाद्य पदार्थों में होता है। यह अपने-आप में जहरीला नहीं है, लेकिन अधिक ट्रांस फैट या संतृप्त वसा वाला फैट लगातार खाने से कोलेस्ट्रॉल बढ़ने और हृदय रोग का जोखिम बढ़ सकता है।

एडवांस तकनीक से प्रशिक्षित बस चालकों के हाथों में होगा स्टेयरिंग

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गडकरी 25 सितंबर को बीएचईएल दशहरा मैदान भोपाल में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा अंतर्गत सावर्जनिक यात्री बसों के संचालन का शुभारंभ करेंगे।

मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा अंतर्गत शुरू होने वाली इंटरसिटी और इंट्रासिटी बसों के संचालन को आधुनिक, सुरक्षित और सुविधाजनक बनाने की दिशा में परिवहन विभाग ने पूरी तैयारी कर ली है। इसके अंतर्गत सड़कों पर दौड़ने वाली बसों का स्टेयरिंग एडवांस तकनीक से प्रशिक्षित ड्राइवरों के हाथों में होगा। इसके लिए बस चालकों को इलेक्ट्रिक और सीएनजी बसों की तकनीक, संचालन और सुरक्षा मानकों से परिचित कराने के लिए आवश्यक प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इससे नई तकनीक वाली बसों का सुरक्षित और सुचारू संचालन सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी।

पैनिक बटन और जीपीएस से बढ़ेगी सुरक्षा

मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा में यात्रियों की सुरक्षा और बसों की निगरानी के लिए तकनीक का उपयोग किया जाएगा। बसों में पैनिक बटन और जीपीएस की सुविधा रहेगी। जीपीएस के माध्यम से बसों की लाइव लोकेशन की निगरानी की जा सकेगी। पैनिक बटन आपात स्थिति में यात्रियों की सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण माध्यम के रूप में काम करेगा। मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा अंतर्गत प्रदेश में इंटरसिटी और इंट्रासिटी बसों का संचालन शुरू किया जाएगा।

33 किसानों के नाम पर 7.80 करोड़ का पॉलीहाउस लोन, निर्माण हुआ नहीं; फर्जीवाड़ा कर रकम निकाली

इंदौर। कागजों में पॉलीहाउस बनाकर करोड़ों का फजीवाड़ा करने का मामला सामने आया है। आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ (ईओडब्ल्यू) ने निजी फर्म के साझेदारों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज की है। आरोपितों द्वारा संगठित रूप से मामला बैंक ऑफ बड़ौदा की खरगोन शाखा से जुड़े 33 ऋण प्रकरणों और सात करोड़ 80 लाख 85 हजार रुपये का है। जांच में बैंक अधिकारियों, निजी फर्मों और उनके साझेदारों के बीच मिलीभगत का आरोप भी सामने आया है।

ईओडब्ल्यू एसपी रामेश्वर यादव के अनुसार एवीआईडी एग्रीकल्चर साल्यूशन प्राइवेट लिमिटेड को पांच पॉलीहाउस बनाने थे, लेकिन दो का भी निर्माण नहीं किया गया। इसके बावजूद पांचों के कूटरचित कार्यपूर्णता प्रमाणपत्र तैयार कर बैंक से भुगतान प्राप्त करने का आरोप है। इसी तरह किसान एग्रो को 20 पालीहाउस बनाने थे।

आरोप है कि बिना निर्माण कराए सभी 20 के कार्यपूर्णता प्रमाणपत्र तैयार किए गए और डीसीसी बैंकिंग चैनल के माध्यम से भुगतान ले लिया गया। सिरांश टेक्नो इंडिया प्राइवेट लिमिटेड को आठ पॉलीहाउस बनाने के लिए एजेंसी के रूप में तय किया गया था। जांच में आरोप है कि यहां भी निर्माण के बिना कूटरचित प्रमाणपत्र तैयार कर भुगतान हासिल किया गया।

जांच में ईओडब्ल्यू को सभी कार्यपूर्णता प्रमाणपत्र प्रथम दृष्टया कूटरचित मिले। सबसे अहम तथ्य यह सामने आया कि 33 में से तीन मामलों में जिस दिन लोन राशि का भुगतान हुआ,

उसी दिन कार्यपूर्णता प्रमाणपत्र प्रस्तुत कर दिया गया। 12 मामलों में भुगतान की तारीख से पहले ही प्रमाणपत्र तैयार था, जबकि 16 प्रकरणों में लोन स्वीकृत होने की तारीख से भी पहले कार्यपूर्णता प्रमाणपत्र बना हुआ था। ईओडब्ल्यू के मुताबिक किसानों का भरोसा हासिल कर उनसे भूमि संबंधी दस्तावेज लिए गए। फिर उनके नाम पर ऋण स्वीकृत कर निजी फर्मों को राशि का भुगतान कराया गया। जांच में इसे किसानों और बैंक के साथ धोखाधड़ी का हिस्सा माना गया है।

जांच में ग्राम भीलगांव, तहसील कसरावद, खरगोन निवासी नारायण सिंह पुत्र मानसिंह तंवर का प्रकरण भी सामने आया। उसकी कृषि भूमि बैंक आफ बड़ौदा की खरगोन शाखा में पहले से बंधक थी। इसके बावजूद बैंक की सहमति और एनओसी लिए बिना उसी जमीन को दोबारा बंधक रखकर सात दिसंबर 2015 को 1.90 करोड़ रुपये का कैश क्रेडिट ऋण स्वीकृत किए जाने का आरोप है। ईओडब्ल्यू के अनुसार नारायण सिंह, राजेंद्रसिंह तंवर, नितिन गांवशिंदे और तत्कालीन मुख्य शाखा प्रबंधक केके सरवटे ने आपस में साजिश कर बैंक में बंधक संपत्ति का बंटांकन कराकर उसका लैंड यूज परिवर्तन कराया और फिर उसी बैंक में दोबारा बंधक रख दिया।

इस प्रकरण में बैंक को 1.90 करोड़ रुपये की अतिरिक्त आर्थिक क्षति का आरोप है। इस तरह 7.80 करोड़ रुपये के पॉलीहाउस ऋण और कथित कूटरचित पुनर्बंधक से 1.90 करोड़ रुपये, यानी कुल नौ करोड़ 70 लाख 85 हजार रुपये की बैंक को आर्थिक क्षति पहुंचाने का आरोप एफआईआर में लगाया गया है।

इन पर एफआईआर

ईओडब्ल्यू ने राज इको फार्म्स व उसके साझेदार राजेंद्रसिंह तंवर और नितिन गांवशिंदे, सिरांश टेक्नो इंडिया प्रालि के डायरेक्टर सौरभ दुबे, किसान एग्रो के साझेदार नरेंद्र पंवार, एवीआइडी एग्रीकल्चर साल्यूशन प्रालि के डायरेक्टर बजपालसिंह चौधरी व अविनाश पाटीदार, नारायणसिंह तंवर, तत्कालीन मुख्य शाखा प्रबंधक केके सरवटे, ऋण प्रबंधक शुभम सोहनी, तत्कालीन बैंक अधिकारी चंद्रशेखर राठौड़ सहित अन्य के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

अनंत चतुर्दशी झांकी में पुलिस का रहेगा सख्त पहरा, छह संभाग, 12 जोन और 22 सेक्टर में बंटी सुरक्षा

इंदौर। अनंत चतुर्दशी के ऐतिहासिक झांकी चल समारोह को लेकर इंदौर पुलिस ने सुरक्षा का पूरा खाका तैयार कर लिया है।

बुधवार को पुलिस कमिश्नर संतोष कुमार सिंह ने अधिकारियों के साथ बैठक कर आपातकालीन इंतजामों की समीक्षा की। इस बार पुलिस व्यवस्था को छह संभाग, 12 जोन और 22 सेक्टर में बांटकर मैदान में उतारा जाएगा।

प्रमुख स्थानों पर वाच टावर, ड्रोन, सीसीटीवी और फेस रिकग्निशन कैमरों से निगरानी होगी। चल समारोह के प्रमुख और भीड़भाड़ वाले स्थानों पर वाच टावर बनाए जाएंगे। यहां पुलिसकर्मी सीसीटीवी और पीए सिस्टम के जरिए लगातार निगरानी करेंगे।

प्रमुख मार्गों और संवेदनशील स्थानों की बहुमंजिला इमारतों पर भी पुलिस बल तैनात रहेगा। पुलिसकर्मी दूरबीन और कैमरों से नजर रखेंगे। ड्रोन यूनिट भी पूरे समारोह के दौरान सक्रिय रहेगी। ड्रोन से मिलने वाले फुटेज पर वाचर्स नजर रखेंगे और किसी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी संबंधित पुलिस टीम को तत्काल दी जाएगी।

बदमाशों पर खास नजर

पुलिस के अनुसार चिह्नित गुंडे-बदमाशों और असामाजिक तत्वों की गतिविधियों पर विशेष निगरानी

रखी जाए। किसी भी तरह का विवाद, उपद्रव या कानून-व्यवस्था बिगाड़ने की कोशिश करने वालों पर तत्काल कार्रवाई की जाएगी। आयोजकों को झांकियों और अखाड़ों के सभी वाहनों की फिटनेस और मैकेनिकल जांच पहले कराने के निर्देश दिए गए हैं।

विद्युत व्यवस्था का सुरक्षा प्रमाणपत्र भी लेना होगा। प्रत्येक वाहन के लिए वैध लाइसेंस वाले चालक के साथ स्पेयर ड्राइवर रखने को कहा गया है। चल समारोह में शामिल वाहन चालकों की ब्रीद एनालाइजर से जांच होगी। शराब या अन्य नशे के सेवन की पुष्टि होने पर चालक को वाहन चलाने की अनुमति नहीं दी जाएगी और नियमानुसार कार्रवाई होगी।

आग और हादसे से निपटने के इंतजाम

पुलिस ने आयोजकों को अग्निशमन यंत्र, फर्स्ट एड बाक्स, स्ट्रेचर और एंबुलेंस जैसी आपातकालीन व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा है। संभावित बारिश को देखते हुए विद्युत उपकरणों और झांकियों की सुरक्षा के लिए वैकल्पिक इंतजाम रखने के निर्देश भी दिए गए हैं। पुलिस ने झांकियों और अखाड़ों के निर्धारित रूट व समय का सख्ती से पालन कराने के साथ मंचों के सामने रुकने की समय-सीमा का पालन सुनिश्चित करने को कहा है। आयोजकों को पर्याप्त संख्या में प्रशिक्षित वालिंटियर्स रखने होंगे।

स्वामी, प्रकाशक : अली आदिल खान द्वारा साईं प्रिंटिंग प्रेस डी 85 सेक्टर 8, नोएडा, गौतमबुद्ध नगर 201301 से मुद्रित और एच 41 ए, अबुल फजल एनक्लेव, जामिया नगर, दक्षिण पूर्व दिल्ली 110025 से प्रकाशित। संपादक : अली आदिल खान
RNI No.: DELMUL/2012/47011 | Email:timesofpedia@gmail.com | समाचार चयन एवं प्रकाशन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार तथा समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन होंगे।